

कैसे राज कपूर की एक सीख बनी सिनेमा की नींव ? 'शोले' से लेकर K3G तक, हिंदी फिल्मों में झलकती है श्रीराम कथा

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 29
न्यूनतम - 17

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 312 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर मंगलवार 10 नवम्बर 2026 ● कार्तिक शुक्ल 1 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

पीएम मोदी ने बस्तर में जवानों के साथ मनाई दीवाली



कहा-हथियार वाले नक्सली गए, अब दिमागी नक्सलियों से लड़ना होगा, ये लोगों को भड़का रहे



नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रविवार को कहा कि नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा। ये लोगों को संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ भड़का रहे हैं। पीएम ने यह बात छत्तीसगढ़ के बस्तर में कोबरा ऑपरेशंस बेस में सीआरपीएफ जवानों के सामने कही। पीएम यहां दीवाली मनाने पहुंचे थे। पीएम लगातार 13वीं बार जवानों के साथ दिवाली मनाने पहुंचे थे।

देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ

2026 की दीवाली बेहद खास है। 40-50 साल बाद पहली बार देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त हुआ है। करोड़ों लोगों ने नक्सलवाद का डर पीछे छोड़ दिया है। पिछले एक साल में ड्यूटी के दौरान सीआरपीएफ के किसी जवान की जान नहीं गई। यह सुरक्षा बलों के शौर्य, साहस और सरकार की सही नीतियों की जीत है। 2004 से 2013 तक हर साल नक्सलियों के मुकाबले हमारे ज्यादा जवान शहीद हुए। पिछली सरकारों ने नक्सलवाद को बड़ी बीमारी मान लिया था।

पीएम ने हमें नक्सली कहा, मुझसे बहस करें

● राहुल गांधी ने आठ दिन में पीएम को 6वीं बार दी चुनौती ● कहा-उसके बाद किसी जवान के सामने खड़े नहीं हो पाएंगे



नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक बार फिर खुली बहस की चुनौती दी है। इस बार उन्होंने सीधे सीआरपीएफ के जवानों को टैग करके पोस्ट किया है। पिछले 8 दिन में यह छठी बार है, जब राहुल गांधी ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा -प्रिय सीआरपीएफ के जवानों, आपके चेहरों ने सब बता दिया - आपको प्रधानमंत्री के झूठ पर भरोसा नहीं। उन्होंने हमें नक्सली कहा। मेरी चुनौती कायम है। वो मुझसे बहस करें-देशद्रोही कौन है और विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन चल रहा है। कोई भी समय, किसी भी जगह। मेरी गारंटी है उस बहस के बाद पीएम में एक भी जवान के सामने खड़े नहीं होंगे। मोदी ने कहा था-दिमागी नक्सलियों से लड़ना है- छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के साथ दिवाली मनाने के बाद पीएम मोदी ने उन्हें संबोधित भी किया था। वहां पीएम ने कहा - ये पहली दीवाली है जब देश का हर जिला नक्सलवाद से मुक्त है। उन्होंने कहा- नक्सलवाद का खतरा अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जंगलों से हथियारबंद नक्सलियों का सफाया हो चुका है, लेकिन अब दिमागी नक्सलियों से खतरा है। उन्होंने दावा किया कि इन लोगों ने कई राजनीतिक संगठनों में घुसपैठ कर ली है। हमें उनकी पहचान कर खत्म करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

4 आतंकियों की तलाश, लालचौक पर बैनर लगा

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर के लाल चौक इलाके में रविवार सुबह चार वांटेड आतंकियों की जानकारी मांगने वाला बैनर लगाया गया है। यह बैनर प्रताप पार्क की दीवार पर टांगा गया है। इसमें आतंकियों के नाम और तस्वीरें हैं। बैनर में मोहम्मद लतीफ भट की तस्वीर भी शामिल है। वह इस साल जुलाई में अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या में शामिल था। इसके अलावा बिलाल अहमद मीर,



मोहम्मद उमर मीर और आबिद कयूम लोन का नाम भी है। ये तीनों बारामूला जिले के रहने वाले हैं। बैनर पर लिखा है, जो भी इन आतंकियों की आवाजाही या मौजूदगी के बारे में विश्वसनीय जानकारी दे सकता है, उसकी पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और अच्छा इनाम दिया जाएगा। **लतीफ पर 15 लाख का ईनाम पहले से-** इससे पहले अगस्त-सितंबर में काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर ने वांछित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी लतीफ अहमद भट की गिरफ्तारी के लिए श्रीनगर के विभिन्न इलाकों में पोस्टर लगाए हैं। एजेंसी ने उसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने पर 15 लाख रुपए के नकद इनाम की घोषणा की है।

1930 में आरएसएस पर बैन लगाने की हुई थी कोशिश

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 1930 के दशक का एक किस्सा सुनाते हुए बताया कि उस समय सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश हुई थी। उन्होंने कहा- उस समय संघ के समर्थन में कोई स्वयंसेवक सामने नहीं आया था। ऐसे में इब्राहिम नाम के एक व्यक्ति ने संघ का पक्ष रखते हुए कहा था कि संघ को बंद नहीं किया जाना चाहिए और क्योंकि वह सांप्रदायिक संगठन नहीं है। भागवत ने बताया कि इब्राहिम का कहना था- जो लोग कहते हैं कि हिंदुस्तान हिंदू राष्ट्र है, उन्हें मेंटल हॉस्पिटल भेज देना चाहिए। मैं डॉ. हेडगेवार को जानता हूं, वह मेंटल नहीं हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं। इसलिए, संघ कम्युनल नहीं हो सकता।



व्यक्ति निर्माण से देश निर्माण- संघ का उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के जरिए समाज और देश को बेहतर बनाना है। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का मानना था कि अच्छे व्यक्ति से ही अच्छे समाज और देश का निर्माण होता है। आरएसएस के प्रचारक बिना किसी स्वार्थ, अहंकार या व्यक्तिगत लाभ की उम्मीद के संगठन और समाज के लिए काम करते हैं। वे अपनी निजी इच्छाओं को भी संगठन के लिए छोड़ देते हैं। प्रचारकों और स्वयंसेवकों के समर्पण और त्याग को सिर्फ शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। उनके साथ रहकर ही इसे महसूस किया जा सकता है। उनका जीवन दूसरों को समाज सेवा के लिए प्रेरित करता है। हर स्वयंसेवक आदर्शों पर पूरी तरह खरा नहीं उतर पाता, लेकिन सभी समाज के लिए अच्छा काम करने की कोशिश करते हैं। प्रचारक अपने व्यवहार और समर्पण से बने हैं।

कहीं खुशी तो कहीं गम लेकर आई दीवाली

● आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा आसमान ● देश भर में धूमधाम से मनी दीवाली, करोड़ों की आतिशबाजी



नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर में दीपावली की धूम रही। इस बार कई करोड़ रुपए की आतिशबाजी हुई। नगर से लेकर गांवों तक दीपोत्सव की धूम रही। घरों में दीपों और बिजली की रंगीन मालाओं से रोशनी बिखरी तो आसमान देर रात तक आतिशबाजी के रंगों से सराबोर रहा। लक्ष्मी पूजन के बाद लोगों ने जमकर पटाखे जलाए। दीपावली से दो दिन पहले ही लोगों ने घरों को फूलों, रंगीन झालरों और बिजली की मालाओं से सजाना शुरू कर दिया था। रविवार को सुबह से ही घरों में पर्व की तैयारियां चलती रहीं। महिलाओं ने गन्ने से मां लक्ष्मी की प्रतिमा तैयार की और घरों के आंगन में आकर्षक रंगोलियां सजाईं। शाम होते ही लोगों ने विधि-विधान से मां लक्ष्मी का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। लक्ष्मी पूजन के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ। बच्चों से लेकर बड़ों तक में पटाखे जलाने का उत्साह नजर आया।

दीवाली की रात देश भर में आग से 23 की मौत

एमपी में 13 की जान गई, महाराष्ट्र में एक ही परिवार के 6 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीवाली की रात देश के कई शहरों में पटाखों और अन्य कारणों से लगी आग में 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल और कुछ लापता हैं। सबसे ज्यादा मौतें मध्य प्रदेश में हुईं, जहां तीन अलग-अलग घरों में आग लगने से 13 लोगों की जान चली गई। वहीं महाराष्ट्र के धाराशिव जिले में एक मकान में रहने वाले परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। मुंबई के लोखंडवाला में आग लगने की एक अन्य घटना में भी एक व्यक्ति की जान चली गई। इसके अलावा, राजस्थान के पाली में पटाखों की दुकान में आग लगने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग लापता हैं। हादसे में तीन दुकानें और कई दोपहिया वाहन जल गए। वहीं, दिल्ली के नरेला में रॉकेट पटाखा पेट में लगने से 10 साल के बच्चे की मौत हो गई।



मुंबई के डोंगरी में झुग्गियों में आग

मुंबई के डोंगरी इलाके में आग से कई दुकानें और झुग्गियां जल गईं, जबकि दादर के कामगार स्टेडियम में लगी आग पर दमकलकर्मियों ने 17 मिनट में काबू पा लिया। महाराष्ट्र के ठाणे में 17 मंजिला बिल्डिंग में आग लगी। ठाणे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। इसके अलावा असम के जोनाई, पुणे के वडगांव शेरी, मुंबई के विद्याविहार, सिक्किम के गंगटोक में सरकारी आवास और गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक इलाके में भी आग लगने की घटनाएं सामने आईं। इन घटनाओं के बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीमें राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

कबाड़ की दुकान, 25 लाख का नुकसान

उत्तर प्रदेश के बांदा में कबाड़ की दुकान में आग लगने से करीब 20-25 लाख रुपए का नुकसान हुआ। पुणे में आग की 63 घटनाएं हुईं, इनमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। जम्मू के नेहरू मार्केट में आग से 12 से ज्यादा दुकानें जल गईं, जबकि नागपुर में टीवीएस शोरूम में आग लगने से कई दोपहिया वाहन जल गए।

दीवाली के बाद दिल्ली में प्रदूषण का कहर



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में रविवार को धूमधाम से दीवाली मनाई गई। दिल्लीवासियों ने जमकर आतिशबाजी की, जिसके कारण प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा बढ़ गया। पीटीआई रिपोर्ट के मुताबिक इस दीवाली ने पिछले पांच सालों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस साल सबसे ज्यादा प्रदूषण वाली दीवाली रही। दिल्ली में दीवाली पर औसत एक्यूआई 376 दर्ज किया गया। दीवाली के अगले दिन यानी सोमवार को स्थिति लगभग वैसी ही रही। सुबह 10 बजे तक पूरा शहर धुएं की चादर से ढका रहा, इस दौरान एक्यूआई 371 दर्ज किया गया। 2021 के बाद इस दीवाली में दर्ज किया गया एक्यूआई सबसे ऊंचे स्तर पर रहा।

बंगाल में भतीजी से रेप-मर्डर का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

● 4 दिन से फरार था, मई में भाजपा सरकार बनने के बाद चौथा एनकाउंटर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में 12 साल की भतीजी से रेप-मर्डर के आरोपी दिलीप रॉय की सोमवार सुबह पुलिस एनकाउंटर में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, रायगंज के परापुकुर गांव में उसे पकड़ने के लिए छापेमारी की गई थी। इस दौरान आरोपी ने पुलिस पर गोली चलाई, जो पुलिस वैन के टायर में लगी। जवाबी गोलीबारी में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना के बाद से फरार आरोपी की चार दिन से तलाश कर रही थी। राज्य मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि कानून तोड़ने वालों को पुलिस का सामना करना पड़ेगा। राज्य में मई में भाजपा की सरकार बनने के बाद पुलिस मुठभेड़ में किसी आरोपी की मौत का यह चौथा मामला है। परिवार के मुताबिक, बच्ची 3 नवंबर को साइकिल लेकर घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। 5 नवंबर को कुलिक नदी के पास जंगल में उसका शव मिला।



अर्से बाद तेजस्वी और तेज यादव ने साथ काटा केक

● लालू ले ही आए दोनों बेटों को साथ, मना जश्न

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति के लिए ये वीडियो काफी बड़ा संदेश भी साबित हो सकता है। तेजस्वी यादव दिवाली के मौके पर पिता लालू प्रसाद यादव और मां राबड़ी देवी के घर कौटिल्य नगर पहुंचे थे। अगले ही दिन 9 नवंबर को उनका जन्मदिन भी था। इस दौरान आधी रात को ही तेजस्वी यादव ने जन्मदिन पर दो केक काटे। उनके साथ खड़े थे उनके बड़े भाई तेज प्रताप यादव। चौंकिए नहीं, अर्से बाद दोनों भाइयों का साथ खड़े वीडियो सामने आया है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को पॉलिटिकल मैनेजमेंट का माहिर खिलाड़ी माना जाता है। ऐसे में उनके दोनों बेटों के बीच गहरी खाई थी। राजद सुप्रीमो ने अपना दिमाग लगाया और अर्से बाद दोनों भाइयों को एक साथ, एक जगह लाकर खड़ा कर दिया। ये अलग बात है कि तेज प्रताप यादव राजद से अपनी राह जुदा कर चुके हैं। लालू प्रसाद यादव ने इस खाई को परिवार तक आता देख चुके हैं। ये दरार और चौड़ी हो, इससे पहले लालू यादव ने दिवाली के मौके पर तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव को अपने आवास बुला लिया। यहीं लालू ने दिखाया कि जब वो पॉलिटिकल मैनेजमेंट कर सकते हैं, तो ये तो उनके घर की बात है। अहम सवाल यही है कि लालू प्रसाद यादव अपने दोनों बेटों को एक साथ ले तो आए, लेकिन ये सिर्फ तात्कालिक यानी टेंपरी ही माना जा रहा है। दूर तक नजर दौड़ाएं तो ऐसी कोई संभावना फिलहाल तो नहीं ही दिख रही है कि तेज प्रताप यादव अपनी बनी बनाई पार्टी जनशक्ति जनता छोड़ वापस राजद में आएंगे। दोनों ही भाई अपनी-अपनी बात पर अड़े रहते हैं।



5 साल में डिफेंस एक्सपोर्ट साढ़े 4 गुना हुआ

● 38 हजार करोड़ पार, इसमें प्राइवेट सेक्टर का हिस्सा 45 फीसदी



नई दिल्ली (एजेंसी)। देश ने पिछले 5 साल में रक्षा उत्पादन में एक बड़ी क्रांति दर्ज की है। यह बदलाव सैन्य टेक्नोलॉजी निजी क्षेत्र के साथ साझा करने से हुआ है। सेना के लिए हथियार और साजो-सामान तैयार करने के मामले में अब सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ निजी कंपनियों का बड़ा नेटवर्क खड़ा हो गया है। हथियार आयात करने के मामले में शीर्ष 5 देशों में गिने जाने वाले भारत ने इसके दम पर तस्वीर उलट दी है। पहली बार सेनाओं के लिए हथियारों के आयात पर जितनी रकम खर्च हुई, उससे अधिक का रक्षा निर्यात देश ने किया। अखबार ने उच्च स्तरीय और अत्याधुनिक सैन्य टेक्नोलॉजी निजी उद्योगों को देने और उससे हुए बदलाव की पड़ताल की। इसमें सामने आया कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) से मिली टेक्नोलॉजी के बल पर निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 5 सालों में 7,271 करोड़ रु. से बढ़कर 17,353 करोड़ रु. हो गया।

निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी

निजी सैन्य इंडस्ट्री ने निर्यात में 138.7 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की। संसद में पेश आंकड़े के अनुसार, 2025-26 में विदेशी पूंजीगत रक्षा खरीद पर 37,047.31 करोड़ रु. खर्च हुए थे, जबकि इसी अवधि में भारत से सरकारी और निजी कंपनियों का रक्षा निर्यात 38,424 करोड़ रुपए रहा, जिसमें निजी सैन्य इंडस्ट्री का योगदान 45.2 फीसदी दर्ज हुआ। बड़ी वजह यह रही कि मिसाइलों से लेकर रडार, ड्रोन और कॉम्बैट उपकरणों तक निजी उद्योग को डीआरडीओ से 2,372 टेक्नोलॉजी का ट्रांसफर हुआ। रक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि किसी बड़े सैन्य संकट में हथियारों और उपकरणों की आपूर्ति के लिए देश को सरकारी कारखानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सूत्रों ने बताया कि रक्षा उत्पादन में एक और बाधा दूर करने की दिशा में बड़ा फैसला हुआ है, जिसके तहत उद्योगों के साथ टेक्नोलॉजी सॉफ्टवेयर का सोर्स कोड साझा किया जा सकेगा।

मिलावट जांचने के लिए फ्यूल सैंपल जुटाने की प्रक्रिया शुरू

कर्नाटक के बाद अब केरलम जानेगा एथनॉल की मात्रा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम सरकार ने राज्य भर के पेट्रोल पंपों पर औचक निरीक्षण और पेट्रोल के रैंडम नमूनों की लैब जांच शुरू करने के आदेश दिए हैं। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि क्या ईंधन में एथनॉल का मिश्रण कानूनी रूप से तय 20 प्रतिशत (ई 20) की सीमा से अधिक तो नहीं किया जा रहा है। केरलम नागरिक आपूर्ति विभाग की सख्ती पड़ोसी राज्य कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के मंत्रियों द्वारा लगाए गए उन आरोपों के बाद सामने आई है, जिसमें दावा किया गया था कि पेट्रोल में अत्यधिक एथनॉल मिलाने से गाड़ियों के इंजन खराब हो रहे हैं और माइलेज में भारी गिरावट आ रही है। आदेश जारी होते ही प्रवर्तन टीमों ने कोच्चि सहित राज्य भर के ईंधन स्टेशनों पर ई 20 पेट्रोल के नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। एर्नाकुलम जिले के चेम्बुमुक्कु स्थित इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के एक पेट्रोल पंप पर



अधिकारियों ने तेल कंपनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में पेट्रोल के कई बैच से नमूने लिए। निरीक्षण की निगरानी कर रहे एर्नाकुलम के अधिकारी शाजी पीआर ने बताया कि पंप से छह नमूने एकत्र किए हैं।

● **उपभोक्ताओं को ईंधन की गुणवत्ता जानने का हक-** तिरुवनंतपुरम में केरलम के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अनूप जैकब ने कहा कि विभाग को उत्तरी और दक्षिणी दोनों क्षेत्रों के जिलों से तय प्रोटोकॉल के तहत रैंडम नमूने जुटाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि नमूनों को सरकारी केमिकल लैब भेजा जाएगा और रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की आवश्यक कानूनी कार्रवाई तय होगी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की चिंताओं का समर्थन करते हुए जैकब ने कहा कि देशभर के वाहन चालक इंजनों में खराबी और कम माइलेज की शिकायत कर रहे हैं।

राहुल के बाद अब प्रियंका के पंजाब दौरे की तैयारी

● दिसंबर में पहुंचेंगी पंजाब, दोआबा या मालवा में रैली कराने पर मंथन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। 4 नवंबर को संगरूर के फग्गूवाला में राहुल गांधी की इंसाफ रैली के बाद अब पार्टी राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को पंजाब लाने की तैयारी में जुट गई है। दिसंबर में उनके दौरे की संभावना है।

इस दौरान दोआबा या मालवा क्षेत्र में बड़ी रैली आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, दौरे की तारीख और रैली स्थल अभी तय नहीं हुए हैं। प्रियंका के दौरे को लेकर दिल्ली में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और पंजाब के नेताओं के बीच चर्चा हो चुकी है।

अनमोल वचन

इस संसार में विषम परिस्थितियों का आना असम्भव नहीं। अमीर-गरीब, सबल-निर्बल सभी पर आपत्तियाँ आ सकती हैं। कभी-कभी आपत्तियाँ इतनी आकस्मिक तथा जटिल होती हैं कि सहसा उनका सम्भाल सकना असम्भव हो जाता है। ऐसे समय उनमें हाथ बंटाने के लिए सहृदय तथा सच्चे मित्रों की आवश्यकता होती है। किन्तु जिनके पास सच्चा परामर्श देने, हाथ बंटाने, आश्वासन और साहस बढ़ाने वाले मित्रों का अभाव होता है। जिनके पास ऐसे मित्र नहीं होते जो विपत्तिग्रस्त मित्र को सम्भाल सकें, उसकी आवश्यक सहायता एवं बोध करा सकें, उसकी हिम्मत टूट जाती है। चारों एकांकीपन से घिरकर उसक पांव उस आंधी उखड जाते हैं। निराशा के कारण उसके मन-मस्तिष्क भी उसका साथ छोड़ देते हैं और उसकी जीवन नैया भंवर में फंसकर डूब जाती है। इसलिए जीवन में सच्चे हितैषी मित्र का होना बहुत जरूरी है। इस पवित्र तथा हार्दिक सम्बन्ध के लिए वे ही व्यक्ति उपयुक्त माने जा सकते हैं जो स्वभावतः सज्जन हों, जिनके गुण, कर्म, स्वभाव में शालीनता एवं उत्कृष्ट-ता हो। किन्तु जिनका जीवन अविश्वसनीय, अस्त-व्यस्त तथा पासोन्मुख रहा है, ऐसे निकृष्ट लोग मित्र के योग्य माने ही नहीं जा सकते।

खतौली स्टेशन रोड पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा: शिव मूर्ति के पास पुलिस पिकेट की मांग, अतिक्रमण से राहगीर व व्यापारी परेशान

कोचिंग सेंटरों के आसपास मंडराते संदिग्धों से छात्र-छात्राओं की सुरक्षा खतरे में

खतौली (मुजफ्फरनगर)। कस्बे का मुख्य स्टेशन रोड और इसके आसपास स्थित गली-मोहल्ले इन दिनों असामाजिक तत्वों के जमावड़े और अवैध अतिक्रमण की दोहरी मार झेल रहे हैं। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही संदेहास्पद गतिविधियों के कारण स्थानीय व्यापारियों, निवासियों और परिजनों में भारी नाराजगी व्याप्त है। विशेष रूप से स्टेशन रोड से सटी कॉलोनियों में संचालित दर्जनों कोचिंग सेंटरों में आने-जाने वाली छात्र-छात्राओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस ज्वलंत जनसमस्या पर समाजसेवी गौरी शंकर गौरी ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र भेजकर शिव मूर्ति के पास स्थायी पुलिस पिकेट स्थापित करने की पुरजोर मांग की है।

छात्र-छात्राओं की सुरक्षा पर मंडराया खतरा

समाजसेवी गौरी शंकर गौरी ने बताया कि स्टेशन रोड खतौली शहर की मुख्य जीवनरेखा है, जहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोगों, व्यापारियों और विद्यार्थियों का आवागमन रहता है। आसपास की कॉलोनियों में सुबह से शाम तक कोचिंग सेंटरों की भरमार रहती है। आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्व दिनभर गलियों और नुक्कड़ों पर जमावड़ा लगाकर संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। स्थानीय निवासियों या व्यापारियों द्वारा विरोध करने पर ये तत्व



दबंगई और गुंडागर्दी पर उतारू हो जाते हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में डर और असुरक्षा का माहौल पनप रहा है।

अतिक्रमण से सड़कें संकरी, हादसों को न्योता

सुरक्षा की चिंता के साथ-साथ स्टेशन रोड पर अतिक्रमण की विकराल समस्या ने राहगीरों का जीना मुहाल कर दिया है। सड़क के दोनों किनारों पर फल-सब्जी विक्रेताओं, दुकानदारों और ठेली संचालकों ने फुटपाथ और सड़क तक कब्जा कर रखा है।

जाम से व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित

मार्ग संकरा होने के कारण पैदल यात्रियों को जान जोखिम में डालकर सड़क के बीचों-बीच से गुजरना पड़ता है। नगर पालिका परिषद की ढुलमुल कार्यशैली के कारण अतिक्रमणकारी बेखौफ हैं, जिससे आए दिन स्टेशन रोड पर घंटों जाम की स्थिति पैदा हो जाती है।

पुलिस और पालिका प्रशासन से संयुक्त कार्रवाई की अपील

समाजसेवी गौरी शंकर गौरी ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि शिव मूर्ति चौराहे के पास तत्काल एक स्थायी पुलिस पिकेट स्थापित की जाए और गलियों में नियमित पुलिस गश्त (पैट्रोलिंग) बढ़ाई जाए। पिकेट बनने से संदिग्धों पर सीधी नजर रखी जा सकेगी और किसी भी अप्रिय घटना को समय रहते टाला जा सकेगा।

विशेष अभियान चलाकर मार्ग खाली कराने की मांग

इसके साथ ही उन्होंने नगर पालिका परिषद से स्टेशन रोड पर विशेष 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' चलाकर पूरे मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराने की अपील की है। अब देखना यह होगा कि जनहित से जुड़े इस संवेदनशील मुद्दे पर स्थानीय पुलिस और नगर पालिका प्रशासन कब तक संज्ञान लेकर धरातल पर ठोस कार्रवाई करता है।

शामली में चार अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत, मृतकों में पुलिस उपनिरीक्षक भी शामिल

शामली। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए चार सड़क हादसों में करीब चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक पुलिस उपनिरीक्षक भी शामिल हैं। हादसों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घायलों को अस्पताल में भर्ती कराते हुए मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। पहला हादसा गढ़ीपुख्ता क्षेत्र में हुआ। थानाभवन कस्बे के मोहल्ला शाहलाल निवासी 38 वर्षीय विपिन राणा पुत्र परविंदर राणा कच्ची गढ़ी स्थित शराब के ठेके पर सेल्समैन के रूप में कार्य करते थे। बताया गया कि रविवार देर रात वह बाइक से ठेके से अपने कस्बे लौट रहे थे। इसी दौरान गांव बूंटा के निकट सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में विपिन राणा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें शामली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। विपिन की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची गढ़ीपुख्ता पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दूसरा हादसा कैराना क्षेत्र में हुआ। गांव मामोर निवासी 42 वर्षीय आलमदीन पुत्र असगर बाइक से अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनकी बाइक की कार से टक्कर हो गई। हादसे में आलमदीन गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

कसौली गांव में बच्चों के विवाद ने पकड़ा तूल, दो पड़ोसी परिवारों में जमकर मारपीट, कई घायल

गली में बच्चों को लेकर शुरू हुआ विवाद बड़ों तक पहुंचा, दोनों पक्षों के पांच लोग गिरफ्तार; पुलिस ने शांति भंग की आशंका में की कार्रवाई

मुजफ्फरनगर। थाना चरथावल क्षेत्र के गांव कसौली में बच्चों के बीच हुए विवाद ने उस समय तूल पकड़ लिया, जब दो पड़ोसी परिवारों के लोग आमने-सामने आ गए। बच्चों को लेकर शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते बड़े विवाद में बदल गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना में कई लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए दोनों पक्षों के पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

बच्चों के विवाद में आमने-सामने आए दो परिवार

पुलिस के अनुसार, गांव कसौली में एक पक्ष के जोगिंदर पुत्र धीर सिंह, संदीप पुत्र धीर सिंह और अरुण पुत्र श्यौ सिंह का दूसरे पक्ष के रामचंद पुत्र चंद्रभान और सेठपाल पुत्र प्रेमचंद के साथ विवाद हो गया। बताया गया कि बच्चों को गली में



ले जाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी। विवाद बढ़ने पर दोनों परिवारों के लोग एक-दूसरे के सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान कई लोग घायल हो गए।

पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया

घटना की जानकारी मिलने पर कुटेसरा पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विक्रांत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों पक्षों के बीच उत्पन्न विवाद और तनाव की स्थिति को देखते हुए कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्रवाई

पुलिस ने गिरफ्तार किए गए पांचों लोगों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170, 126 और 135 के तहत कार्रवाई की है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दोबारा विवाद की आशंका पर पुलिस सतर्क

चरथावल प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण दहिया ने बताया कि गांव कसौली में दो पक्षों के बीच विवाद और मारपीट की सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। दोनों पक्षों के पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई है। पुलिस गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से नीलगाय की दर्दनाक मौत, हादसे के बाद वाहन चालक फरार

छपार-तेजलहेड़ा मार्ग पर खिंदड़िया राजबाहे के पास हुआ हादसा, टक्कर से वाहन भी हुआ क्षतिग्रस्त; ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्सक और वन विभाग की टीम, उपचार के दौरान तोड़ा दम

मुजफ्फरनगर। छपार-तेजलहेड़ा मार्ग पर तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से एक नीलगाय की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा खिंदड़िया राजबाहे के पास उस समय हुआ, जब नीलगाय अचानक सड़क पार कर रही थी। तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे पशु चिकित्सक और वन विभाग के कर्मचारियों ने नीलगाय को बचाने का प्रयास किया, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

सड़क पार करते समय स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर

जानकारी के अनुसार, रविवार को तेजलहेड़ा की ओर से एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन छपार की तरफ जा रहा था। खिंदड़िया राजबाहे के निकट अचानक एक नीलगाय सड़क पार करने लगी। इसी दौरान तेज रफ्तार वाहन ने नीलगाय को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से नीलगाय उछलकर सड़क पर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से निकल गया।

ग्रामीणों ने तत्काल दी सूचना, बचाने के किए प्रयास

हादसे को देखकर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। खिंदड़िया के ग्राम प्रधान अरविंद लंबरदार और प्रताप सिंह ने मानवीय संवेदना दिखाते हुए घायल नीलगाय को बचाने के लिए तत्काल प्रयास शुरू किए। उन्होंने बसेड़ा के पशु चिकित्सक विजय भूषण और वन विभाग के कर्मचारी सोहनवीर सावन को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पशु चिकित्सक और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई।

उपचार के दौरान नीलगाय ने तोड़ा दम

मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सक ने गंभीर रूप से घायल नीलगाय का उपचार शुरू किया। वन विभाग के कर्मचारी भी उसे बचाने के प्रयासों में जुटे रहे, लेकिन नीलगाय को गंभीर चोटें आने के कारण उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका। कुछ ही देर बाद उपचार के दौरान नीलगाय ने दम तोड़ दिया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने नीलगाय के शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गई।

हादसे के बाद चालक के फरार होने की चर्चा

इस घटना के बाद क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही और वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण अक्सर हादसों का खतरा बना रहता है। हादसे में स्कॉर्पियो के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद चालक का मौके से चले जाना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। फिलहाल वन विभाग की टीम ने नीलगाय के शव को अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की है।

मुजफ्फरनगर नई मंडी गौशाला में दो दिवसीय श्रीगोवर्धन पर्व व गौमाता पूजन का भव्य आयोजन



मुजफ्फरनगर। दी मुजफ्फरनगर नई मंडी गौशाला रजि. द्वारा नई मंडी गौशाला में दो दिवसीय श्रीगोवर्धन पर्व एवं गौ माता पूजन का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष भी इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गोबर से निर्मित 40 फुट के भगवान गोवर्धन की विशाल प्रतिमा रही, जिसे देखने और दर्शन करने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस भव्य धार्मिक कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, प्रमुख समाजसेवी भीमसेन कंसल, प्रमुख उद्योगपति राकेश बिंदल, पूर्व विधायक अशोक कंसल, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरूप और नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप आदि गणमान्य लोगों ने किया। सभी अतिथियों ने मिलकर भगवान गोवर्धन की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और महाआरती कर जनपद की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर आने को सुंदर-सुंदर झांकियां लगाई गई एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कार्यक्रम संयोजक संजय मित्तल ने बताया कि इस वर्ष नई मंडी गौशाला के 100 वर्ष पूर्ण होने पर गोवर्धन पर्व, गौ माता पूजन एवं लगने वाला भव्य मेला 2 दिन तक चलेगा, जिसमें श्रद्धालु भगवान गोवर्धन के 2 दिन तक दर्शन कर सकेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में कमेटी के अध्यक्ष विनय गोयल, मंत्री हरिशंकर मुंदडा, कोषाध्यक्ष भूषण लाल, सुरेंद्र बंसल, राजेश गोयल, श्याम सुंदर, अनुज सिंघल आदि का विशेष सहयोग रहा।

मथुरा में पकडा गया फर्जी ईडी अधिकारी: कार पर नीली बत्ती लगाकर जमाता था रौब, फर्जी आईडी कार्ड बरामद, पुलिस खंगाल रही ठगी का नेटवर्क

पिछले दो साल से नीली बत्ती लगाकर घूमता रहा आरोपी, सोशल मीडिया पर भी खुद को बताता था बड़ा अधिकारी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में खुद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का वरिष्ठ अधिकारी बताकर लोगों पर रौब जमाने और कथित रूप से ठगी करने वाले एक युवक का पुलिस ने पदाफाश किया है। थाना रिफाइनरी पुलिस ने आरोपी सचिन शर्मा को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह पिछले करीब दो वर्षों से फोर्ड कार पर नीली बत्ती लगाकर घूम रहा था और अपनी फर्जी पहचान के दम पर लोगों को प्रभावित करता था। सोशल मीडिया पर भी उसने खुद को प्रभावशाली अधिकारी के रूप में प्रचारित कर रखा था। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में फर्जी अधिकारी बनकर लोगों को गुमराह करने वाले गिरोह की गतिविधियों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने अपनी कथित फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर कितने लोगों को निशाना बनाया और इस पूरे खेल में उसके साथ कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार



आरोपी की पहचान सचिन शर्मा निवासी कस्बा फरह, जनपद मथुरा के रूप में हुई है। आरोप है कि सचिन खुद को प्रवर्तन निदेशालय का बड़ा अधिकारी बताकर लोगों के बीच अपनी प्रभावशाली छवि बनाता था। इसके लिए उसने फर्जी आईडी कार्ड और नीली बत्ती लगी फोर्ड कार का इस्तेमाल किया। बताया गया है कि आरोपी करीब दो साल से इसी तरीके से अपनी पहचान का प्रचार कर रहा था। नीली बत्ती लगी गाड़ी और अधिकारी होने का दावा कर वह लोगों को प्रभावित करता था। सोशल मीडिया पर भी उसकी गतिविधियां इसी पहचान को मजबूत करने की कोशिश का हिस्सा बताई जा रही हैं। आरोपी की गतिविधियों पर संदेह होने और शिकायतें मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। तथ्यों की पड़ताल के बाद थाना रिफाइनरी पुलिस ने सोमवार को रिफाइनरी क्षेत्र से सचिन शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कई ऐसी चीजें बरामद कीं, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर उसकी फर्जी पहचान बनाने और लोगों को प्रभावित करने के लिए किया जा रहा था।

पुलिस की तलाशी में आरोपी के पास से प्रवर्तन निदेशालय का फर्जी पहचान पत्र, नीली बत्ती लगी एक फोर्ड कार, दो आधार कार्ड तथा कई एटीएम और क्रेडिट कार्ड बरामद किए गए हैं। बरामदगी के बाद पुलिस इन सभी दस्तावेजों और कार्डों की जांच कर रही है। विशेष रूप से यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपी के पास मिले बैंक कार्ड किन लोगों के नाम पर हैं और उनका इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया जाता था। सीडीआर और मोबाइल लोकेशन से खुलेगी नेटवर्क की परतें पुलिस अधीक्षक नगर राजीव कुमार सिंह ने सोमवार शाम मीडिया को बताया कि आरोपी सचिन शर्मा से पूछताछ की जा रही है। अब तक उसने कितने लोगों को अपनी कथित फर्जी पहचान के जरिए ठगी का शिकार बनाया है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

भगवान गोवर्धन की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की



मुजफ्फरनगर। बचन सिंह कालोनी में गोवर्धन पर्व के अवसर पर सर्व समाज और मौहल्ले वासियों द्वारा भगवान गोवर्धन की पूजा अर्चना की गई। पूजा अर्चना के पश्चात कढी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर स्वामी श्रीभगवान आश्रम जी महाराज ने कहा कि कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को ही भगवान श्रीकृष्ण ने गाय-ग्वालों को इंद्र के कोप से बचाने के लिए अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठा लिया था और गोवर्धन पूजा शुरू करवाई थी। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को इस पावन पर्व की बधाई दी। इस अवसर पर स्वामी श्रीभगवान आश्रम जी महाराज का उपस्थित जनों ने आशीर्वाद प्राप्त किया।

पंडित रामचंद्र मिश्रा समेत विद्वान पंडितों द्वारा भगवान गोवर्धन की पूजा कराई गई। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला मंत्री ऋषभदेव शर्मा, राजकुमार तायल, शुभम तायल, ऋषकदेव शर्मा, नीतिन कुमार, गोपाल शर्मा, मोनू शर्मा और पंकज शर्मा समेत भारी संख्या में गणमान्य नागरिक मुख्य रूप से मौजूद रहे।

भगवान विश्वकर्मा मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ अन्नकूट महोत्सव, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

मुजफ्फरनगर। भोपा रोड स्थित विश्वकर्मा चौक के भगवान विश्वकर्मा मंदिर में भगवान विश्वकर्मा शोभा यात्रा समिति के तत्वावधान में अन्नकूट महोत्सव का श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। भगवान विश्वकर्मा के दर्शन और पूजन के बाद श्रद्धालुओं को कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। प्रसाद ग्रहण करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और समाज के लोग मंदिर पहुंचे। अन्नकूट आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में विशेष उत्साह देखने को मिला। समिति के सदस्यों और समाज के लोगों ने मिलकर प्रसाद वितरण की



व्यवस्था संभाली। श्रद्धालुओं को प्रेमपूर्वक कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की और आयोजन को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया। पूरे आयोजन में सेवा, समर्पण और सामाजिक एकजुटता का भाव दिखाई दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों और सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा। इनमें मुख्य रूप से नरेश कुमार विश्वकर्मा, गालिबपुर निवासी मुकेश कुमार धीमान, सिसौली निवासी सुरेश धीमान, नरेश पांचाल, सरदार बलविंदर सिंह, नरेश पटवारी, सुशील धीमान, अधिवक्ता निशांत, संपत्ति व्यवसायी प्रदीप कुमार, हरसौली निवासी सतीश कुमार, रामपुरी निवासी सतीश कुमार, अगेश कुमार धीमान, नाथीराम धीमान, संदीप कुमार, चौक प्रभारी प्रदीप कुमार, कवाल निवासी महेंद्र धीमान, सभासद रजत धीमान और सत्य प्रकाश धीमान (टीवी वाले) सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।

समिति ने सहयोगियों का जताया आभार

भगवान विश्वकर्मा शोभा यात्रा समिति के पदाधिकारियों ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी समाजसेवियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। समिति की ओर से कहा गया कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सेवा भावना को बढ़ावा मिलता है। सभी के सामूहिक सहयोग से अन्नकूट महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

शोक संदेश



अत्यंत दुःखी हृदय के साथ सूचित करना पड़ रहा हैं कि हमारे प्रिय
श्री अंकुश कुच्छल (सुपुत्र श्री जितेन्द्र कुच्छल)
का स्वर्गवास शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को हो गया है।
प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी। श्रद्धांजली सभा (तेरहवीं)
बुधवार, 11 नवम्बर 2026 को होनी निश्चित हुई है।

शोक सभा एवं रस्म पगड़ी ..... दोपहर 2:00 बजे
स्थान : आशीर्वाद बैंकट हॉल, लक्ष्मण विहार, मुजफ्फरनगर

प्रतिष्ठान
मै0 काशीनाथ श्रीनिवास
मै0 जितेन्द्र कुच्छल एण्ड ट्रेडर्स
मै0 काशीनाथ एण्ड कम्पनी
मै0 काशी एन्टरप्राईजेज
मै0 बजरंग एलम प्रा0 लि0
मै0 इन्डस्ट्रीयल सेल्स कार्पोरेशन
मै0 गायत्री ट्रेडर्स इकोसेवर

शोकाकुल परिवार
ताऊः
श्रीनिवास अग्रवाल, भारत बन्धु कुच्छल
वीरेन्द्र कुच्छल (कालू राम गुरुजी)
संचालक श्री कृष्ण योग साधन आश्रम
चाचाः
योगेन्द्र कुच्छल, रविन्द्र कुच्छल
बहन-बहनोईः
आशी सिंघल-अनुराग सिंघल
भाईः
संजय अग्रवाल, सचिन अग्रवाल
मोहित कुच्छल, रोहित कुच्छल
वशु कुच्छल, अर्चित कुच्छल
अमन कुच्छल, नमन कुच्छल
कुशाग्र कुच्छल

निवासः
415-संजय मार्ग, पटेल नगर, मुजफ्फरनगर
सम्पर्क सूत्र : 9927068521, 7017840036

नोटः कृप्या पगड़ी लाने का कष्ट न करें।

पीएम मोदी ने जेलेंस्की से की फोन पर बात: रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में भारत ने फिर जताई पहल की प्रतिबद्धता

भारत-यूक्रेन के द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने पर सहमति, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के उपायों पर दोनों नेताओं ने किया विचार-विमर्श

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन संघर्ष से जुड़े हालिया घटनाक्रम, युद्ध के मानवीय प्रभावों और शांति बहाली के प्रयासों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर स्पष्ट किया कि भारत इस संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान तलाशने के लिए हरसंभव योगदान देने को प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने बातचीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ उपयोगी बातचीत हुई।



इस दौरान भारत और यूक्रेन के बीच व्यापक द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की गई और दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत बनाने पर सहमति बनी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बातचीत में दोहराया कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए। भारत का मानना रहा है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता। इसके लिए दोनों पक्षों के बीच बातचीत और आपसी सहमति का रास्ता अपनाना जरूरी है। मोदी ने कहा कि भारत शांति बहाली की दिशा में किए जा रहे सभी प्रयासों में अपना योगदान देने के लिए तैयार है। उन्होंने संघर्ष से जुड़े मानवीय पहलुओं को भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी भी समाधान में आम नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय हितों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। बातचीत के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री मोदी को रूस-यूक्रेन संघर्ष के हालिया घटनाक्रम और उसके गंभीर मानवीय प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों और युद्ध से उत्पन्न चुनौतियों पर अपना दृष्टिकोण साझा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की का धन्यवाद करते हुए कहा कि भारत इस संकट के मानवीय पक्ष और शांति स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों को गंभीरता से देख रहा है। दोनों नेताओं की बातचीत केवल युद्ध तक सीमित नहीं रही। इस दौरान भारत और यूक्रेन के बीच द्विपक्षीय संबंधों की भी व्यापक समीक्षा की गई। दोनों देशों ने पारस्परिक लाभ के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री ने भारत-यूक्रेन संबंधों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। दोनों पक्षों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं को विस्तार देने पर सहमति बनी। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी युद्ध ने वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा पर व्यापक असर डाला है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

कार्यालय मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर

सार्वजनिक सूचना

जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के विकास क्षेत्र के अन्तर्गत श्री दर्पण सैनी, पुत्र श्री नरसिंह, निवासी गली नं०-02, निकट चिल्ड्रेन, पैराडाइज स्कूल, मौहल्ला दयालपुरम, कस्बा-खतौली, तहसील-खतौली, जनपद-मुजफ्फरनगर, उ०प्र० के द्वारा ऑनलाईन मानचित्र सं०:-MZDA/BP/LU/2026-27/183684 के द्वारा अपनी भूमि खसरा नं०-320म, ग्राम-भैंसी, एन०एच०-58, तहसील-खतौली, जनपद-मुजफ्फरनगर, उ०प्र० के कुल क्षेत्रफल 3052.50 में से रोड वाइडनिंग क्षेत्रफल 440.00 वर्गमी० छोड़ने के उपरान्त कुल नेट क्षेत्रफल 2612.50 वर्गमी० पर "व्यावसायिक (पेट्रोल पम्प)" के प्रयोजन का मानचित्र स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रश्नगत स्थल खसरा नं०-320म, ग्राम-भैंसी, एन०एच०-58, तहसील-खतौली, जनपद-मुजफ्फरनगर का भू-उपयोग खतौली महायोजना-2021 के अनुसार 76 मीटर चौड़े महायोजना मार्ग के विस्तार/मार्गाधिकार छोड़ने के उपरान्त "कृषि" भू-उपयोग में दर्शित है।

उ०प्र० विकास प्राधिकरण भवन निर्माण एवं विकास उपविधियाँ तथा आदर्श जोनिंग रेगुलेशन्स-2025 के अध्याय-15 (आदर्श जोनिंग रेगुलेशन) के प्रस्तर 15.3.2 (मैट्रिक्स) के 2.8(ु) के अनुसार "कृषि" भू-उपयोग के अन्तर्गत "पेट्रोल पम्प" की क्रिया सामान्यतः अनुमन्य उपयोग के अन्तर्गत अनुमन्य है। जोनिंग रेगुलेशन/महायोजना के अनुसार प्रमुख भू-उपयोग जोन के अन्तर्गत पूर्व विकसित योजनाओं/क्षेत्रों में मूल उपयोग से इतर क्रिया/उपयोग (भले ही जोनिंग रेगुलेशन के अनुसार ऐसी क्रिया/उपयोग सामान्यतः अनुमन्य/सशर्त अनुमन्य हो) अनुमन्य किये जाने हेतु 15 दिवस की समयावधि प्रदान करते हुए जनता से आपत्ति/सुझाव, उचित माध्यमों से आमन्त्रित किये जायेंगे एवं इन आपत्तियों/सुझावों के निस्तारण के उपरान्त ही स्वीकृति/अस्वीकृति की कार्यवाही की जायेगी। अनुज्ञा से सम्बन्धित आवेदन-पत्र का निस्तारण प्राप्ति की दिनांक से अधिकतम 60 दिन में सुनिश्चित किया जायेगा।

उक्त प्रकरण के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/अन्य द्वारा अपनी आपत्ति/सुझाव प्रकाशन तिथि से 15 दिवस की अवधि के अन्तर्गत प्राधिकरण कार्यालय में ई-मेल mdamzn@yahoo.co.in) अथवा उचित माध्यम से उपलब्ध कराये जा सकते हैं। उक्त निर्धारित अवधि व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त किसी भी आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव
विकास प्राधिकरण, मुजफ्फरनगर



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
मंगलवार 10 नवम्बर 2026 पृष्ठ 3



मुजफ्फरनगर में हरिद्वार जा रही कार डिवाइडर से टकराकर बनी आग का गोला

मुजफ्फरनगर में हरिद्वार जा रही कार डिवाइडर से टकराकर बनी आग का गोलाः हरियाणा के 2 सगे भाइयों समेत 6 युवकों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत

मुजफ्फरनगर। पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर तितावी थाना क्षेत्र के अंतर्गत जागाहेड़ी गांव के समीप सोमवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में हरियाणा के छह युवको की जिंदा जलकर मौत हो गई। हरियाणा के हांसी जिले के राखी गढी गांव से तीर्थनगरी हरिद्वार की ओर जा रही एक तेज रफ्तार हुंडीय ऑरा कार अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बिजली का पोल टूट गया और कार सड़क की दूसरी लेन में जाकर पलट गई और देखते ही देखते कार आग के गोले में तब्दील हो गई। इस कारण कार में सवार लोगों को संभलने और बाहर निकलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे में दो सगे भाइयों समेत वाहन में सवार सभी छह युवकों की मौके पर ही जिंदा जलकर बेहद दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर के तुरंत बाद फैली आग, किसी को निकलने का नहीं मिला मौका प्राप्त जानकारी के मुताबिक, यह हादसा सोमवार सुबह करीब पांच बजे हुआ। सभी छह दोस्त हुंडीय ऑरा कार में सवार होकर हांसी जिले के राखी गढी गांव से हरिद्वार की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार जागाहेड़ी के पास पहुंची, अचानक चालक का संतुलन बिगड़ गया। अनियंत्रित कार डिवाइडर से टकराते हुए सड़क पर पलट गई। टक्कर के तुरंत बाद कार में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते पूरी गाड़ी को अपनी आगोश में ले लिया। कार के अंदर फंसे युवकों को बाहर निकलने का कोई मौका नहीं मिल सका और सभी छह लोग आग की लपटों में झुलस गए। 6 मृतकों की हुई पहचान, दो सगे भाइयों की भी गई जान घटना के तुरंत बाद हरकत में आई पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद हादसे में जान गंवाने वाले सभी छह युवकों की पहचान कर ली है। मृतकों में राहुल और अंकित सगे भाई भी शामिल हैं। वहीं कार चला रहा साहिल गुरुग्राम में एक निजी कंपनी के लिए किराये पर गाड़ी चलाने का काम करता था। इनकी एक साथ मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मृतकों में अजय (22 वर्ष) पुत्र शमशेर, निवासी ग्राम मोठसिंह (हरियाणा)
अमन (19 वर्ष) पुत्र रामफल, निवासी ग्राम मोठसिंह (हरियाणा)



अंकित (23 वर्ष) पुत्र राजेश, निवासी राखी गढ़ी (हरियाणा)
राहुल (21 वर्ष) पुत्र समुन्द्र, निवासी राखी गढ़ी (हरियाणा)
अंकित (19 वर्ष) पुत्र समुन्द्र, निवासी राखी गढ़ी (हरियाणा)
साहिल (22 वर्ष) पुत्र सोमकुमार, निवासी राखी गढ़ी (हरियाणा) शामिल हैं। दमकल और पुलिस बल ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाले शव

हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय राहगीरों में हड़कंप मच गया और तुरंत तितावी थाना पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। सूचना पाते ही पुलिस बल और दमकल कर्मियों की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में लगी विकराल आग पर काबू पाया। इसके बाद पुलिस और बचाव दल ने क्षतिग्रस्त वाहन से शवों को बाहर निकाला। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि सभी शव बुरी तरह से जल चुके थे। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। वरिष्ठ अधिकारियों ने लिया जायजा, जांच के दिए निर्देश

दुर्घटना की संवेदनशीलता और भयावहता को देखते हुए पुलिस व प्रशासनिक अमला तुरंत हरकत में आया। एसपी देहात संजय महाडिक और सीओ फुगाना ने भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित थाना पुलिस को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के दिशा-निर्देश जारी किए। तितावी थाना प्रभारी जयबीर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतकों की पहचान हरियाणा के जींद जिले के निवासियों के रूप में हुई है, जो हरिद्वार जा रहे थे। हादसे में कुल छह लोगों की जान गई है। मृतकों के परिजनों को सूचित करने के साथ-साथ पुलिस द्वारा मामले में आगे की आवश्यक वैधानिक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस विभत्स सड़क हादसे के बाद जागाहेड़ी और आसपास के पूरे इलाके समेत मृतकों के पैतृक गांवों में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

जागाहेड़ी टोल के पास भीषण हादसे में छह लोगों की मौत पर सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया ने जताया शोक, पोस्टमार्टम हाउस और जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण



मुजफ्फरनगर। जनपद में जागाहेड़ी टोल प्लाजा के पास आज सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में कार बिजली के खंभे से टकराने के बाद आग लगने से छह लोगों की जलकर हुई मौत पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति तथा परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। हादसे की सूचना मिलते ही सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने संबंधित चिकित्सकों एवं अधिकारियों को सभी छह मृतकों का पोस्टमार्टम जल्द से जल्द और प्राथमिकता के आधार पर संपन्न कराने के निर्देश दिए, ताकि शोकाकुल परिजनों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके पश्चात सीएमओ ने जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल के बर्न वार्ड का जायजा लेकर वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, व्यवस्थाओं एवं उपचार संबंधी तैयारियों की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने इमरजेंसी सेवाओं का भी निरीक्षण किया और चिकित्सकों से आवश्यक जानकारी ली।

सीएमओ ने निर्देश दिए कि अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचने वाले प्रत्येक मरीज को तत्काल एवं प्राथमिकता के आधार पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। बर्न वार्ड सहित सभी आवश्यक चिकित्सा व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं तथा किसी भी मरीज के उपचार में लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ मरीजों की देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीकरी के जंगल में राजबाहे के पास मिला युवक का शव, इलाके में फैली सनसनी

दोस्त के साथ घर से निकला था युवक, रातभर तलाश करते रहे परिजन, सुबह मिली मौत की खबर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

मोरना । भोपा थाना क्षेत्र के गांव सीकरी के जंगल में रविवार सुबह राजबाहे के पास 27 वर्षीय युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव की पहचान गांव निवासी बंटी के रूप में हुई। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस प्रथम दृष्टया घटना को दुर्घटना से जोड़कर देख रही है, हालांकि मौत की असली वजह जानने के लिए सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है।

शनिवार शाम दोस्त के साथ घर से निकला था बंटी

जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के गांव निवासी 27 वर्षीय बंटी शनिवार शाम करीब छह बजे अपने एक दोस्त के साथ घर से निकला था। इसके बाद वह देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों को शुरूआत में उसके लौटने का इंतजार रहा, लेकिन काफी समय बीतने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। परिवार के लोग उसकी तलाश को लेकर चिंतित थे। बंटी के



पास मोबाइल फोन भी नहीं था, जिसके चलते परिजन उससे संपर्क नहीं कर पा रहे थे।

सुबह करीब दस बजे परिवार को मिली मौत की सूचना

रविवार सुबह परिजनों को बंटी का शव मिलने और उसकी मौत होने की सूचना मिली तो परिवार में कोहराम मच गया। जवान बेटे की मौत की खबर से मां कमला देवी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां कमला देवी ने बताया कि बंटी शनिवार शाम करीब छह बजे गांव के ही एक दोस्त के साथ घर से गया था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। रविवार सुबह करीब दस बजे परिवार को उसकी मौत की जानकारी मिली।

राजबाहे के पास जंगल में कैसे पहुंचा युवक, जांच में जुटी पुलिस

सीकरी गांव के जंगल में राजबाहे के पास युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई और शव की शिनाख्त कराने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। युवक शनिवार शाम घर से निकलने के बाद किन परिस्थितियों में राजबाहे के पास पहुंचा और उसकी मौत कैसे हुई, इन सवालों के जवाब तलाशे जा रहे हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी मौत की वजह

भोपा के क्षेत्राधिकारी राधारमण सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पुलिस किसी भी पहलू को नजरअंदाज नहीं कर रही है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही युवक की मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस युवक के घर से निकलने से लेकर शव मिलने तक की परिस्थितियों की भी जानकारी जुटा रही है।

सांझक गांव के पास मौत बनकर दौड़ी बड़ौत डिपो की रोडवेज बस, 15 वर्षीय मोनीश की दर्दनाक मौत, साथी निखिल गंभीर

बाइक सवार दोनों किशोरों को बस ने मारी जोरदार टक्कर, सड़क पर गिरते ही मोनीश के ऊपर से गुजर गया बस का पहिया

मुजफ्फरनगर। शाहपुर क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। सांझक गांव के पास बड़ौत डिपो की रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार 15 वर्षीय किशोर मोनीश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार निखिल गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि बस की चपेट में आने से मोनीश को संभलने तक का मौका नहीं मिला। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण और राहगीर घटनास्थल की ओर दौड़े। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायल किशोर को अस्पताल भिजवाया और मृतक के शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

गांव के पास पहुंचते ही बाइक की रोडवेज बस से हुई भिड़ंत

जानकारी के अनुसार, शाहपुर क्षेत्र के सांझक गांव निवासी मुर्तजा का 15 वर्षीय पुत्र मोनीश अपने साथी नरेश के पुत्र निखिल के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहा था। दोनों किशोर गांव के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही बड़ौत डिपो की रोडवेज बस से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। बस की टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और दोनों किशोर भी दूर जा गिरे। अचानक हुए इस हादसे से आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।



पहिये की चपेट में आया मोनीश, घटनास्थल पर ही थम गई सांसें

हादसे के दौरान बाइक से सड़क पर गिरे मोनीश के ऊपर से रोडवेज बस का पहिया गुजर गया। बस का पहिया चढ़ने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोग सहम गए। ग्रामीणों ने तत्काल घायल किशोर की मदद करने का प्रयास किया। वहीं, मोनीश को मृत देखकर लोगों में शोक और आक्रोश का माहौल बन गया। गंभीर हालत में निखिल को अस्पताल पहुंचाया हादसे में मोनीश के साथ बाइक पर सवार निखिल भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल निखिल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ हादसे से संबंधित जानकारी जुटाई। इसके बाद मोनीश के शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। 15 वर्षीय मोनीश की मौत की खबर जैसे ही उसके घर पहुंची, परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मां-बाप और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

जागाहेड़ी टोल प्लाजा के निकट भीषण सड़क हादसे में छह युवाओं की मृत्यु अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक :कपिल देव

मुजफ्फरनगर। जनपद के थाना तितावी क्षेत्र अंतर्गत जागाहेड़ी टोल प्लाजा के निकट आज सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में कार के बिजली के खंभे से टकराने के बाद आग लगने से छह युवाओं की दर्दनाक मृत्यु हो जाने की घटना अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। इस हादसे में हरियाणा के जनपद हांसी के ग्राम राखी खास एवं मोठ निवासी अंकित, अजय, अमन, अनुज, साहिल एवं अंकित के असामयिक निधन की सूचना पर उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। वहां उन्होंने दिवंगत युवाओं के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा उन्हें ढांढस बंधाया।

इस दौरान मंत्री कपिल देव ने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर



घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं सभी आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाही संवेदनशीलता और तत्परता के साथ सुनिश्चित करने को कहा।

मंत्री कपिल देव ने कहा कि एक ही हादसे में छह युवाओं का असमय निधन अत्यंत पीड़ादायक है। यह घटना न केवल उनके परिवारों, बल्कि पूरे समाज के लिए गहरा आघात है। इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति एवं संबल प्रदान करें।

बाग में अमरूद तोड़ने का विरोध करने पर किशोर से मारपीट, मोबाइल छीनकर ले जाने का आरोप

तितावी क्षेत्र में बाग की रखवाली कर रहे किशोर को बनाया निशाना, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप, पिता ने पुलिस को दी तहरीर, आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र में बाग की रखवाली कर रहे 17 वर्षीय किशोर के साथ मारपीट कर उसका मोबाइल फोन छीनकर ले जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाग में अमरूद तोड़ने पहुंचे कुछ लोगों ने विरोध करने पर किशोर के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। इतना ही नहीं, आरोपियों पर किशोर को धमकाने और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़ित किशोर के पिता ने तितावी पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

किराए पर लिए गए बाग की रखवाली कर रहा था किशोर

तितावी थाना क्षेत्र के गांव खेड़ी दुधाधारी निवासी राजू कश्यप पुत्र मलखान कश्यप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्होंने एक बाग किराए पर लिया हुआ है। आठ नवंबर 2026 को सुबह करीब 11:30 बजे उनका 17 वर्षीय बेटा वंश बाग की रखवाली कर रहा था। इसी दौरान कुछ लोग बाग में पहुंचे और अमरूद तोड़ने लगे।

विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप

तहरीर के अनुसार, वंश ने जब बाग में अमरूद तोड़ने का विरोध किया तो वहां मौजूद लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि विरोध करने पर हमलावरों ने किशोर के साथ मारपीट की और उस पर कई बार वार किए। अचानक हुए हमले से किशोर घबरा



गया और उसने अपने परिजनों को फोन कर घटना की जानकारी देने का प्रयास किया।

परिजनों को फोन करने पर भी की हाथापाई

राजू कश्यप का आरोप है कि वंश द्वारा परिजनों को फोन करने की कोशिश करने पर आरोपियों ने उसके साथ दोबारा हाथापाई की। आरोपियों ने किशोर और उसके परिजनों के साथ भी गाली-गलौज तथा मारपीट की। इस दौरान हमलावरों ने उसका ओप्पो कंपनी का ङ14७ 5ऋ मोबाइल फोन छीन लिया और मौके से भागने लगे।

जातिसूचक टिप्पणी और जान से मारने की धमकी देने का आरोप

पीड़ित के पिता ने तहरीर में आरोप लगाया कि घटना के दौरान हमलावरों ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अपमानजनक गालियां दीं। इसके साथ ही जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। राजू कश्यप के मुताबिक, घटना के समय आसपास कुछ अन्य लोग भी मौजूद थे। लोगों को मौके पर आता देखकर आरोपी वहां से फरार हो गए।

पुलिस से आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

घटना से आहत किशोर के पिता राजू कश्यप ने तितावी थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी देते हुए तहरीर सौंपी है। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ मारपीट, मोबाइल छीनने, जातिसूचक टिप्पणी करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों में उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की अपेक्षा जताई गई है।

विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में अपना नाम जरूर जांच लें मुजफ्फरनगरवासी : एसडीएम शुभम श्रीवास्तव

सूची में नाम नहीं है तो फॉर्म-6 भरकर जुड़वाएं, निर्वाचन आयोग के मोबाइल ऐप से घर बैठे मिलेंगी कई सुविधाएं; मतदाता पहचान पत्र डाउनलोड करने से लेकर आवेदन की स्थिति जानने और बूथ स्तरीय अधिकारी से संपर्क करने की भी सुविधा

मुजफ्फरनगर। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर प्रशासन ने मतदाता सूची को लेकर नागरिकों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। सदर उपजिलाधिकारी शुभम श्रीवास्तव ने मुजफ्फरनगर के मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे समय रहते मतदाता सूची में अपना नाम जांच लें। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल नहीं है अथवा किसी कारणवश छूट गया है तो वह फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकता है। उन्होंने सभी मतदाताओं से चुनाव से पहले यह प्रक्रिया पूरी करने और निर्वाचन आयोग के ईसीआईनेट मोबाइल ऐप का अधिक से अधिक इस्तेमाल करने की अपील की है।

मतदाता सूची में नाम होना बेहद जरूरी

उपजिलाधिकारी शुभम श्रीवास्तव ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी महत्वपूर्ण है। मतदान का अधिकार तभी सुनिश्चित हो सकता है, जब संबंधित व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। इसलिए सभी मतदाताओं को अंतिम समय का इंतजार



किए बिना अपनी मतदाता सूची में नाम की स्थिति जांच लेनी चाहिए। यदि नाम सूची में नहीं मिलता है तो पात्र नागरिक फॉर्म-6 के माध्यम से नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग का ईसीआईनेट मोबाइल ऐप मतदाताओं के लिए काफी उपयोगी डिजिटल माध्यम है। इस ऐप के जरिए मतदाता घर बैठे कई चुनाव संबंधी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। इसमें मतदाता सूची में नाम से जुड़ी जानकारी प्राप्त करने, आवेदन करने और चुनाव संबंधी शिकायत दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है।

पहचान पत्र संख्या से डाउनलोड कर सकेंगे मतदाता पहचान पत्र

एसडीएम ने बताया कि ईसीआईनेट ऐप के माध्यम से मतदाता अपनी मतदाता पहचान पत्र संख्या (ईपीआईसी नंबर) का इस्तेमाल कर पहचान पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अलावा मतदाता अपने द्वारा किए गए आवेदन की स्थिति भी देख सकते हैं। उन्हें यह जानकारी मिल सकती है कि उनका आवेदन किस स्तर पर पहुंचा है और वर्तमान में किस अधिकारी के पास लंबित है। इससे आवेदन की प्रक्रिया पर नजर रखना आसान हो जाता है।

बूथ स्तरीय अधिकारी से संपर्क करना भी होगा आसान

शुभम श्रीवास्तव ने बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ऐप में अपने बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क करने का विकल्प भी दिया गया है। मतदाता ऐप में उपलब्ध कॉल बुक करने की सुविधा के माध्यम से अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर सकते हैं और मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। हर मतदाता अपने मोबाइल में रखे निर्वाचन आयोग का ऐप

एसडीएम ने कहा कि आज के समय में अधिकांश लोग अपने मोबाइल फोन पर विभिन्न प्रकार के ऐप का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में ईसीआईनेट ऐप भी प्रत्येक मतदाता के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकता है। इसके माध्यम से निर्वाचन संबंधी अनेक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाती हैं। मतदाताओं को कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय डिजिटल माध्यम से भी अपनी समस्याओं और आवेदनों की जानकारी प्राप्त करने में आसानी होगी।

समय रहते नाम जुड़वाएं, मतदान के अधिकार को बनाएं सुनिश्चित

एसडीएम सदर शुभम श्रीवास्तव ने जनपद के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की कि वे अपनी जिम्मेदारी समझते हुए मतदाता सूची में नाम की जांच अवश्य करें। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर नाम जुड़वाने के लिए आवेदन करें, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

पैरालंपिक से एशियन पैरा गेम्स तक प्रीति पाल ने बढ़ाया देश का मान, मंत्री कपिल देव ने शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

पेरिस पैरालंपिक में दो कांस्य और जापान एशियन पैरा गेम्स में दो रजत पदक जीतकर रचा इतिहास, मुख्यमंत्री ने बीडीओ पद पर दी है जिम्मेदारी; मुजफ्फरनगर के हाशमपुर गांव की बेटी की उपलब्धियों पर जताया गर्व

मुजफ्फरनगर। अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा मनवाने वाली जनपद के ग्राम हाशमपुर की बेटी एवं पैरा एथलीट प्रीति पाल का प्रदेश सरकार के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सम्मान किया। प्रीति पाल ने अपने परिजनों के साथ मंत्री कपिल देव अग्रवाल के आवास पर पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान मंत्री ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और उनकी अंतरराष्ट्रीय खेल उपलब्धियों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पैरालंपिक में दो पदक जीतकर रचा इतिहास

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि ग्राम हाशमपुर की बेटी प्रीति पाल ने अपनी असाधारण प्रतिभा, दृढ़ इच्छाशक्ति और कठिन परिश्रम के बल पर अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में भारत का गौरव बढ़ाया है। वर्ष 2024 में फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित पैरालंपिक खेलों में प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर टी-35 स्पर्धाओं में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। वह पैरालंपिक की ट्रैक



एंड फील्ड स्पर्धा में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं। उनकी इस उपलब्धि के लिए उन्हें प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

एशियन पैरा गेम्स में भी दो रजत पदक

प्रीति पाल ने अपनी सफलता का सिलसिला आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2026 में जापान में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं की 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ में दो रजत पदक अपने नाम किए। इस तरह पैरालंपिक और एशियन पैरा गेम्स में कुल चार पदक जीतकर उन्होंने देश और जनपद का नाम रोशन किया है।

खेल उपलब्धियों पर सरकार ने दी बीडीओ की जिम्मेदारी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाने वाली प्रीति पाल को उत्तर प्रदेश सरकार ने खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) के पद पर नियुक्त किया है। 24 मार्च 2026 को लखनऊ स्थित लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें नियुक्ति पत्र प्रदान किया था। उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022 के तहत उन्हें ग्राम्य विकास विभाग में यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं प्रीति पाल

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानजनक अवसर देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रीति पाल को बीडीओ पद पर नियुक्ति मिलना उनकी उपलब्धियों के सम्मान का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रीति पाल की सफलता प्रदेश की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने साबित किया है कि मजबूत इच्छाशक्ति, आत्मविश्वास और निरंतर मेहनत से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है। उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने और देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

संपादकीय

कर्मभूमि एक्सप्रेस में आग ने फिर दिखाई रेलवे की सुरक्षा खामी

शुक्रवार को राजपुरा के पास अमृतसर से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लग गई। गनीमत बस यही रही कि समय रहते ट्रेन को रोक लिया गया और यात्री किसी तरह ट्रेन से उतरकर खुद को बचा सके। जब भी रेल महकमे में प्रबंधन और सेवाओं के स्तर पर सुधार का सवाल आता है, तब सरकारी दावे कमोबेश इसी तरह के होते हैं कि अब यहां के आम लोगों को ट्रेन में सफर करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं का अनुभव होगा। मगर यात्रा के दौरान ट्रेनों से लेकर प्लेटफार्मों तक पर होने वाले हादसे यही बताते हैं कि सरकार के दावों के बरक्स साधारण लोगों को रेलगाड़ी से सफर के दौरान न केवल बहुस्तरीय मुश्किलों और बाधाओं का सामना करना पड़ता है, बल्कि कई बार जानलेवा जोखिम से भी गुजरना पड़ता है।पंजाब में पटियाला के पास राजपुरा में एक ट्रेन में आग लगने की घटना से एक बार फिर ट्रेन यात्रा को लेकर सवाल खड़ा हुआ है कि यात्री आखिर अपने गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने के किस भरोसे पर रेल यात्रा करे। गौरतलब है कि शुक्रवार को राजपुरा के पास अमृतसर से बिहार जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार डिब्बों में आग लग गई। गनीमत बस यही रही कि समय रहते ट्रेन को रोक लिया गया और यात्री किसी तरह ट्रेन से उतरकर खुद को बचा सके।सवाल है कि एक चलती ट्रेन में आग लगने के बाद यात्रियों के हताहत न होने को क्या सिर्फ इस आधार पर सुरक्षा इंतजामों का एक आदर्श उदाहरण माना जा सकता है कि रेलवे के सुरक्षा तंत्र ने समय रहते खतरे का संकेत दे दिया? जिस तरह यात्रियों से भरी ट्रेन के चार डिब्बों में आग लग गई, ऐसे में इस हादसे का असर क्या हो सकता था, इसकी बस कल्पना ही की जा सकती है। अब एक औपचारिकता और रस्म की तरह आग लगने के कारणों की जांच की घोषणा हुई है, लेकिन उसके नतीजे क्या आएंगे, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा, क्या कार्रवाई होगी, इसका पता आम लोगों को शायद ही कभी लग पाए। इसके समांतर भारतीय ट्रेनों को अंतरराष्ट्रीय सुविधाओं से लैस करने के लिए आए दिन कार्यक्रमों की घोषणाएं होती रहती हैं। एक ओर बुलेट ट्रेन परियोजना का हवाला देकर रेलवे को नई ऊंचाई देने के दावे अक्सर दोहराए जाते रहते हैं, दूसरी ओर ट्रेनों के पटरी से उतरने, आपस में टक्कर से लेकर आग लगने की घटनाएं होती रहती हैं।कभी धुंध या कोहरे, तो कभी किसी अन्य कारण से ट्रेनों का अपने गंतव्य तक कई-कई घंटे की देरी से पहुंचना और निर्धारित ट्रेनों का रद्द होना एक आम व्यवस्था की तरह हो गई है। एक अनुमान के मुताबिक, रेल महकमे में अब भी करीब ढाई लाख पद खाली पड़े हैं। खुद रेलवे ने सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत यह जानकारी दी थी।

मन की शांति में ही जीवन की सच्ची समृद्धि

कहावत है- 'चिंता चिता समान है।' यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है।

(ललित गर्ग)

हमारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है।

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने संसार को सुविधाओं से भर दिया, लेकिन स्वयं के भीतर सुकून के लिए जगह कम कर ली। आज हमारे पास समय बचाने के असंख्य साधन हैं, पर समय का अभाव है, संवाद के अनगिनत माध्यम हैं, पर आत्मीयता का अकाल है, भौतिक समृद्धि के नए प्रतिमान हैं, लेकिन मानसिक शांति निरंतर दूर होती जा रही है। आधुनिक मनुष्य की इस विरोधाभासी स्थिति का सबसे बड़ा नाम है-तनाव। तनाव अब केवल मन की बेचैनी नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौती बन चुका है। इसी चुनौती के प्रति चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसकी थीम है- ''तनाव-मुक्ति और कल्याण के भविष्य को आकार देना तथा कार्यस्थल को फिर से मानवीय बनाना।'' यह विषय हमें याद दिलाता है कि कार्यस्थल केवल उत्पादन और उपलब्धियों का केंद्र नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य का भी स्थान होना चाहिए। आज का मनुष्य सुबह आंख खुलने से लेकर रात आंख बंद होने तक एक अदृश्य दौड़ में शामिल है। नौकरी की असुरक्षा, व्यवसाय की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अपेक्षाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य की चिंता, बुजुर्गों का अकेलापन और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव उसके मन को लगातार मथता रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में अंक और प्रतियोगिता बच्चों के बचपन पर भारी पड़ रहे हैं। कार्यस्थलों पर लक्ष्य, समय-सीमा और प्रदर्शन का दबाव व्यक्ति को मशीन में बदलने लगा है। परिवारों में संवाद की जगह मोबाइल ने और आत्मीयता की जगह औपचारिकताओं ने ले ली है।

इस व्यक्तिगत तनाव के ऊपर वैश्विक परिस्थितियों का बोझ भी कम नहीं है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की खबरें मनुष्य के भीतर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं। दुनिया के किसी कोने में होने वाला संघर्ष अब केवल उस क्षेत्र की समस्या नहीं रहता, बल्कि संचार माध्यमों के कारण पूरी मानवता की सामूहिक चिंता बन जाता है। इस प्रकार



तनाव की सीमाएं घर की चारदीवारी से निकलकर राष्ट्रों और महाद्वीपों तक फैल गई हैं। तनाव को यदि समय रहते समझा और नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लगातार तनाव से नींद में गड़बड़ी, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, पाचन संबंधी परेशानियां, चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाग्रता में कमी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। तनाव मनुष्य की निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और उसके संबंधों में कटुता घोल देता है। कहावत है-'चिंता चिता समान है।' यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है। प्रेक्षाध्यान का मूल भाव है-देखना, जागरूक होकर देखना और अपने भीतर घटित होने वाली प्रक्रियाओं को निष्पक्ष भाव से समझना। यह केवल आंखें बंद करके बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं से साक्षात्कार करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक साधना है। आचार्य महाप्रज्ञ ने ध्यान, श्वास-प्रेक्षा, शरीर-प्रेक्षा, चैतन्य-केंद्र प्रेक्षा और अनुप्रेक्षा जैसे प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को अपने मन, शरीर और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा दी।

प्रेक्षाध्यान का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है-भावनात्मक संतुलन। क्रोध, भय, ईर्ष्या, आवेश और निराशा जैसी वृत्तियों को पहचानकर उनके परिष्कार का प्रयास करना तनाव प्रबंधन की दिशा में सार्थक कदम है। प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का नियमित ध्यान, श्वास पर एकाग्रता और आत्मनिरीक्षण व्यक्ति के जीवन में धैर्य, सहनशीलता तथा मानसिक स्थिरता विकसित कर सकते हैं। इस साधना का संदेश है कि परिस्थितियों को हमेशा बदलना संभव नहीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा भी तनावमुक्त जीवन का अनमोल दर्शन प्रस्तुत करती है। उपनिषदों का आत्मबोध, गीता का निष्काम कर्मयोग, भगवान महावीर का समता दर्शन, भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग और पतंजलि का अष्टांग योग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। गीता का संदेश है-कर्म करो, फल की चिंता में स्वयं को मत उलझाओ। इसका अर्थ कर्म से पलायन नहीं, बल्कि परिणाम के अनावश्यक भय से मुक्त होकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। योग, प्राणायाम, ध्यान, मौन, स्वाध्याय और नियमित दिनचर्या मनुष्य को मानसिक संतुलन प्रदान करने के प्रभावी माध्यम हैं।

हमारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है। ईद भाईचारे, सेवा और साझी खुशियों का संदेश देती है, तो क्रिसमस प्रेम, करुणा और क्षमा की प्रेरणा देता है। पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि, क्षमाभाव, संयम और आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। विशेषकर क्षमापना का भाव मनुष्य के भीतर वर्षों से संचित कटुता और प्रतिशोध की गांठें खोल सकता है। त्योहारों का वास्तविक आनंद तभी है जब वे केवल बाहरी सजावट और खर्च तक सीमित न रहकर मनुष्यों को मनुष्यों के करीब लाएं। सामूहिक उत्सव, पारिवारिक मिलन, लोकगीत, संगीत, सेवा और प्रकृति के साथ जुड़ाव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। तनावमुक्त समाज के निर्माण में कार्यस्थलों, शिक्षण संस्थानों और परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। कार्यालयों में मानवीय व्यवहार, काम और विश्राम के बीच संतुलन, सहकर्मियों के प्रति संवेदनशीलता तथा मानसिक स्वास्थ्य पर खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी प्रतिभा को समझना आवश्यक है। परिवारों में एक-दूसरे को सुनने, साथ बैठने और भावनाओं को साझा करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, प्रकृति के सान्निध्य और डिजिटल माध्यमों के विवेकपूर्ण उपयोग को जीवनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। गंभीर या लगातार बने रहने वाले तनाव में मनोवैज्ञानिक अथवा योग्य चिकित्सक की सहायता लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए।

वस्तुतः तनाव से मुक्ति का अर्थ चुनौतियों से भागना नहीं, बल्कि चुनौतियों के बीच भी स्वयं को संभालकर रखना है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, परिस्थितियां बदलती रहेंगी, अपेक्षाएं जन्म लेती रहेंगी, लेकिन इन सबके बीच मनुष्य अपने भीतर शांति का एक ऐसा दीप जला सकता है, जिसकी रोशनी बाहरी अंधेरों से प्रभावित न हो। हमें समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल अधिक पाना नहीं, बल्कि जो प्राप्त है उसमें संतोष, संबंधों में मधुरता और मन में संतुलन बनाए रखना भी है। अंततः जीवन की सार्थकता इस बात में नहीं कि हमने कितनी ऊंचाइयां छुईं, बल्कि इस बात में है कि उन ऊंचाइयों तक पहुंचते हुए अपने भीतर की शांति कितनी बचाकर रखी। तनाव को जीवन का स्वामी नहीं, अपनी जागरूकता से नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है। आइए, हम ऐसी जीवनशैली और ऐसी सामाजिक संस्कृति का निर्माण करें, जहां प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग, उपलब्धियों से अधिक आत्मीयता और भौतिक प्रगति से अधिक मानवीय संवेदनाओं का सम्मान हो। क्योंकि स्वस्थ मन ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और शांतिपूर्ण विश्व की आधारशिला है।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं)

रसगुल्ले से घेवर तक, पिन्नी से पेठे तक भारत की हर मिठाई में घुली है संस्कृति और परंपरा की मिठास

(अमिताभ स.)

दीपावली पर ज्यादातर बंटने वाले छैना मुरकी, छोटा रसगुल्ला, छोटा गुलाब जामुन, शाही पिन्नी, बेसन लड्डू, पतीसा, बालूशाही, चमचम, बर्फी वगैरह मिश्रित मिठाइयों के एक-एक किलो के डिब्बे भारतीय संस्कृतियों की विविधता को बखूबी दर्शाते हैं। दीपावली की रात महालक्ष्मी और गणेश जी के भोग के लिए भी मिश्रित मिठाई ही सर्वोत्तम मानी जाती है। इसका एक और फायदा है कि प्रसाद के तौर पर परिवार का हर सदस्य अपनी- अपनी पसंद की मिठाई से मुंह मीठा कर सकता है।

चूंकि हर तीज, त्योहार, मौसम और इलाके से किसी एक विशिष्ट मिठाई का खास जुड़ाव रहता है, इसीलिए देश के तमाम प्रदेशों और हिस्सों में अलग-अलग नामों और जायके की मिठाइयों का चलन सदियों से है। जम्मू और कश्मीर के हलवाई 'चाकलेट' नाम की देसी घी की मिठाई के लिए मशहूर हैं।

यह जम्मू बर्फी भी कहलाती है। इसकी खूबी है कि इसे जितना चबाया जाए, मुंह में उतना स्वाद उभरता जाता है। स्वाद का राज है कि इसमें दूध, खोया, चीनी और देसी घी के अलावा कुछ भी नहीं है। इसे तीन घंटे से ज्यादा भून-भून कर चाकलेट की तरह रंग एकदम गाढ़ा किया जाता है। उधर 'बाल मिठाई' उत्तराखंड की लोकप्रिय मिठाई है। यह भी भुने खोए पर चीनी की छोटी-छोटी सफेद बिंदों को चिपका कर बनाई जाती है और अंदर से दिखने में भूरे चाकलेट जैसी ही होती है।

दिल्ली की कलाकंद, मिल्क केक और खुरचन को लोकप्रियता में मिठाइयों का राजा कह सकते हैं। एक-दूसरे से मिलती-जुलती इन तीनों मिठाइयों को दूध और चीनी को घंटों काढ़-काढ़ कर बनाया जाता है। हालांकि इन मिठाइयों के बीच कम या ज्यादा घटों का फर्क होता है। शरद पूर्णिमा में दूध-चावल-चीनी की खीर खाने-खिलाने की प्रथा है। खीर तो पंजाबी परिवारों में सावन के दिनों में भी घर-घर बनाई-खाई जाती है।

सावन की सौगात मलाई घेवर और होली पर गुझिया के चर्चे अब राजस्थान से निकल कर देश-दुनिया में होने लगे हैं। दोनों मिठाइयां बेशक राजस्थान की हैं, लेकिन घेवर तो हरियाणा के सोनीपत और उत्तर प्रदेश के बागपत के बड़े मशहूर हैं। सबसे खास किस्म लाल रंग के करीब दिखते हैं। दूध और मलाई घेवर देसी घी के साथ मुंह में घुल जाते हैं। उत्तरप्रदेश और खासतौर पर कानपुर के मोती-चूर लड्डुओं का अपना रुतबा है। किस्म-किस्म के लड्डुओं के लिए पंजाब और उत्तर प्रदेश ही नहीं जाने जाते, दक्षिण भारत के कर्नाटक में मा-लड्डू, रावा लड्डू, खजूर लड्डू, गोंद गीरी लड्डू वगैरह खूब चाव से खाए जाते हैं। लड्डू ही नहीं, अन्य मिठाइयों में बेसन और देसी घी की मैसूर पाक की बात ही खास है। 'मिल्क मैसूर पाक' नाम की मिठाई भी जिसने खाई है, उसने तारीफ ही की है।

इसके अलावा, गुड़ और चावल की मट्ठी जैसी दक्षिण की एक और खासमखास मिठाई है- आधीरसम। फिर ठंड की शुरुआत के साथ ही झांग के हलवाई एक और मिठाई गुड़ के चीड़ के लड्डू बनाते और खिलाते हैं। इनके बीच में मैदे के गुड़-पारे हैं, ऊपर गुड़ की मोटी परत, जिसे खाते-खाते गुड़ की ऊपरी मोटी परत दांतों में चिपक-चिपक कर स्वादिष्ट लगती है। ये नमक पारे के मित्र गुड़-पारे से हट कर है। दीपावली के बाद मुरैना, मेरठ, आगरा, रोहतक वगैरह देश के कई शहरों से आकर, ज्यादातर गुड़-तिल की रेवड़ी-गजक की खासियत वाले पट्टी देश के सर्द इलाकों में छा जाते हैं।

इसी कड़ी में मथुरा के पेड़े हैं, आगरा का पेठा है, तो पंजाब की मशहूर मिठाई डोडा बर्फी भी है। इसे अंकुरित गेहूं को सुखा कर और फिर उसे पीस कर तैयार अंकुरी से बनाते हैं। अंकुरी, दूध, चीनी वगैरह की कड़ाही में घंटों काढ़-काढ़ कर डोडा को काजू-पिस्ता की टापिंग कर, बर्फी की शेप में बनाते हैं। इसी परिवार का 'हब्शी हलवा' मुसलिम बिरादरी की खासमखास मिठाई है। मगर जब स्वाद की बात आती है, तो सभी मिठाइयां समाज की पहचानों से ऊपर की चीज के रूप में सभी धार्मिक समूहों क रूप में स्वीकृत रही हैं।

दूध, समलख (अंकुरित गेहूं), देसी घी, जाफरान, केसर, मेवे, चीनी वगैरह को कड़ाही में दस से बारह घंटे पका कर बनाते हैं। कराची हलवा पाक शहर कराची से आकर भारत में भी छाया। जबकि सोहन हलवा ठेठ पुरानी दिल्ली की मिठाई कही जाती है। दोनों का स्वभाव एकदम जुदा है- कराची हलवा मुलायम और खिंचावदार है, जबकि सोहन हलवा देखने में बेशक सख्त लगता है, लेकिन खाने में कुरमुरा है,ज्यादा चबाना नहीं पड़ता। दोनों मुंह में घुल जाते हैं, क्योंकि इसमें करीब 70 फीसद देसी घी होता है।

पंजाब की उड़द दाल को भून कर बनी मेवों भरी पन्नियों की चाह कभी कम नहीं होती। पंजाब की ही सर्दियों की खास मिठाई तिल बुग्गा खोए-चीनी को भून कर, तिल और मेवे मिला कर, लड्डुओं की शक्ल में बनाते हैं। रसोगुल्ला, मोहन भोग, रसकदम, रसो माधुरी, संदेश वगैरह ज्यादातर बंगाली मिठाइयों की शान दुर्गा पूजा से काली पूजा ही नहीं, पूरे साल रहती है। काजू-चीनी की काजू कतली भी कुछ दशकों से ज्यादा मशहूर हुई है। यह भी सच है कि बेशक खोए में मिलावट का अंदेशा ज्यादा होता है, लेकिन सबसे ज्यादा और स्वादिष्ट मिठाइयां दूध से ही बनती हैं।

आमतौर पर, खोया-छेना के मुकाबले बेसन बर्फी, मोतीचूर लड्डू, पिन्नी, बालूशाही, पेठा, कराची हलवा वगैरह बिना खोए की होती हैं। बाकी मिठाइयों की खपत केवल तीस फीसद ही होती है। बिस्कुटों जैसी तीन महीने खाने लायक रहने की खासियत के चलते, बेसन की पंजाबी मिठाई पतीसा का भाई- हन सोनपापड़ी एक अर्से से घर-घर पहुंच गया है।

जिससे बदला लेना चाहते हैं, उसकी सजा खुद क्यों भुगतते हैं हम

सबसे बड़ी बात है कि किसी व्यक्ति के द्वारा अगर हमें अविश्वास मिलता है, तो हम अपने दूसरे संबंधों पर भी बिना कारण संदेह करने लगते हैं और यह हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इसके कारण सभी रिश्ते-नाते प्रभावित होते हैं। मानसिक शांति में कमी और क्रोध का बार-बार आना हमारे निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करता है। हम किसी भी कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। हमारे जीवन का केंद्र और ध्यान मात्र पीड़ा पहुंचाने वाले के ऊपर केंद्रित हो जाता है। इस तरह हम अपने मन को भले ही थोड़ा बहुत संतुष्ट कर लें, लेकिन हमारा भी नुकसान बहुत सारा...

(रेखा शाह आरबी)

हमें यह भी समझना चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति गलत व्यवहार करता है, तो उसका व्यवहार उसकी जिम्मेदारी है। उसके कारण हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं होने देना चाहिए।

इंसान की अनेक प्रवृत्तियों में से एक प्रवृत्ति प्रतिशोध लेने की भी होती है। जब कोई उसके विश्वास को निर्दयता से तोड़ देता है या उसके आत्मसम्मान को चोट पहुंचाता है, उसकी भावनाओं का अनुचित लाभ उठाता है, उसके साथ अन्याय करता है या किसी कारण से पीड़ा पहुंचाता है, तब हमारे भीतर प्रतिशोध लेने की भावना जागृत हो जाती है। जो व्यक्ति हमें चोट पहुंचाता है, उसे भी वैसी ही चोट पहुंचाने की प्रबल इच्छा जागृत हो जाती है। हम अपने अपमान के बदले उसे दंडित करना चाहते हैं।

हमारा मन इसी प्रकार के न्याय की मांग पैदा करता है। कहीं न कहीं मन की ऐसी मांग करना पूरी तरह अनुचित भी नहीं है, क्योंकि हमें अपने साथ अन्याय की पीड़ा की अनुभूति होती है। हम अपना प्रतिशोध लेकर इसके पीछे के गहरे दुख, असुरक्षा और अपने सम्मान को फिर प्राप्त कर लेना चाहते हैं। जब किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान को चोट लगती है, तो उसके घाव लंबे समय तक रहते हैं। सबसे ज्यादा अपनों के द्वारा किए गए अन्याय, छल और अपमान भुलाए नहीं भूलते हैं। मन व्यथित और आहत हो



जाता है।

किसी व्यक्ति के द्वारा स्वयं को महत्त्वहीन, कमजोर और सम्मान के योग्य नहीं पाना हमें अपने आत्ममूल्य का अवलोकन करने को मजबूर कर देता है। एक व्यक्ति के भीतर प्रतिशोध लेने की भावना मात्र इसलिए नहीं होती है कि वह किसी व्यक्ति को दंड देना चाहता है। बल्कि वह यह भी साबित करना चाहता है कि वह कमजोर नहीं है।

वह अपने आप को साबित करना चाहता है, क्योंकि उसके मन में सवाल उठते हैं कि 'क्या मैं इतना कमजोर हूं कि मुझे महत्त्वहीन समझा जाए' और 'मेरी अच्छाई का लाभ उठाया जाए'। 'क्या मैं लोगों की नजरों में सम्मान के योग्य नहीं' जैसे सवाल सहज रूप से उठते हैं। यही सब सवाल व्यक्ति को प्रतिशोध लेने के लिए उकसाते हैं। हालांकि प्रतिशोध लेने और मन में बैर पालने के अपने नुकसान अलग हैं।

जब कोई घटना हमें अपमानजनक, अन्यायपूर्ण या असंतोषजनक लगती है, तो हमारा मन उस घटना के भावनात्मक महत्त्व का आकलन करने लगता है। इसमें सहयोगी बनता है हमारा क्रोध, जिसके साथ तनाव सक्रिय हो सकता है। जब हम अत्यधिक अपमानजनक स्थिति में होते हैं, तो हमारे अंदर प्रबल रूप से क्रोध की भावनाएं उठने लगती हैं। कई बार हम अपने विवेक से पूरी तरह नियंत्रण खो देते हैं। हम सोचते हैं कि पीड़ा पहुंचाने वाले को पीड़ा पहुंचा देंगे, तो हमें मानसिक शांति की अनुभूति होगी। हमारा आत्मसम्मान संतुष्ट हो जाएगा। कभी-कभी ऐसा नहीं होता है। बल्कि इसके विपरीत प्रतिशोध का विचार क्षणिक रूप से हमें शांति का अनुभव करा सकता है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभाव भी कई हैं। मसलन, हमारी मानसिक शांति में कमी आ जाती है। हम हर वक्त उस घटना के बारे में सोचते रहते हैं और अपने मन में मंथन करते रहते हैं। और जब भी हम ऐसा करते हैं, तो क्रोध बार-बार सक्रिय हो जाता है, जिसके कारण हमारा ध्यान काम, पढ़ाई, संबंध और अन्य गतिविधियां प्रभावित होती हैं।

सबसे बड़ी बात है कि किसी व्यक्ति के द्वारा अगर हमें अविश्वास मिलता है, तो हम अपने दूसरे संबंधों पर भी बिना कारण संदेह करने लगते हैं और यह हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इसके कारण सभी रिश्ते-नाते प्रभावित होते हैं। मानसिक शांति में कमी और क्रोध का बार-बार आना हमारे निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करता है। हम किसी भी कार्य पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते हैं। हमारे जीवन का केंद्र और ध्यान मात्र पीड़ा पहुंचाने वाले के ऊपर केंद्रित हो जाता है। इस तरह हम अपने मन को भले ही थोड़ा बहुत संतुष्ट कर लें, लेकिन हमारा भी नुकसान बहुत सारा होता है।

इसलिए बहुत जरूरी है कि अपने मन के अंदर के प्रतिशोध की भावना से मुक्ति पाई जाए। प्रतिशोध से मुक्ति का तात्पर्य यह नहीं है कि हम अपने साथ अन्याय को भूल जाएं और उसे सही मानकर हमेशा अन्याय सहते रहें। बल्कि इसे एक सबक की तरह याद रखना ही बेहतर है। और ऐसे लोगों से दूरी बनाकर चलना ही सही है। जब ऐसी घटनाओं और व्यक्तियों को हम महत्त्व नहीं देंगे, तब हम मानसिक रूप से खुशहाल रह पाएंगे। किसी से भी प्रतिशोध लेने का अर्थ है भविष्य और वर्तमान के बजाय अतीत में भटकना। अगर मानसिक रूप से खुशहाल रहना है, तो सबसे पहले हमें यह स्वीकार करने की आवश्यकता है कि हम सभी के अंदर क्रोध, अपमान, ईर्ष्या और प्रतिशोध की भावना मौजूद है। इसे हमें पहचानने की आवश्यकता है।

सबसे जरूरी है कि अपने प्रतिशोध के विचारों के चक्र को तोड़ा जाए, ताकि हम अपना ध्यान सकारात्मक और अपनी सार्थक गतिविधियों की तरफ कर सकें। अगर हम प्रतिशोध से मुक्ति पाना चाहते हैं, तो हमें क्षमा करने का भी प्रयास करना चाहिए, क्योंकि कई बार प्रतिशोध से ज्यादा असरकारी होता है क्षमा करना। ऐसा करना सामने वाले व्यक्ति को लज्जित करता है और उसे गलतियों की अनुभूति करवा देता है। बौद्ध दर्शन में द्वेष और मानसिक क्लेश को गहरा दुख माना गया है। हमें यह भी समझना चाहिए कि अगर कोई व्यक्ति गलत व्यवहार करता है, तो उसका व्यवहार उसकी जिम्मेदारी है। उसके कारण हमें अपने मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित नहीं होने देना चाहिए।

कैलाशपुर में चलते ट्रक में लगी भीषण आग, चालक ने कूदकर बचाई जान; देखते ही देखते जलकर राख हुआ ट्रक

गागलहेड़ी। थाना गागलहेड़ी क्षेत्र के गांव कैलाशपुर में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क पर दौड़ते एक ट्रक के पिछले हिस्से में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पूरा ट्रक आग की लपटों में घिर गया। इस दौरान चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार ट्रक चालक आरिफ सहारनपुर से हल्द्वानी के रामनगर की ओर जा रहा था। जैसे ही वह गांव कैलाशपुर स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा, तभी अचानक ट्रक के पिछले हिस्से में आग लग गई। चालक ने खतरे को भांपते हुए तुरंत ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में आग इतनी भयंकर हो गई कि ट्रक पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि हादसे में चालक की जान बच गई। फिलहाल ट्रक में आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

बच्चों के बीच पहुंचे DCP ऋजुल बाल संरक्षण गृह में बच्चों से किया आत्मीय संवाद, मिठाइयां और उपहार बांटकर बांटी खुशियां



गाजियाबाद। पुलिस अपनी कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के साथ-साथ सामाजिक और मानवीय कार्यों के लिए भी अपनी अलग पहचान बना रही है इसी क्रम में डीसीपी ट्रांस हिंडन ऋजुल ने बाल संरक्षण गृह का भ्रमण कर वहां रह रहे बच्चों से मुलाकात की। इस दौरान डीसीपी ऋजुल ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उनका हालचाल जाना उन्होंने बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए जीवन में आगे बढ़ने अच्छे संस्कार अपनाने और अपने उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित किया। डीसीपी ने बच्चों के साथ कुछ समय बिताया और उन्हें मिठाइयां फल एवं विभिन्न उपहार वितरित किए पुलिस अधिकारी को अपने बीच पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखने को मिला। इस पहल के जरिए डीसीपी ऋजुल ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि पुलिस की जिम्मेदारी केवल अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है बल्कि समाज के जरूरतमंद और कमजोर वर्गों के साथ खड़े होकर उनके चेहरों पर मुस्कान लाना भी पुलिस की मानवीय जिम्मेदारी का हिस्सा है।

गाजियाबाद: मौत के मुंह से यात्री को खींच लाए RPF इंस्पेक्टर, खुद गिरकर हुए घायल



गाजियाबाद। गाजियाबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म-3 पर रविवार सुबह 11:40 बजे बड़ा हादसा टल गया। उत्कल एक्सप्रेस (18478) के चलने पर एक यात्री चढ़ने के प्रयास में प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंसकर घिसटने लगा। गश्त पर मौजूद फ्छऋपोस्ट गाजियाबाद के इंस्पेक्टर अब्दुल लतीफ ने बिना एक पल गंवाए दौड़ लगाई और यात्री का हाथ पकड़कर उसे मौत के मुंह से बाहर खींच लिया। इस दौरान वे खुद संतुलन खोकर गिर पड़े और उनके बाएं पैर में चोट आई, लेकिन यात्री की जान बचा ली। घायल यात्री को प्लेटफॉर्म पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। मौके पर मौजूद देहरादून की महिला यात्री ने वीडियो बयान में कहा - इंस्पेक्टर मसीहा बनकर आए, नहीं तो बड़ी अनहोनी हो जाती।

दिवाली की आतिशबाजी से शिव दा ढाबा में लगी आग, इंदिरापुरम में होटल जलकर राख

गाज़ियाबाद। दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान बरती गई लापरवाही का खामियाजा गाजियाबाद के इंदिरापुरम में एक होटल संचालक को भुगतना पड़ा। यहां दीपावली की देर रात करीब 2 बजे शिव दा ढाबा नाम के होटल में भीषण आग लग गई। स्थानीय लोगों की जानकारी के मुताबिक, आशंका जताई जा रही है कि पटाखे की चिंगारी से होटल में आग लगी। देखते ही देखते आग ने पूरे होटल को अपनी चपेट में ले लिया और होटल में रखा सामान जलकर खाक हो गया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीमें दमकल की गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। हालांकि, दमकल की टीमों के पहुंचने तक आग काफी विकराल रूप ले चुकी थी। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और आग को आसपास की दुकानों तक फैलने से रोक लिया। अगर समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया जाता तो आसपास की दुकानों को भी भारी नुकसान पहुंच सकता था। होटल संचालक के मुताबिक, इस आग में करीब 15 से 16 लाख रुपये का सामान और संपत्ति जलकर बर्बाद हो गई। वहीं, इस ढाबे में लगभग 17 से 18 कर्मचारी काम करते थे। ऐसे में इस घटना से होटल संचालक को आर्थिक नुकसान होने के साथ-साथ वहां काम करने वाले कर्मचारियों के सामने भी रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। इस घटना ने दीपावली के दौरान पटाखे जलाने में बरती जाने वाली लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक तरफ लोग दीपावली पर आतिशबाजी करके खुशियां मना रहे थे, तो दूसरी तरफ किसी की मेहनत और वर्षों की कमाई आग में जलकर राख हो गई। त्योहार मनाने की आजादी सभी को है, लेकिन किसी की लापरवाही की वजह से दूसरे व्यक्ति का कारोबार और रोजगार प्रभावित हो, यह बेहद चिंताजनक है।

अखिलेश यादव के 12 नवंबर को रामलला दर्शन पर बोले नंदकिशोर गुर्जर मैंने अभिनंदन के लिए पत्र लिखा, ये उनकी घर वापसी होगी

गाजियाबाद। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 12 नवंबर को अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भगवान रामलला के दर्शन करने के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने प्रतिक्रिया दी है उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के इस कदम को लेकर उन्होंने उनके अभिनंदन के लिए पत्र लिखा है। विधायक ने इसे उनकी घर वापसी बताते हुए कहा कि अयोध्या जाना उनके लिए एक सकारात्मक कदम है। नंदकिशोर गुर्जर ने कहा श्री अखिलेश यादव जी 12 नवंबर को श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्री रामलला के दर्शन करने जा रहे हैं। मैंने उनके अभिनंदन के लिए पत्र लिखा है।

मुलायम सिंह यादव के पुराने बयानों का किया जिक्र

विधायक ने इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव और सपा नेता प्रोफेसर रामगोपाल यादव के पुराने बयानों का भी जिक्र किया उन्होंने अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलाए जाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय अयोध्या की गलियां और सरयू नदी लाल हो गई थीं उन्होंने कहा कि 12 नवंबर को अखिलेश यादव का अयोध्या जाना स्वत ही उनकी घर वापसी होगी।

एक करोड़ लोगों की घर वापसी का दावा नंदकिशोर गुर्जर ने दावा किया कि उन्हें जानकारी मिली है कि एक करोड़ से अधिक लोग घर वापसी कर रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव के अयोध्या जाने को उन लोगों के लिए जवाब बताया जो गजवा ए हिंद का सपना देखते हैं। प्रोफेसर रामगोपाल यादव के मंदिर को लेकर हालिया बयान का जिक्र करते हुए विधायक ने कहा कि इसके बावजूद अखिलेश यादव का रामलला के दर्शन के लिए जाना सराहनीय कदम है।

उन्होंने अखिलेश यादव को बधाई देते हुए कहा कि भारत के मुसलमानों को भी अपने पूर्वजों को हिंदू मानकर घर वापसी करनी चाहिए ये सभी बातें भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने अपने बयान में कहीं।

क्रॉसिंग रिपब्लिक की हाईराइज सोसायटी के 10वें फ्लोर के फ्लैट में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबू, एक्वेरियम में फंसी मछली को भी बचाया



गाजियाबाद। गाजियाबाद के क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित GH-7 सोसायटी के टावर नंबर-7 में सोमवार शाम एक फ्लैट में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग टावर के दसवें फ्लोर पर स्थित फ्लैट नंबर 10103 में लगी थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी के अनुसार, सोमवार शाम 19:58 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को एमड-ीटी-1487 के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही क्रॉसिंग रिपब्लिक और फायर स्टेशन कोतवाली से दमकल की गा-ड़ियां रवाना की गईं। मौके पर पहुंचने पर फ्लैट के अंदर आग के साथ भारी मात्रा में जहरीला धुआं भरा हुआ था। आग की गंभीरता को देखते हुए वैशाली फायर स्टेशन से हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म भी बुलाया गया।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी और अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में दमकलकर्मियों ने बिल्डिंग में लगे फायर फाइटिंग सिस्टम का इस्तेमाल करते हुए आग बुझाने का काम शुरू किया। फ्लैट के अंदर धुआं अधिक होने के कारण दमकलकर्मियों ने बीए सेट (ब्रीदिंग अपरेटस) पहनकर अंदर प्रवेश किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। दमकल विभाग की तत्परता से आग को दूसरे फ्लैटों और बिल्डिंग के अन्य हिस्सों तक फैलने से रोक लिया गया। इस दौरान दमकलकर्मियों ने मानवीय संवेदनशीलता की मिसाल भी पेश की। फ्लैट के अंदर रखे एक्वेरियम में फंसी एक मछली को सुरक्षित बाहर निकालकर उसकी जान बचाई। इस अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई, हालांकि फ्लैट में रखा घरेलू सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गया। फ्लैट के मालिक साकेत जैन बताए गए हैं। आग पूरी तरह बुझाने और आवश्यक निरीक्षण के बाद स्थिति सामान्य कर दी गई।

हाईवे पर खड़े स्क्रेप से भरे ट्रक में धान से भरे ट्रक की टक्कर, लगी भीषण आग



शामली। क्षेत्र के गांव टिटौली के निकट रविवार देर रात हाईवे पर खड़े स्क्रेप से भरे ट्रक में पीछे से धान से भरा ट्रक टकरा गया। टक्कर के बाद धान से भरे ट्रक के केबिन में भीषण आग लग गई। चालक ने ट्रक से कूदकर किसी तरह अपनी जान बचाई, जबकि वह हादसे में घायल हो गया। सूचना पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हादसे में ट्रक में रखी नकदी, मोबाइल और लाखों रुपये का धान जलकर खराब हो गया। जानकारी के अनुसार पंजाब के नया शहर निवासी रमन पुत्र दर्शन सिंह अपने ट्रक में स्क्रेप भरकर गाजियाबाद से लुधियाना जा रहे थे। रविवार देर रात करीब 11 बजे उनका ट्रक गांव टिटौली के निकट पहुंचा तो उसका पहिया नाले में गिर गया। काफी मशक्कत के बाद ट्रक को नाले से बाहर निकाला गया, जिसके बाद चालक ने उसे हाईवे किनारे खड़ा कर दिया।

इसी दौरान पीछे से धान लेकर आ रहे दूसरे ट्रक के चालक हरदयाल पुत्र साधु सिंह निवासी राकेश कॉलोनी, लुधियाना को सड़क किनारे खड़ा ट्रक दिखाई नहीं दिया और उसका ट्रक स्क्रेप से भरे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि धान से भरे ट्रक के केबिन में आग लग गई। चालक हरदयाल ने ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई, हालांकि वह घायल हो गया। देखते ही देखते आग ने ट्रक में रखे धान को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हरदयाल सिंह के अनुसार केबिन में रखे 24 हजार रुपये, मोबाइल फोन और जरूरी कागजात जलकर राख हो गए।

वहीं ट्रक में लदा लाखों रुपये का धान भी आग की चपेट में आकर खराब हो गया। सोमवार सुबह दोनों ट्रकों को हाईवे से हटाया गया।

फाइव स्टार रिसोर्ट से होटल मैनेजमेंट छात्रा का रहस्यमय गायब

हफ्ता बीता पर पुलिस खामोश, होटल के जवाब गोलमोल!



मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में दिल्ली-देहरादून बाईपास स्थित ब्रेविरा गोल्ड रिसोर्ट से होटल मैनेजमेंट की 20 वर्षीय छात्रा काजल के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने से सनसनी फैल गई है। उत्त-राखंड के ऊधम सिंह नगर की रहने वाली काजल त्योहार के दौरान अचानक रहस्यमय ढंग से गायब हो गई, जिसके बाद जब परिजन मेरठ पहुंचे तो होटल प्रबंधन ने जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते हुए गोलमोल जवाब दिए। हैरान करने वाली बात यह है कि परतापुर थाने में गुमशुदगी दर्ज हुए करीब हफ्ता बीत चुका है, लेकिन इसके बावजूद थाना प्रभारी से लेकर सीओ ब्रह्मपुरी तक इस गंभीर मामले से अनभिज्ञ नजर आए, जिससे पुलिस की कार्यशैली और फाइव स्टार रिसोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। परिजन अब अपनी बेटी की सकुशल बरामदगी के लिए दर-दर भटक रहे हैं, जबकि पुलिस महकमा सुस्त चाल से जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति में जुटा है।

मेरठ में बिल्ली के बच्चे की चोरी! बुरखे में आईं महिलाओं ने 2 महीने के पर्शियन किटन को बनाया निशाना, देखिए सीसीटीवी फुटेज!

मेरठ । मेरठ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां थाना रेलवे रोड क्षेत्र के महताब भूसा मंडी के पास से कुछ महिलाओं ने महज दो महीने के मासूम बिल्ली के बच्चे को चुरा लिया। जानकारी के मुताबिक, चोरी हुआ बिल्ली का यह बच्चा पर्शियन नस्ल का था और सिर्फ दो महीने का था। खास बात यह है कि इस वारदात को अंजाम देने वाली महिलाएं बुरखे में थीं। शातिर महिलाओं ने बड़ी चालाकी से इस नन्हे बच्चे को चुराया और मौके से फरार हो गईं।

यह पूरी घटना पास ही लगे एक सीसीटीवी कैमरे में साफ-साफ कैद हो गई है।

फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि कैसे बुरखे में आई महिलाएं और एक बच्ची इस घटना को अंजाम दे रही हैं। ये पूरी घटना का वीडियो वायरल हो रहा है।

दीपावली के बाद बिगड़ी शामली की आबोहवा, AQI 283 तक पहुंचा

आतिशबाजी के बाद हवा में बढ़े धुएं और धूल के कण, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी से लोग बेहाल



शामली। दीपावली के बाद एनसीआर क्षेत्र में शामिल शामली जनपद की आबोहवा भी बिगड़ने लगी है। दीपावली पर देर रात तक हुई आतिशबाजी के बाद वायु प्रदूषण में अचानक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। दीपावली से पहले जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 180 से 200 के बीच बना हुआ था, वहीं त्योहार के बाद बढ़कर 283 तक पहुंच गया। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश और स-ांस लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दीपावली की रात जमकर हुई आतिशबाजी के चलते वातावरण में धुएं और धूल के कणों की मात्रा बढ़ गई। सोमवार सुबह आसमान में धुंध छाई रही। प्रदूषित हवा के कारण खासकर दमा, एलर्जी और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सुबह की सैर पर रेलवे स्टेशन, मंडी प-रसर और माजरा रोड सहित अन्य स्थानों पर निकलने वाले लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, वायु प्रदूषण बढ़ने से बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। परिजनों का कहना है कि प्रदूषण का सबसे अधिक असर छोटे बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ सकता है। ऐसे में उन्हें घर से बाहर निकालने में भी सावधानी बरती जा रही है। चिकित्सकों ने लोगों को प्रदूषण से बचाव के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें और सुबह व देर शाम खुले स्थानों पर व्यायाम करने से परहेज करें। सांस के मरीज अपनी निर्धारित दवाएं नियमित रूप से लेते रहें। आंखों में जलन या सांस लेने में परेशानी होने पर चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, पुलिस उपनिरीक्षक की मौत, साथी गंभीर

नीलगाय को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित कार ट्रक से टकराई, नोएडा ड्यूटी पर जा रहे थे दोनों



शामली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर गांव लांक के निकट नीलगाय सामने आने से बड़ा सड़क हादसा हो गया। नीलगाय को बचाने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार पुलिस उपनिरीक्षक की मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद के थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र के गांव घसौली निवासी 36 वर्षीय वैभव कुमार पुत्र प्रीतम सिंह पुलिस विभाग में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात थे। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग नोएडा के सेक्टर-39 में थी। बताया गया कि सोमवार को वैभव कुमार अपने साथी प्रशांत के साथ कार में सवार होकर घर से नोएडा ड्यूटी पर जा रहे थे। जब उनकी कार दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर शामली जनपद के गांव लांक के निकट पहुंची तो अचानक सड़क पर नीलगाय आ गई। उसे बचाने के प्रयास में चालक कार से संतुलन खो बैठा और कार आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने वैभव कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रशांत की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई। उपनिरीक्षक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पुलिस विभाग में भी शोक की लहर दौड़ गई।

रंग संसार

कैसे राज कपूर की एक सीख बनी सिनेमा की नींव ? 'शोले' से लेकर K3G तक, हिंदी फिल्मों में झलकती है श्रीराम कथा



नोएडा। दीवाली के पावन अवसर पर हिंदी फिल्मों में रामकथा के प्रभाव की चर्चा होती है। अकारण नहीं है कि रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण को दीवाली के ठीक पहले प्रदर्शित किया गया। जब फिल्मों और रामकथा की चर्चा होती है तो हिंदी फिल्मों के सफलतम लेखकों में से एक सचिन भौमिक और राज कपूर के मध्य हुआ एक डायलॉग याद आता है। सचिन भौमिक वही लेखक हैं जिन्होंने अनुराधा, आई मिलन की बेला, जानवर, आया सावन झूम के, गोल-माल, कर्ज, सौदागर, आदि फिल्में लिखीं। सलीम-जावेद की जोड़ी से ज्यादा हिट फिल्में सचिन भौमिक के नाम पर दर्ज हैं। वापस आते हैं राज कपूर और सचिन भौमिक से जुड़े किस्से पर। सचिन भौमिक कोलकाता से राज कपूर से मिलने बांबे (अब मुंबई) आते हैं। आर. के. स्टूडियो में दोनों की भेंट होती है।जब राज कपूर ने सचिन भौमिक को दी थी सलाह राज कपूर उनसे मुलाकात का प्रयोजन जानना चाहते हैं तब सचिन भौमिक इच्छा जताते हैं कि वो राज कपूर के लिए फिल्म की कहानी लिखना चाहते हैं। राज कपूर ने धैर्यपूर्वक पूरी बात सुनी। बातचीत खत्म होने पर राज कपूर बोले कि आप हिंदी फिल्मों के लिए कहानियां लिखते हैं, अच्छी बात है, लिखते रहिए, लेकिन इतना ध्यान रखिएगा कि हिंदी फिल्मों में कहानी तो एक ही होती है, ह्यराम थे, सीता थीं और रावण आ गया'।सचिन भौमिक ने एक साक्षात्कार में बताया था कि राज कपूर की ये बात उन्होंने गांठ बांध ली थी और वो कोई भी कहानी लिखते थे तो उनके अवचेतन में रामकथा अवश्य चल रही होती थी। राज कपूर ने फिल्मों की कहानी पर बहुत गहरी बात कही। उस पर उस समय भी और अब भी चर्चा होते रहती है, पर उस मुलाकात के बाद सचिन भौमिक ने जो कहा वो बहुत महत्वपूर्ण है।सचिन भौमिक ने माना था फिल्मों की कहानी लिखते समय उनके अवचेतन मन में रामकथा चलती रहती है। लेखक के अवचेतन मन में तुलसीदास की रामकथा रहती है।

राज काज

अमेरिकी प्रतिबंधों पर ईरान का ठेंगा... चीन में गुप्त तेल टर्मिनल और स्टोरेज पर किया कब्जा; लीक चिट्ठी से खुलासा

तेहरान। वैश्विक राजनीति और ऊर्जा बाजार से बड़ी खबर सामने आ रही है। एक लीक हुई गोपनीय चिट्ठी और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ईरान ने अमेरिकी प्रतिबंधों की धज्जियां उड़ाते हुए चीन के कई बंदरगाहों और तेल भंडारों पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया है। इसके जरिए ईरान अपने प्रतिबंधित कच्चे तेल की ढुलाई और बिक्री को बिना किसी रोक-टोक के अंजाम दे रहा है। ईरान इंटरनेशनल द्वारा प्राप्त एक गोपनीय पत्र से यह खुलासा हुआ है। बता दें कि यह पत्र नेशनल ईरानी ऑयल कंपनी (NIOC) के पूर्व प्रमुख और मौजूदा कार्यवाहक तेल मंत्री हामिद बोवर्ड ने लिखा था। यह पत्र ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के पूर्व सचिव अली शमखानी के संदेश के जवाब में लिखा गया था। इस चिट्ठी में ईरान की पुरानी नीतियों की आलोचना की गई है और राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन के कार्यकाल के दौरान चीन के साथ मिलकर बनाए गए इस गुप्त नेटवर्क का पदार्फाश किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने चीन के तीन प्रमुख इलाकों में तेल सुविधाओं पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। निंगबो-झोउशान फ्री ट्रेड जोन- यहां ईरान ने छोटे ट्रांजिटे सुविधा केंद्र बनाने में मदद के बदले एक टर्मिनल पर नियंत्रण पाया है। शानदोंग प्रांत- यहां किंगदाओ और पेंट के छोटे डॉक्स पर हिस्सेदारी हासिल की गई है, जो सीधे रिफाइनरियों से जुड़े पाइपलाइन के पास हैं ताकि तेल को तुरंत बिना किसी झंझट के पहुंचाया जा सके। तेल भंडारण- ईरान ने चीन में कुल 7 बड़े तेल स्टोरेज टैंक भी खरीदे हैं, जो डालियान, हुईझौ, डोंगयिंग, वेइफांग और झोउशान (आओशान व शुलांग्हू द्वीप) जैसे इलाकों में स्थित हैं। इन सुविधाओं का इस्तेमाल उन जहाजों द्वारा किया जा रहा है जो हुसैन शमखानी से जुड़े हुए हैं और एक गुप्त बेड़ा चलाते हैं। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग पहले ही हुसैन शमखानी से जुड़े 51 जहाजों पर प्रतिबंध लगा चुका है। इस बात को ऐसे समझिए कि चीन लंबे समय से ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार रहा है। 2025 में ईरान के कुल तेल निर्यात का 80% से ज्यादा हिस्सा अकेले चीन ने खरीदा, जो औसतन 14 लाख बैरल प्रतिदिन था।

दैनिक राशिफल मंगलवार 10 नवम्बर 2026

मेष – अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभ चिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

वृष – नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ।

मिथुन : दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य करें।

कर्क – कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी।

सिंह– प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

कन्या – स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के याग हैं।

तुला – नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें।

वृश्चिक – जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

धनु – कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे।

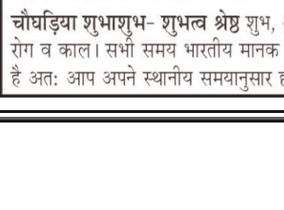
मकर – बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे

कुंभ – सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं।

मीन – धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे।

दैनिक पंचांग

10 नवम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	तुला में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	सिंह में
शुक्र	कन्या में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

लग्नारंभ	समय
वृश्चिक	06.44 ब.से
धनु	09.00 बजे से
मकर	11.05 बजे से
कुंभ	12.52 बजे से
मीन	14.25 बजे से
मेष	15.55 बजे से
वृष	17.35 बजे से
मिथुन	19.33 बजे से
कर्क	21.47 बजे से
सिंह	00.03 बजे से
कन्या	02.15 बजे से
तुला	04.26 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 314 वा दिन
दिशाशूल उत्तर ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास कार्तिक पक्ष शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 14.01 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 09.20 बजे को समाप्त।
योग शोभन 03.10 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 14.01 बजे तदनन्तर बालव 02.54 बजे रात्र को समाप्त।

चन्द्रायु 0.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 05'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872889
जूलियन दिन 2461354.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल तारीख 29
विशेष चन्द्रदर्शन, द्यूत क्रीडा, गुजराती नया साल।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से

मोरना के सिकंदरपुर में सर्पदंश से बालक की मौत: बुआ के घर आया था 10 वर्षीय दीपांशु, झाड़-फूंक के फेर में गई जान

अस्पताल ले जाने के बजाय घंटों चलता रहा देशी इलाज, परिजनों में मचा कोहराम

मोरना। भोपा क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर में एक मासूम की सर्पदंश (सांप के काटने) से दर्दनाक मौत हो गई। अपने बुआ-फूफा के घर आए 10 वर्षीय बालक को खेलते समय जहरीले सांप ने डस लिया। समय पर डॉक्टरी इलाज मिलने के बजाय झाड़-फूंक और देशी उपचार के चक्कर में कीमती समय बर्बाद होने के कारण बालक की हालत बिगड़ती चली गई और अंततः जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। खेलते समय सांप ने बनाया निशाना

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मेरठ जिले के कस्बा मवाना क्षेत्र के गांव तिगरी निवासी दीपांशु (10 वर्ष) पुत्र पिंटू, मोरना क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर में अपनी बुआ बिजेंद्री और फूफा पूरण के घर रहकर पढ़ाई कर रहा था। दीपांशु चौथी कक्षा का छात्र था। रविवार को वह घर से कुछ दूरी पर खेल रहा था, तभी खेतों



की ओर से आए एक जहरीले सांप ने उसे डस लिया। बालक के जोर-जोर से चिल्लाने पर आसपास मौजूद ग्रामीण तुरंत मौके की ओर दौड़े और उसे बचाकर घर लाए।

झाड़-फूंक के चक्कर में बिगड़ी हालत, अस्पताल में तोड़ा दम

घटना के तुरंत बाद परिजन बालक को किसी योग्य चिकित्सक या अस्पताल ले जाने के बजाय भोपा स्थित एक पुराने देशी स्व-चिकित्सक और झाड़-फूंक करने वाले व्यक्ति के पास ले गए। घंटों तक चले देशी उपचार के बाद रविवार की रात बालक को वापस घर भेज दिया गया। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने घोषित किया मृत

सोमवार की सुबह जब दीपांशु की तबीयत अत्यधिक बिगड़ गई और वह अचेत होने लगा, तो आनन-फानन में परिजन उसे भोपा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने बालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत जिला अस्पताल (सुशीला चिकित्सालय) रेफर कर दिया, जहाँ उपचार के दौरान मासूम दीपांशु की मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता अभियान पर जोर

स्थानीय ग्रामीणों और बुद्धिजीवियों ने प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि ग्रामीण इलाकों में अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाए और अस्पतालों में एंटी-वेनम (एंटी-स्नेक वेनम) इंजेक्शन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए ताकि समय पर इलाज देकर किसी मासूम की जान बचाई जा सके।

सर्पदंश से इस वर्ष हो चुकी हैं चार मौतें

भोपा थाना क्षेत्र में जहरीले सांपों के काटने से मौतों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। दीपांशु की मौत इस सीजन की चौथी घटना है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है:

05 सितंबरः अल्मावाला गांव में 60 वर्षीय गुरमीत कौर पत्नी बलवीर की सांप के काटने से मौत हुई थी।

28 जुलाईः शुक्रतारी गांव में 60 वर्षीय सुशीला देवी पत्नी धर्म सिंह की सर्पदंश से जान गई थी।

27 जुलाईः योगेंद्र नगर गांव में 18 वर्षीय रजत कुमार पुत्र कुलबीर की सांप के डसने से मृत्यु हुई थी।

चोरी का 72 घंटे में खुलासा करने वाली पुलिस टीम का सम्मान

दिव्य ध्यान योग आश्रम में आयोजित समारोह में संतों और नागरिकों ने सीओ व कोतवाली प्रभारी सहित पूरी टीम को सराहा

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली थाना क्षेत्र के मौहल्ला बचन सिंह कालोनी में ऋषभदेव शर्मा के यहां हुई चोरी की वारदात का 72 घंटे के भीतर सफल खुलासा करने वाली नई मंडी कोतवाली पुलिस टीम को सम्मानित किया गया। समारोह में स्वामी भगवान आश्रम और दंडी स्वामी महादेव आश्रम की उपस्थिति में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को स्मृति चिह्न भेंट कर उनकी तत्परता की सराहना की गई। बीती 29 अक्टूबर को स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज के पुत्र ऋषभदेव शर्मा के आवास पर बचन सिंह कालोनी में अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की थी। नई मंडी कोतवाली पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए घटनास्थल के



निरीक्षण, सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर महज 72 घंटे के भीतर आरोपियों तक पहुंचकर घटना का पदार्फाश कर दिया। इस उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में संतों और वक्ताओं ने कहा कि पुलिस की त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई से आमजन में सुरक्षा का भाव मजबूत होता है। कर्तव्यनिष्ठ पुलिसकर्मियों के ऐसे कार्यों से उनका मनोबल बढ़ता है। कार्यक्रम में नई मंडी क्षेत्राधिकारी राजू कुमार साव और नई मंडी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनंत देव मिश्रा को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही खुलासे में अहम भूमिका निभाने वाले पुलिसकर्मियों अमित चौधरी, भारती, पवन कुमार, आरती, उवेंश कुमार, मुख्य आरक्षी प्रदीप कुमार, सुबोध कुमार, आकांक्षा मेहरा और संदीप सिंह को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर महादेव आश्रम महाराज, संजय मिश्रा, सतेंद्र शर्मा, केके शर्मा, चंद्रकांत शर्मा, मास्टर सोहनवीर सिंह, राजेन्द्र नेगी, नरेश शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, चंदर शर्मा, रमन शर्मा, दिनेश गिरि, नरेंद्र उपाध्याय, मंगल नीरस त्यागी, रचना त्यागी, राधेश्याम त्यागी, सुबीर सिंह, राजीव पराशर, कीरतपाल सैनी, अमित चौधरी, धर्मेंद्र शर्मा, राकेश शर्मा, पंकज शर्मा, नितिन कुमार, गोपाल शर्मा, मोनू शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दीपों की रोशनी से जगमगाया मुजफ्फरनगर, आतिशबाजी की रंगीन छटा से रोशन हुआ आसमान

खुशियों, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया दीपावली का महापर्व, घरों से लेकर बाजारों तक दिखाई दी त्योहार की रौनक

मुजफ्फरनगर। रोशनी, खुशियों और आपसी प्रेम का प्रतीक दीपावली का पावन पर्व शहर में बेहद उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। दीपों की जगमगाहट, रंग-बिरंगी झालरों की रोशनी और आतिशबाजी की गूंज से पूरा शहर उत्सव के रंग में सराबोर नजर आया। घरों से लेकर बाजारों, गलियों और मोहल्लों तक दीपावली की रौनक देखते ही बन रही थी। शाम ढलते ही लोगों ने अपने घरों को दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया। इसके बाद आसमान में आतिशबाजी का ऐसा नजारा दिखाई दिया कि शहर के विभिन्न इलाकों में देर तक रंग-बिरंगी रोशनी बिखरती रही। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर उम्र के लोगों में त्योहार को लेकर खास उत्साह दिखाई दिया।

दीपों और रंग-बिरंगी झालरों से सजे घर, हर तरफ दिखाई दी रौनक

दीपावली को लेकर लोगों ने अपने घरों की साफ-सफाई और सजावट कई दिन पहले से ही शुरू कर दी थी। पर्व के अवसर पर घरों के मुख्य द्वारों, छतों, बालकनियों और आंगनों को आकर्षक रंग-बिरंगी बिजली की झालरों से सजाया गया। घरों के बाहर दीपक जलाए गए तो कहीं आकर्षक



रंगोलियां बनाकर त्योहार की खुशियों को और खास बनाया गया। शाम होते ही एक के बाद एक घरों में दीप जलने लगे और देखते ही देखते पूरा शहर रोशनी से नहा उठा। मकानों की छतों और दुकानों पर सजी रंगीन रोशनी ने दीपावली की खूबसूरती में चार चांद लगा दिए।

महिलाओं ने विधि-विधान से की मां लक्ष्मी-गणेश की पूजा

दीपावली के अवसर पर महिलाओं ने घरों में विशेष तैयारियां कीं। पूजा स्थलों को फूलों, दीपकों और आकर्षक सजावट से सजाया गया। शुभ मुहूर्त में परिवार के सदस्यों ने एकत्र होकर विधि-विधान के साथ मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। घरों में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की गई। पूजा के बाद परिवार के सदस्यों ने एक-दूसरे को प्रसाद और मिठाइयां वितरित कीं। कई स्थानों पर बच्चों ने भी परिवार के साथ पूजा में भाग लेकर दीपावली की परंपराओं को जाना और उनका पालन किया।

आतिशबाजी से रंगीन हुआ आसमान, बच्चों में दिखा विशेष उत्साह

शाम ढलने के बाद शहर के विभिन्न इलाकों में आतिशबाजी का सिलसिला शुरू हो गया। पटाखों की आवाज और आसमान में बिखरती रंग-बिरंगी रोशनी ने दीपावली के उत्साह को और बढ़ा दिया। बच्चों ने फुलझड़ियां, अनार और अन्य रोशनी वाले पटाखे जलाकर अपनी खुशियों का इजहार किया। परिवार के बड़े सदस्य भी बच्चों के साथ त्योहार का आनंद लेते दिखाई दिए। आसमान में उठती रंगीन रोशनी और घरों के बाहर जलते दीपकों का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। देर रात तक शहर के अनेक इलाकों में आतिशबाजी की गूंज सुनाई देती रही।

मिठाइयों की मिठास के साथ बांटी खुशियां, एक-दूसरे को दी बधाई

दीपावली के पर्व पर आपसी प्रेम और भाईचारे की खूबसूरत झलक भी देखने को मिली। लोगों ने अपने रिश्तेदारों, मित्रों, पड़ोसियों और परिचितों के घर पहुंचकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मिठाइयों और उपहारों का आदान-प्रदान कर एक-दूसरे के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई। मोबाइल फोन और सामाजिक माध्यमों के जरिए भी बधाइयों का सिलसिला चलता रहा। लोगों ने संदेशों और शुभकामना चित्रों के माध्यम से अपने प्रियजनों को पर्व की खुशियों में शामिल किया।

बाजारों में पहले से ही था त्योहार का उत्साह

दीपावली के मद्देनजर शहर के बाजारों में भी कई दिनों से रौनक बनी हुई थी। सजावटी सामान, मिठाइयों, पूजा सामग्री, दीपकों और उपहारों की दुकानों पर लोगों की आवाजाही बनी रही। घरों को सजाने के लिए लोगों ने रंग-बिरंगी झालरें, बंदनवार, फूल और अन्य सजावटी सामान खरीदे। त्योहार के दिन भी बाजारों और प्रमुख मार्गों पर दीपावली की चमक दिखाई दी। दुकानों और प्रतिष्ठानों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था।

परंपरा और आधुनिकता का दिखा सुंदर संगम

दीपावली के अवसर पर शहर में भारतीय संस्कृति और परंपराओं का सुंदर संगम देखने को मिला। एक ओर घरों में पारंपरिक मिट्टी के दीपक जलाकर पूजा-अर्चना की गई, वहीं दूसरी ओर बिजली की रंग-बिरंगी झालरों और आधुनिक सजावट ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया। परिवारों ने एक साथ मिलकर त्योहार मनाया और नई पीढ़ी को दीपावली के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराया। कुल मिलाकर मुजफ्फरनगर में दीपावली का पर्व खुशियों, उत्साह और आपसी सौहार्द के वातावरण में मनाया गया। दीपों की रोशनी, आतिशबाजी की रंगीन छटा, मिठाइयों की मिठास और एक-दूसरे को दी गई शुभकामनाओं ने पूरे शहर को उत्सवमय बना दिया।

छह युवकों की मौत से गमगीन परिवारों के बीच पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान

तितावी थाने पहुंचकर हादसे में जान गंवाने वाले युवकों के परिजनों से की मुलाकात, दुख की घड़ी में बंधाया ढांढस; परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया, दर्दनाक हादसे से हरियाणा तक पसरा मातम

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में छह युवकों की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत के बाद शोक और मातम का माहौल है। हादसे की सूचना मिलने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान पीड़ित परिवारों के बीच पहुंचे। उन्होंने थाना तितावी पहुंचकर मृतक युवकों के परिजनों से मुलाकात की और इस असहनीय दुख की घड़ी में उन्हें ढांढस बंधाया। पूर्व मंत्री ने शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

थाने पहुंचे परिजनों से मिलकर साझा किया दुख

सोमवार तड़के तितावी थाना क्षेत्र में पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे ने छह परिवारों की खुशियां उजाड़ दीं। हादसे में हरियाणा के छह युवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी। दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार में आग लगने के कारण युवकों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे की जानकारी मिलते ही मृतकों के परिजन मुजफ्फरनगर पहुंचे थे।



परिवारों को हरसंभव मदद का दिया भरोसा

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने थाना तितावी पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर हादसे के संबंध में जानकारी ली और उनके दुख में सहभागी बने। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवकों की असमय मृत्यु बेहद दुखद और पीड़ादायक है। इस मुश्किल समय में पीड़ित परिवार अकेले नहीं हैं। उन्होंने परिजनों को भरोसा दिलाया कि जरूरत पड़ने पर उनकी हरसंभव मदद की जाएगी।

छह परिवारों पर टूटा दुखों का पहाड़

हादसे में छह युवकों की एक साथ मौत होने से उनके परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। जिन घरों में कुछ समय पहले तक खुशियां थीं, वहां अब मातम पसरा है। परिजनों के लिए इस दुखद घटना को स्वीकार करना बेहद कठिन हो रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने शोकाकुल परिवारों को सांत्वना देते हुए दिवंगत युवकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान थाना परिसर में माहौल बेहद गमगीन रहा। पूर्व केंद्रीय मंत्री की पीड़ित परिवारों से मुलाकात के दौरान शोकाकुल परिजनों ने अपने दुख और पीड़ा को साझा किया।

नावला में अचानक मौत का तांडव, एक-एक कर तीन भैंसों ने तोड़ा दम, चौथी की हालत गंभीर

भैंसों की मौत से मजदूर रोहित के परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़, लाखों रुपये के नुकसान की आशंका; पशु चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंची, गंभीर भैंस को बचाने के प्रयास जारी

मुजफ्फरनगर। थाना मंसूरपुर क्षेत्र के गांव नावला में अचानक तीन भैंसों की मौत से हड़कंप मच गया। एक के बाद एक तीन भैंसों की मौत होने से गांव में भी चर्चा फैल गई। वहीं, चौथी भैंस की हालत भी गंभीर बनी हुई है। घटना से भट्टे पर मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करने वाले रोहित के सामने बड़ा आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। परिवार की आजीविका का महत्वपूर्ण सहारा बनी भैंसों की अचानक मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एक के बाद एक बिगड़ी भैंसों की हालत

जानकारी के अनुसार, गांव नावला निवासी रोहित पुत्र बृजपाल भट्टे पर मजदूरी करके अपने परिवार का गुजारा करता है। मेहनत-मजदूरी से होने वाली आमदनी के साथ भैंसों से मिलने वाला दूध भी परिवार की आर्थिक स्थिति को संभालने में मददगार था। बताया गया कि अचानक भैंसों की तबीयत बिगड़नी शुरू हो गई। परिवार के लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही एक के बाद एक तीन भैंसों की मौत हो गई। वहीं, चौथी भैंस की हालत भी गंभीर हो गई।

तीन भैंसों की मौत से परिवार पर आर्थिक संकट

एक साथ तीन भैंसों की मौत से रोहित और उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मजदूरी करके परिवार का खर्च चलाने वाले रोहित के लिए यह नुकसान बेहद बड़ा है। भैंसें परिवार की आजीविका का सहारा थीं और उनसे होने वाली आमदनी से घर के खर्च में मदद मिलती थी। अचानक हुए इस नुकसान ने परिवार को आर्थिक रूप से भी झकझोर दिया है। परिवार के सामने अब रोजमर्रा के खर्च और आजीविका को लेकर चिंता खड़ी हो गई है।

पशु चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंची

घटना की जानकारी मिलने पर पशु चिकित्सकों की टीम गांव नावला पहुंची और गंभीर रूप से बीमार चौथी भैंस का उपचार शुरू किया। चिकित्सक भैंस की हालत पर नजर बनाए हुए हैं और उसे बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। परिवार को उम्मीद है कि उपचार से कम से कम एक भैंस की जान बचाई जा सकेगी। मौत की वजह स्पष्ट नहीं, जांच के बाद होगा खुलासा

फिलहाल तीनों भैंसों की अचानक मौत का वास्तविक कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। आशंका जताई जा रही है कि किसी बीमारी, जहरीले पदार्थ या अन्य वजह से भैंसों की हालत बिगड़ी हो सकती है, हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। पशुओं की चिकित्सकीय जांच और आवश्यक परीक्षण के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ सकेगी। ग्रामीणों ने भी घटना पर चिंता जताते हुए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

खतौली के जैन मंदिरों में भक्तिमय माहौल: भगवान महावीर का मना मोक्ष कल्याणक, दीपों से जगमगाए जैन परिवारों के आवास

खतौली (मुजफ्फरनगर)। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का 2553वां मोक्ष कल्याणक महोत्सव खतौली नगर के सभी नौ जैन मंदिरों में श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर समूचा जैन समाज भगवान महावीर की भक्ति और आराधना में लीन नजर आया। मंदिरों में प्रातःकाल से ही धार्मिक अनुष्ठानों, विशेष पूजन और निर्वाण लाडू अर्पित करने की होड़ रही, वहीं संध्याकाल में जैन परिवारों ने अपने-अपने आवासों पर दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव को भव्य रूप दिया। नगर के सभी नौ जिनालयों में तड़के से ही धार्मिक गतिविधियों का दौर शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने पूर्ण विधि-विधान के साथ भगवान महावीर स्वामी का मस्तकाभिषेक, शांतिधारा और विशेष पूजन किया। इसके पश्चात प्रभु के



मोक्ष गमन की स्मृति में भक्तिभाव से निर्वाण लाडू अर्पित किए गए। मंदिरों में आयोजित मंगलाचरण, भक्तिमय संगीत और धार्मिक अनुष्ठानों से पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो उठा। बड़ी संख्या में जैन धर्मावलंबियों ने परिवार सहित मंदिरों में पहुंचकर भगवान महावीर के दर्शन किए तथा श्रीफल अर्पित कर सुख, शांति, समृद्धि और विश्व कल्याण की मंगलकामना की। महोत्सव का विशेष आकर्षण संध्याकाल में आयोजित गौतम गणधर स्वामी का केवलज्ञान कल्याणक पर्व रहा। भगवान महावीर स्वामी के प्रथम शिष्य और गणधर गौतम स्वामी के केवलज्ञान (सर्वोच्च ज्ञान) की प्राप्ति की स्मृति में नगर के जैन परिवारों ने अपने-अपने घरों में विशेष पूजन-अर्चन किया। जगमगा उठे जैन धर्मावलंबियों के आवास

इस पावन अवसर पर जैन परिवारों ने अपने आवासों को सुंदर दीपों से सजाया। घर-घर प्रज्ज्वलित दीपों की रोशनी से नगर का माहौल जगमगा उठा।

श्रद्धालुओं ने केवलज्ञान की महिमा का स्मरण करते हुए आत्मज्ञान, संयम और आत्मिक उन्नति की मंगल भावना व्यक्त की।

धार्मिक सभाओं में वक्ताओं ने कहा कि भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक आत्मशुद्धि, कर्मों के क्षय और मोक्ष प्राप्ति का अमर प्रतीक है। भगवान महावीर ने अपने जीवन और दिव्य उपदेशों के माध्यम से पूरी मानवता को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पंचशील मार्ग दिखाया। उनके सिद्धांत आज के दौर में भी करुणा, सहिष्णुता, प्रेम और परस्पर मैत्री की प्रेरणा देते हैं। वहीं गौतम गणधर स्वामी का केवलज्ञान गुरु भक्ति और कठोर साधना का अनुपम उदाहरण है।

भोपा में संदिग्ध परिस्थितियों में युवती ने खाया जहर: हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल रेफर

घर में जहरीला पदार्थ गटकने से मची अफरा-तफरी

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब एक युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जहर का असर होते ही युवती की हालत तेजी से बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में परिजन उसे उपचार के लिए भोपा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपा थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी 20 वर्षीय युवती ने अज्ञात कारणों के चलते संदिग्ध परिस्थितियों में घर में रखे किसी विषैले पदार्थ का सेवन कर लिया। थोड़ी ही देर में जब युवती की तबीयत खराब होने लगी और उसकी हालत बिगड़ने लगी, तो परिजनों को घटना का अहसास हुआ। युवती को तड़पता देख परिवार



में चीख-पुकार मच गई।

सीएचसी से जिला अस्पताल किया गया रेफर

परिजन बिना कोई समय गंवाए युवती को तुरंत भोपा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। सीएचसी में तैनात चिकित्सकों ने युवती का प्राथमिक उपचार शुरू किया, लेकिन जहर के गहरे प्रभाव और गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल जिला चिकित्सालय (मुजफ्फरनगर) के लिए रेफर कर दिया। घटना के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

जिला अस्पताल में भर्ती युवती की हालत डॉक्टरों द्वारा चिंताजनक बताई जा रही है। वहीं, युवती ने किन परिस्थितियों और किस कारण से यह आत्मघाती कदम उठाया, इसका अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। स्थानीय पुलिस प्रशासन मामले की जानकारी जुटाने और कारणों की तफ्तीश में लग गया है।

दीपों की रोशनी से जगमगाया शामली, धूमधाम और भक्तिभाव से मनाई गई दीपावली

बाजारों में उमड़ी खरीदारों की भीड़, वीवी पीजी कॉलेज के पटाखा बाजार में देर रात तक हुई खरीदारी

शामली। जनपदभर में रविवार को दीपावली का पर्व हर्षोल्लास, धूमधाम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही त्योहार को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। बाजारों में दिनभर खरीदारी का दौर चलता रहा, वहीं शाम होते ही घरों और प्रतिष्ठानों में भगवान गणेश व माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की तैयारियां शुरू हो गईं। लोगों ने विधि-विधान से पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों में दीपक व मोमबत्तियां जलाकर दीपोत्सव मनाया गया।

दीपावली के अवसर पर शहर के बाजारों में दिनभर रौनक बनी रही। लोगों ने मिठाइयों, खील-बताशे, पूजा सामग्री, सजावटी सामान और दीपकों की जमकर खरीदारी की। शाम होते ही वीवी पीजी कॉलेज परिसर में लगाए गए पटाखा बाजार में खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पटाखों की दुकानों पर देर शाम तक खरीदारी का सिलसिला जारी रहा। भीड़ का आलम यह रहा कि कई दुकानदारों का पटाखों का स्टॉक रात होने से पहले ही समाप्त हो गया। उधर, शाम ढलते ही शहर का नजारा पूरी तरह बदल गया। लोगों ने अपने घरों को रंग-बिरंगी बिजली की झालरों, दीपमालाओं और आकर्षक सजावट से सजाया। घरों की छतों, बालकनियों और मुख्य द्वार पर जलते दीपकों से वातावरण जगमगा उठा। मंदिरों में भी विशेष सजावट की गई, जहां श्रद्धालुओं ने पहुंचकर पूजा-अर्चना की। रात करीब आठ बजे के बाद शहर में आतिशबाजी का



दौर शुरू हो गया। युवाओं के साथ महिलाओं और बच्चों ने भी उत्साह के साथ दीपावली मनाई। आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा और देर रात तक पटाखों की आवाज गूंजती रही। लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर मिठाइयां बांटीं और गले मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस बार दीपावली पर बाजारों में ब्रांडेड कंपनियों के उपहारों की भी खूब मांग रही। मिठाइयों की गुणवत्ता को लेकर लोगों में बनी शंकाओं के चलते अधिकांश लोगों ने मिठाइयों के बजाय उपहार देना बेहतर समझा। हालांकि दीपावली पर मिठाइयों का महत्व बरकरार रहा। लोगों ने पैकिंग युक्त मिठाइयों और बिस्कुट के डिब्बों की भी खरीदारी की। वहीं, युवाओं और युवतियों ने अपने मित्रों, रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों को व्हाट्सएप व सोशल मीडिया के माध्यम से भी दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

यातायात माह में शामली पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, 140 वाहनों के चालान

बिना हेलमेट, ओवरस्पीडिंग, प्रेशर हॉर्न और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट लगाने वालों पर हुई कार्रवाई

शामली। यातायात माह नवंबर-2026 के तहत सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन कराने के लिए शामली पुलिस ने जिलेभर में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने, ओवरस्पीडिंग, प्रेशर हॉर्न का प्रयोग करने और मानकों के विपरीत नंबर प्लेट लगाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने अभियान के दौरान कुल 140 वाहनों के चालान किए। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के निर्देश पर सोमवार को यातायात पुलिस और जनपद के सभी थानों की पुलिस ने प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया। पुलिसकर्मियों ने दोपहिया और चार पहिया वाहनों की जांच करते हुए बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इसके अलावा निर्धारित गति सीमा का उल्लंघन करने, प्रेशर हॉर्न लगाने, अस्पष्ट और नियम विरुद्ध नंबर प्लेट लगाने तथा बिना हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के चलने वाले वाहनों पर भी कार्रवाई की गई।

वहीं, चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया। चालकों से निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, जरूरी दस्तावेज साथ रखने और



सड़क पर यातायात अनुशासन बनाए रखने की अपील की गई। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों को हेलमेट के महत्व के बारे में बताया गया।

पुलिस ने 'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान के तहत बिना हेलमेट पेट्रोल पंप पहुंचने वाले दोपहिया वाहन चालकों पर भी निगरानी रखने की बात कही। साथ ही वाहन चालकों को स्वयं के साथ पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी आईएसआई मार्क हेलमेट पहनाने और हेलमेट की स्ट्रैप लॉक रखने के लिए जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यातायात नियमों का पालन कराने और सड़क हादसों को रोकने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

वजीराबाद में रंजिश को लेकर घर पर हमला: दंपती समेत 6 लोग घायल, गांव में तनाव, 9 पर मुकदमा

गाली-गलौज का विरोध करने पर दबंगों का तांडव,बीच-बचाव में आए चाचा चोट लगने से हुए बेहोश

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव वजीराबाद में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में तब्दील हो गया। गाली-गलौज का विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित के घर में घुसकर धारदार हथियारों, लाठी-डंडों और सरियों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस हिंसक वारदात में दंपती समेत एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पीड़ित की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर भोपा पुलिस ने 9 नामजद आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर बोला धावा

भोपा थाना क्षेत्र के गांव वजीराबाद निवासी सुधीर कुमार ने पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया कि शनिवार की शाम वह अपने घर पर मौजूद था। इसी दौरान उसके पड़ोसी अकारण ही उसके घर के बाहर आकर गाली-गलौज करने लगे। जब सुधीर ने इस अभद्र व्यवहार का विरोध किया, तो आरोपी आगबबूला हो गए और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए लाठी-डंडे, लोहे के सरिये व धारदार हथियार लेकर उसके घर में जबरन घुस आए। परिवार को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, चाचा हुए बेहोश



घर में दाखिल होते ही आरोपियों ने सुधीर और उसकी पत्नी डोली पर हमला बोल दिया, जिससे दोनों लहूलुहान होकर गिर पड़े। चीख-पुकार सुनकर जब परिवार के अन्य सदस्य बचाव के लिए दौड़े, तो दबंगों ने उन पर भी रहम नहीं खाया। आरोपियों ने सुधीर के चाचा विनोद कुमार, मां राजनीता और बेटे अनमोल के साथ भी जमकर मारपीट की। हमले में गंभीर चोट लगने के कारण चाचा विनोद कुमार मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़े। जान से मारने की धमकी देकर फरार हुए आरोपी

शोर-शराबा सुनकर जब आसपास के ग्रामीण और मोहल्ले के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े, तो खुद को घिरता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही भोपा पुलिस मामले की तफ्तीश में जुट गई है। थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि पीड़ित सुधीर कुमार की तहरीर पर आरोपी दीपक, सोनू, मोनू, तेजपाल, सोहनवीर, राकेश, सुनील, अमित और रवि के खिलाफ संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

एम.जी. पब्लिक स्कूल में दीपोत्सव का उल्लास, दीयों से रोशन हुआ परिसर

मुजफ्फरनगर। एम.जी. पब्लिक स्कूल में रविवार को दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। दीपोत्सव के अवसर पर विद्यालय परिसर को दीपों और मोमबत्तियों से सजाकर रोशनी से जगमग कर दिया गया। कार्यक्रम में एम.जी. चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश चन्द गोयल ने विद्यालय पहुंचकर दीप प्रज्ज्वलित किए और सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। एम.जी. पब्लिक स्कूल में दीपावली का उल्लास नजर आया। दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के संस्थापक बाबू हरबंस लाल गोयल के स्मृति स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके बाद दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। प्रधानाचार्या श्रीमती मोनिका गर्ग ने एम.जी. चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन श्री सतीश चन्द गोयल का स्वागत किया।



उन्होंने शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ दीपोत्सव में सहभागिता की।

इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने पूरे परिसर में दीपक और मोमबत्तियां जलाकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। अनगिनत दीपों की रोशनी से विद्यालय परिसर जगमगा उठा। दीपोत्सव के दौरान सकारात्मकता, उत्साह और आपसी सौहार्द का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में पूरा एम.जी. परिवार एकजुट होकर रोशनी के इस पर्व के उत्सव में शामिल हुआ। दीपों की जगमगाहट के बीच सभी ने प्रकाश पर्व का आनंद लिया। इस आयोजन के माध्यम से अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने, सकारात्मक सोच अपनाने और आपसी प्रेम एवं सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया गया। अंत में मिष्ठान वितरित कर सभी को शुभकामनाएं दी गई।

मुजफ्फरनगर में अदालत के स्टे के बावजूद एनआरआई की जमीन पर कब्जे की कोशिश: 20 लाख की रंगदारी मांगने का आरोप, नौ लोगों के खिलाफ केस

सिखेड़ा क्षेत्र के बहादुरपुर गांव के जंगल में वारदात का आरोप, विरोध करने पर मुमताज अली और साथियों से मारपीट कर फसल उजाड़ी

मुजफ्फरनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव के जंगल में एनआरआई की कृषि भूमि को लेकर विवाद गहरा गया है। अदालत के स्थगन आदेश के बावजूद जमीन पर खेती करने से रोकने, 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने, मारपीट करने और फसल उजाड़ने के आरोप में पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी पक्ष लंबे समय से जमीन पर खेती करने में बाधा डाल रहा था और रुपये नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दे रहा था।

नई मंडी क्षेत्र के बिलासपुर गांव निवासी मुमताज अली ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनके भांजे अख्तर की बहादुरपुर गांव के जंगल में कृषि भूमि है। अख्तर और उनका परिवार दुबई में रहता है। इसी जमीन पर खेती को लेकर दूसरे पक्ष के लोगों से विवाद चल रहा है। मुमताज अली के अनुसार, आरोपी पक्ष के लोग लंबे समय से खेत में खेती करने में अड़चन पैदा कर रहे हैं। इस संबंध में पहले भी मुकदमा दर्ज कराया जा चुका है।

अदालत ने जारी किया था स्थगन आदेश

शिकायतकर्ता के मुताबिक, जमीन से जुड़े विवाद में मुजफ्फरनगर के सिविल जज ने 16 दिसंबर 2025 को उनके पक्ष में स्थगन आदेश जारी किया था। आरोप है कि आदेश में भगत सिंह को खेती के काम में बाधा नहीं डालने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद आरोपी पक्ष की ओर से लगातार विरोध किया जा रहा था। मुमताज अली ने आरोप लगाया कि वर्ष 2025 से ही उनसे 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी जा रही थी।

खेत में पहुंचकर बोआई रोकने का आरोप

मुमताज अली ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब नौ से दस बजे के



बीच वह अपने कुछ साथियों के साथ बहादुरपुर के जंगल स्थित खेत में सरसों की बोआई कर रहे थे। इसी दौरान भगत सिंह समेत नौ लोग कथित तौर पर लाठी-डंडे, तमंचे और बंदूक लेकर वहां पहुंच गए। आरोप है कि उन्होंने गाली-गलौज करते हुए सरसों की बोआई करने पर आपत्ति जताई और 20 लाख रुपये देने की मांग की। शिकायत के अनुसार, जब मुमताज अली और उनके साथियों ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। इसके बाद आरोपियों ने खेत में खड़ी गेहूं और सरसों की फसल को उजाड़ दिया। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पुलिस से शिकायत कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज पुलिस ने मुमताज अली की शिकायत के आधार पर भगत सिंह, हरेंद्र, शिवराज, ध्यान सिंह, अजब सिंह, धर्मेंद्र, योगेंद्र, सन्नी और वंश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मामले में रंगदारी मांगने, मारपीट, धमकी देने और फसल को नुकसान पहुंचाने सहित लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है। सीओ नई मंडी राजू कुमार साव ने बताया कि मामले की जांच उपनिरीक्षक मांगे राम करदम को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मोरना के कसौली में जंगली चोरों का तांडव: आधा दर्जन ट्यूबवेलों से सामान चोरी, लाखों का सामान पार, ग्रामीणों का हंगामा

ताले व दीवारें तोड़कर केबल, स्टार्टर और कटआउट ले उड़े चोर, पुलिस से कड़ी कार्रवाई की मांग

मोरना (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सक्रिय जंगली चोरों के गिरोह का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला भोपा थाना क्षेत्र के कसौली गांव के जंगल से सामने आया है, जहाँ शनिवार की देर रात अज्ञात शातिर चोरों ने एक साथ आधा दर्जन किसानों के ट्यूबवेलों को अपना निशाना बनाया। चोरों ने ट्यूबवेलों के ताले और पक्की दीवारें तोड़कर भीतर रखे कीमती बिजली उपकरण चुरा लिए और मौके से फरार हो गए। इस दुस्साहसिक वारदात के बाद से क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है।

सुबह खेतों पर पहुंचे तो सामने आया सच

सोमवार की सुबह जब किसान रोजमर्रा की भांति अपने-अपने खेतों पर काम करने पहुँचे, तो नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। कसौली निवासी पीड़ित किसान रियासत पुत्र अब्दुल करीम, कामिल पुत्र जमाल, बुद्धेश्वर पुत्र छोटन,



इस्तकार पुत्र शब्बीर तथा शाने आलम पुत्र मुस्तफा ने देखा कि उनके ट्यूबवेल कमरों के ताले टूटे पड़े थे और कई जगह दीवारें क्षतिग्रस्त थीं। अंदर पड़ताल करने पर पता चला कि चोर कमरों में लगे कीमती केबल, स्टार्टर, कटआउट और अन्य सामान समेटकर ले जा चुके हैं। सैकड़ों ग्रामीणों का जमावड़ा, ग्रामीणों में गहराया आक्रोश

जैसे ही जंगल में एक साथ आधा दर्जन ट्यूबवेलों पर चोरी होने की सूचना कसौली गांव में पहुंची, देखते ही देखते सैकड़ों की संख्या में किसान और ग्रामीण घटनास्थल पर इकट्ठा हो गए। चोरों की इस करतूत से किसान बेहद चिंतित हैं, क्योंकि सिंचाई उपकरण चोरी होने से उनकी फसलें प्रभावित होने का खतरा मंडराने लगा है।

पुलिस प्रशासन से शीघ्र खुलासे की गुहार

आक्रोशित किसानों ने मोरना-भोपा पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्षेत्र में रात के समय गश्त न होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं। पीड़ित किसानों ने स्थानीय पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की गहनता से जांच की जाए, जंगल क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए और चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर चोरी गया सामान बरामद किया जाए।

दिल्ली से रेलवे ने छठ पर्व पर चलाई 27 विशेष ट्रेनें: स्टेशनों पर यात्रियों की उमडी भीड, गूंज रहे हैं छठ के पारंपरिक गीत

आनंद विहार नई दिल्ली स्टेशन और आनंद विहार स्टेशन पर बने स्थायी व अस्थायी होल्डिंग एरिया

नई दिल्ली। छठ महापर्व के अवसर पर उत्तर रेलवे ने देश के पूर्वी हिस्सों में स्थित अपने गृहनगरों को जाने वाले लाखों यात्रियों के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। त्योहार के दौरान रेलवे स्टेशनों पर बढ़ने वाली यात्रियों की अभूतपूर्व भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे प्रशासन द्वारा स्थिति की निरंतर निगरानी की जा रही है। यात्रियों को बिना किसी परेशानी के सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर अतिरिक्त सुविधाओं के साथ-साथ रिकॉर्ड संख्या में विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

स्टेशनों पर मिनी शहर जैसी सुविधाएं

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय के अनुसार, यात्रियों के ठहरने और नियंत्रण के लिए आधुनिक इंतजाम किए गए हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर बने स्थायी होल्डिंग एरिया के साथ-साथ आनंद विहार टर्मिनल पर भी हाल ही में एक नया स्थायी होल्डिंग एरिया शुरू किया गया है।



इसके अलावा यात्रियों के भारी दबाव को संभालने के लिए आनंद विहार पर विशाल अस्थायी टेंट व्यवस्था (होल्डिंग एरिया) भी तैयार की गई है।

इन होल्डिंग एरिया में यात्रियों के लिए बहुउपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इनमें अतिरिक्त यू.टी.एस. (UTS) टिकट काउंटर और ए.टी.वी.एम. (ATVM) मशीनें। 'माय आई हेल्प यू' सहायता बूथ और सतत पीए(सार्वजनिक उद्घोषणा) प्रणाली। अन्य सुविधाओं में स्वच्छ शौचालय, खानपान स्टॉल, पर्याप्त सुरक्षा बल तथा यात्रियों के मार्गदर्शन हेतु रेल कर्मचारी की तैनाती। सांस्कृतिक माहौल देने की दिशा में छठ पर्व के पावन माहौल को बनाए रखने के लिए दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख स्टेशनों पर छठ के पारंपरिक गीत चलाए जा रहे हैं।

विभिन्न स्टेशनों से चलीं स्पेशल ट्रेनें

यात्रियों की तत्काल मांग को पूरा करने के लिए रेलवे ने 'ट्रेन ऑन डिमांड' की व्यवस्था लागू की है। 07 नवंबर 2026 को उत्तर रेलवे ने दिल्ली क्षेत्र से कुल 27 विशेष ट्रेनों का संचालन किया। इनमें नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 17 विशेष ट्रेनें (13 घोषित व 04 अघोषित) और आनंद विहार रेलवे स्टेशन से 10 विशेष ट्रेनें (08 घोषित व 02 अघोषित) शामिल थीं। इससे पूर्व 06 नवंबर को भी नई दिल्ली से 15 और आनंद विहार से 08 'ट्रेन ऑन डिमांड' गाड़ियां रवाना की गई थीं।

विभिन्न रूटों का शेड्यूल

इसके अलावा नियमित विशेष रूप से तय शेड्यूल के तहत आनंद विहार टर्मिनल से 8, नई दिल्ली से 6, हजरत निजामुद्दीन से 3, शकूरबस्ती से 3, दिल्ली जंक्शन (पुरानी दिल्ली) से 2 तथा रोहतक से 1 विशेष ट्रेन प्रस्थान के लिए निर्धारित की गई।

उच्च अधिकारी संभाल रहे कमान

मंडल रेल प्रबंधक, अपर मंडल रेल प्रबंधकों सहित मुख्यालय और मंडल के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम प्रमुख स्टेशनों पर मौजूद रहकर पल-पल की भीड़ की निगरानी कर रही है।

डेढ़ साल के मासूम को अपनों से मिलाकर बुढ़ाना पुलिस ने जीता परिवार का दिल

करबला रोड अब्बासी चौक के पास लावारिस हालत में मिला था बच्चा, डायल-112 की सूचना पर पहुंची पीआरवी ने सुरक्षित थाने पहुंचाया

मुजफ्फरनगर। अपनों से बिछड़कर लावारिस हालत में मिले डेढ़ वर्षीय मासूम को बुढ़ाना थाना पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने अथक प्रयासों के बाद सकुशल उसके माता-पिता से मिलाकर परिवार की खुशियां लौटा दीं। मासूम के अचानक लापता होने से परेशान परिजनों को जब पुलिस के माध्यम से अपने बच्चे के सुरक्षित होने की जानकारी मिली तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। थाने पहुंचकर माता-पिता ने अपने कलेजे के टुकड़े को सीने से लगाया तो भावुक हो उठे। बच्चे को सकुशल पाकर परिजनों ने पुलिस टीम का आभार जताया।

अब्बासी चौक के पास अकेला मिला मासूम

पुलिस के अनुसार, आठ नवंबर को थाना बुढ़ाना पुलिस को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली कि कस्बे में करबला रोड स्थित अब्बासी चौक के पास एक छोटा बच्चा अकेला और लावारिस हालत में घूम रहा है। बच्चे



की उम्र करीब डेढ़ वर्ष बताई गई। इतनी कम उम्र के बच्चे को अकेले देखकर स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी।

पीआरवी ने सुरक्षित थाने पहुंचाया बच्चा

सूचना मिलने पर पीआरवी-6584 की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने मासूम को अपने संरक्षण में लेकर उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की और सकुशल थाना बुढ़ाना पहुंचाया। इसके बाद बच्चे को थाने की मिशन शक्ति टीम के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिसकर्मियों ने मासूम की देखभाल करते हुए उसके माता-पिता और परिजनों की तलाश शुरू कर दी।

मिशन शक्ति टीम ने परिजनों की तलाश में की मेहनत

मासूम की पहचान और उसके परिवार तक पहुंचने के लिए मिशन शक्ति टीम ने लगातार प्रयास किए। पुलिसकर्मियों ने बच्चे के संबंध में जानकारी जुटाई और उसके परिजनों का पता लगाने के लिए हरसंभव कोशिश की। टीम की मेहनत रंग लाई और आखिरकार बच्चे के माता-पिता की जानकारी मिल गई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों से संपर्क कर उन्हें थाना बुढ़ाना बुलाया।

मासूम को गोद में लेते ही खिल उठे माता-पिता के चेहरे

थाने पहुंचने पर पुलिस ने बच्चे को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया। काफी देर से अपने बच्चे की तलाश में परेशान परिजनों ने जैसे ही मासूम को सुरक्षित देखा, उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। माता-पिता ने बच्चे को सीने से लगा लिया। परिवार के लिए यह पल बेहद भावुक और राहत भरा रहा। अपने बच्चे को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने बुढ़ाना पुलिस और मिशन शक्ति टीम का दिल से आभार व्यक्त किया।

इन महिला पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका

मासूम को उसके परिवार से मिलाने में थाना बुढ़ाना की मिशन शक्ति टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम में महिला उपनिरीक्षक अर्चना यादव, महिला उपनिरीक्षक मनोरमा सिंह, महिला कांस्टेबल नूरजहां और महिला कांस्टेबल शीतल पाल शामिल रहीं। वहीं, सूचना पर तत्काल पहुंचकर बच्चे को सुरक्षित थाने लाने में पीआरवी-6584 की टीम ने भी सराहनीय भूमिका निभाई।

रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत, पहचान नहीं हुई; हाथ पर गुदा मिला नेहा नाम

थानाभवन क्षेत्र के गांव हींड स्थित रेलवे स्टेशन के पास मिला करीब 27 वर्षीय युवक का शव, दूसरे युवक के हाथ पर मिला था पंकज नाम



थानाभवन। थानाभवन क्षेत्र के गांव हींड स्थित रेलवे स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से करीब 27 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। रेलवे स्टेशन के पास युवक का शव पड़ा मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी प्रयासों के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी। जानकारी के अनुसार, गांव हींड रेलवे स्टेशन के पास एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना दी।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक की उम्र करीब 27 वर्ष है। फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के गांवों में जानकारी जुटाने के साथ ही मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। हाथों पर गुदे नाम से पहचान की कोशिश इससे पहले रेलवे ट्रैक पर दो युवकों के शव मिलने की जानकारी सामने आई थी। दोनों की पहचान नहीं हो पाई थी। एक युवक के हाथ पर ह्यनेहाह्ल और दूसरे युवक के हाथ पर ह्यपंकजह्ल नाम गुदा हुआ बताया गया था। हालांकि, उपलब्ध नई जानकारी में हींड रेलवे स्टेशन पर मिले करीब 27 वर्षीय युवक के शव का ही विवरण दिया गया है। दोनों घटनाओं और हाथों पर गुदे नामों के बीच संबंध की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

उर्दू हमारी तहजीब और साझा विरासत की पहचान: वक्ता

वश्व उर्दू दिवस पर यूडीओ ने सजाई अदबी महफिल, करीब 20 इंटर कॉलेजों के मेधावी विद्यार्थियों और उर्दू शिक्षकों सहित साहित्यकारों व शिक्षाविदों को किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। उर्दू केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि हिंदुस्तान की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे, मोहब्बत और साझा संस्कृति की अनमोल विरासत है। इस भाषा की मिठास और साहित्यिक परंपरा ने हमेशा समाज को जोड़ने का काम किया है। उर्दू को बचाने, आगे बढ़ाने और नई पीढ़ी को इससे जोड़ने के लिए सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। ये विचार उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन (यूडीओ), मुजफ्फरनगर की ओर से आयोजित विश्व उर्दू दिवस एवं महान शायर अल्लामा इकबाल के जन्मदिवस समारोह में वक्ताओं ने व्यक्त किए।

संधावली बाईपास स्थित एक पब्लिक स्कूल में आयोजित समारोह का विषय 'उर्दू': एक जिंदा और जावेद जबान' रहा। कार्यक्रम में साहित्यकारों, शिक्षाविदों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों और उर्दू प्रेमियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। समारोह में उर्दू भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार में योगदान देने वाली हस्तियों के साथ शिक्षकों और मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

उर्दू साझा संस्कृति की अनमोल धरोहर

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जामिया हमदर्द, नई दिल्ली के प्रोफेसर डॉ. शहरयार ने कहा कि उर्दू भारत की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी मेल-मिलाप और साझा संस्कृति की अनमोल धरोहर है। इस भाषा को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षण संस्थानों, साहित्यकारों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर प्रयास करने होंगे। विशिष्ट अतिथि डॉ. अनीस अहमद ने उर्दू की शैक्षणिक और साहित्यिक अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई पीढ़ी को उर्दू से जोड़ना समय की जरूरत है। इसके लिए स्कूलों और कॉलेजों में उर्दू की पढ़ाई को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। अलीगढ़ से पहुंचे शिक्षाविद एसयू खान ने महान शायर अल्लामा इकबाल की शख्सियत और उनकी शायरी पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि इकबाल की शायरी इंसान को खुद्दारी, आत्मविश्वास, बुलंद हौसले और मेहनत का संदेश देती है। उनका मशहूर शेर 'खुदी को कर बुलंद इतना कि हर तकदीर से पहले...' आज भी लोगों को अपनी क्षमता पहचानने और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। 'सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा' जैसे तराने के माध्यम से इकबाल ने देशप्रेम और एकता का संदेश दिया। न्यायाधीश जसीम अहमद ने कहा कि भाषा और साहित्य लोगों को जोड़ने का काम करते हैं। उर्दू के प्रचार-प्रसार और इसकी साहित्यिक विरासत को आगे बढ़ाने में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यूडीओ के कन्वीनर तहसीन अली असारवी और असद फारूकी ने कहा कि उर्दू उत्तर प्रदेश की दूसरी राजभाषा है, लेकिन इसके प्रचार-प्रसार और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अभी काफी काम किए जाने की जरूरत है। उर्दू की हिफाजत और तरक्की केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि शिक्षकों, साहित्यकारों और सामाजिक संगठनों का भी दायित्व है। उर्दू को मुशायरों और साहित्यिक आयोजनों तक सीमित न रखकर शिक्षा, रोजगार और रोजमर्रा की जिंदगी में भी बढ़ावा देना चाहिए। यूडीओ इसी उद्देश्य से लगातार प्रयास कर रहा है। संस्था के जिलाध्यक्ष कलीम त्यागी ने कहा कि उर्दू किसी एक मजहब या वर्ग की भाषा नहीं, बल्कि मोहब्बत, तहजीब और इंसानियत की भाषा है। इसकी सबसे बड़ी खूबी विभिन्न वर्गों और समुदायों को जोड़ना है। उन्होंने लोगों से अपने बच्चों को उर्दू की तालीम दिलाने और इस भाषा की साहित्यिक खूबियों को समझने की अपील की। इस दौरान शमीम कस्सार ने संस्था की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। समारोह का विशेष आकर्षण जनपद के करीब 20 इंटर कॉलेजों से पहुंचे मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान रहा। उर्दू विषय में अच्छे अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके साथ ही उर्दू शिक्षकों को भी उनकी शैक्षणिक सेवाओं के लिए सम्मान प्रदान किया गया। सम्मान पाकर विद्यार्थियों और शिक्षकों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। उर्दू भाषा और साहित्य की सेवा करने वाली हस्तियों में डॉ. सदाकत देवबंदी, डॉ. सदाकतुल्लाह खान अलीग, हाजी मोहम्मद अहमद खान और वारिस अली सहित कई लोगों को सम्मानित किया गया। राना पब्लिक स्कूल के प्रबंधक नूर सलीम राना और अध्यक्ष शमिया जीनत को भी उनके सहयोग और सेवाओं के लिए सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आए छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुशायरा, कव्वाली, तकरीर, उर्दू नज्म और अल्लामा इकबाल की शायरी पर आधारित कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से उर्दू भाषा की मिठास, साहित्यिक विरासत और सांस्कृतिक महत्व को खूबसूरती से प्रस्तुत किया। उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संयुक्त संचालन कलीम त्यागी और मिस उजाला अब्बासी ने किया। अध्यक्षता कर रहे डॉ. शमीमुल हसन ने अतिथियों, सम्मानित होने वाली हस्तियों और आयोजकों को सफल आयोजन की मुबारकबाद दी। उन्होंने मेधावी



विद्यार्थियों की हौसला अफजाई करते हुए कहा कि सम्मान उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। विद्यार्थियों को आगे भी इसी तरह मेहनत करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने उर्दू के प्रचार-प्रसार के लिए यूडीओ के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में यूडीओ के संरक्षक डॉ. शमीमुल हसन, हाजी सलामत राही, असद फारूकी, जिलाध्यक्ष कलीम त्यागी, कन्वीनर तहसीन अली असारवी, सचिव शमीम कस्सार, मौलाना मूसा कासमी, डॉ. सलीम सलमानी, बदरुज्जमां खान, मास्टर इम्तियाज अली, गुलफाम अहमद, मास्टर खलील अहमद, डॉ. फर्रुख हसन, मास्टर नदीम मलिक, कारी तौहीद, डॉ. मोहम्मद यूसुफ खान, साजिद खान, कुंवर आरिफ राना और अब्दुल समद राईनी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा अमीर आजम खान एडवोकेट, सलीम मलिक, अजहर फारूकी, डॉ. फहद फारूकी, डॉ. आदिल चौधरी, इंजीनियर उस्मान अहमद, साजिद जाट फेडरेशन, मोहम्मद नईम मेस्को, डॉ. गौहर खतौली, अब्दुल मालिक खतौली, जफरयाब खान, अल्ताफ मशल, हाशिम हैदरी, उम्मीद असद, मास्टर रईसउद्दीन राणा, हाफिज मुस्तफा कमाल पाशा, मास्टर शाहनजर, मास्टर आबिद, मौलाना सईदज्जमा, डॉ. नाजिश फारूकी, डॉ. आस मोहम्मद अमीन, मोहम्मद हाशिम बिलासपुर, बाबर खान, मास्टर सईद त्यागी, मास्टर सैयद हसन, मास्टर इरशाद, डॉ. रियाज अली, बिल्किस त्यागी, शाहाना परवीन, तशम्मूर अली, शिफा परवीन, अरीबा परवीन और खदीजा खातून सहित सैकड़ों उर्दू प्रेमियों ने भाग लिया।



सर्दियों में स्टाइलिश तरीके से कैरी करें शॉल

सर्दियों में जो लोग हमेशा फैशनेबल और स्टाइलिश दिखना पसंद करते है वे अपने विंटर स्टाइल को लेकर हमेशा कुछ नया करना चाहते है, अगर आप भी उन्ही में से एक है तो हम आपको यहां कुछ विंटर फैशन टिप्स बता रहे जिन्हें अपनाकर आप सर्दियों के मौसम में एक बेहतरीन स्टाइलिश लुक में नजर आ सकती है।

अक्सर महिलाएं ठंड से बचने के लिए सदाबहार शॉल की मदद लेती है, लेकिन हर बार एक ही तरह से शॉल को कैरी करना बोरिंग हो सकता है। आप चाहे तो अपनी शॉल के साथ कुछ प्रयोग कर एक अलग अंदाज में इसे ओढ़ सकती हैं। तो आइए जानते हैं शॉल्स को कैसे आप स्टाइलिश तरीके से कैरी कर सकती है. अगर साड़ी या सूट पहन रही है तो आपको शॉल को कुछ इस तरह से ओढ़ना चाहिए.अगर साड़ी पर शॉल डालना चाहती है, तो कंधे से कोहनी तक इसे ओढ़ें या फिर आप आधे कंधे तक ही इसे ओढ़ सकती है। इसी तरह से आप सूट पर दुपट्टे को न लें बल्कि शॉल को कैरी करें। आप चाहे तो शॉल की जगह पश्मीना स्टोल कैरी कर सकती है। साड़ी के साथ स्टोल को स्कार्फ की तरह गले में लपेटकर दोनों सिरे आगे की तरफ करके डाल सकती हैं। शॉल को कंधों से ओढ़ लें अब इसे आगे की ओर लटकाएं इसके बाद कमर पर बेल्ट लगा लें। इस स्टाइल को आप साड़ी, सूट, जींस पर भी कैरी कर सकती है। क्रोशिया शॉल को पूरी तरह से गोलाई में लपेटकर इसके बाहरी छोर को पिनअप कर लें ताकि ये जमे रहे ये स्टाइल आप जींस, सूट पर कैरी कर सकती है। अगर किसी पार्टी या शादी में जा रही है, तो हल्के कलर की साड़ी के साथ गहरे और खिलते हुए रंग के शॉल ओढ़ें वहीं गहरे रंग की साड़ी है, तो हल्के पेस्टल कलर के शॉल डालें।



स्मार्ट आइडियाज की मदद से अपनी बालकनी को करें डेकोर

विंटर सीजन में बहुत कम लोग ही बालकनी में बैठते हैं। इसकी वजह कड़ाके की ठंड है। क्योंकि बालकनी खुली होती है, इसलिए उस जगह में ठंड लगना बेहद ही सामान्य बात है। लेकिन आप कुछ स्मार्ट आइडियाज की मदद से अपनी बालकनी को कुछ इस तरह से डेकोर कर सकती हैं, जिससे आपकी बालकनी आरामदायक के साथ-साथ कोजी रहेगी। इसके बाद आप आराम से अपनी बालकनी में बैठकर चाय पीने का आनंद ले सकती हैं और छोटी से पार्टी भी कर पाएंगी।

अगर आप भी चाहती हैं कि आप सर्दियों में भी बालकनी में बैठी रहें तो आज हम बताएंगे कुछ ऐसे आइडियाज जिसका उपयोग कर आप अपनी बालकनी को सर्दियों के हिसाब से डेकोरेट कर सकती हैं और दिल खोलकर सुकून के पल बिता सकती हैं।

ब्लैंकेट और पिलो

सर्दियों में ज्यादातर समय ब्लैंकेट के अंदर ही बीतता है, ऐसे में आप चाहें तो इसे बालकनी में भी रख सकती हैं। गर्म तकिया और ब्लैंकेट न सिर्फ आपकी बालकनी की खूबसूरती को बढ़ाएगा बल्कि आप यहाँ आराम से बैठकर शाम की चाय को भी एन्जॉय कर सकेंगी। इसके लिए बालकनी में छोटा सोफा या फिर कुर्सियों को वहां एडजस्ट कर सकती हैं। ध्यान रखें कि ब्लैंकेट वुलेन का ही होना चाहिए, ताकी ठंडी हवाओं से बचा जा सके। अगर आपके पास एक आउटडोर आउटलेट है, तो आप इलेक्ट्रिक ब्लैंकेट रख सकती हैं। इसकी मदद से बालकनी में आप अधिक समय बिता सकती हैं।

इलेक्ट्रिक हीटर

सर्दी से बचने के लिए ज्यादातर लोग आग तापना पसंद करते हैं, लेकिन अपार्टमेंट या फिर शहरों में रह रहे लोगों के लिए यह मुमकिन नहीं है। हालांकि आप चाहें तो अपनी सुविधा के अनुसार बोर्न फायर लगा सकती हैं। अगर आपके पास यह सुविधा नहीं है तो इलेक्ट्रिक हीटर का उपयोग कर सकती हैं। अगर आप अपनी बालकनी में हीटर का उपयोग कर रही हैं तो ध्यान रखें कि आस पास ऐसी चीजों को न रखें, ताकी आग लगने जैसी समस्या पैदा न हो।

कैंडल डेकोरेशन

इन दिनों घर को सजाने के लिए कैंडल का खूब इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन आप चाहें तो इससे अपनी बालकनी की भी रौनक बढ़ा सकती हैं। सर्दियों में कैंडल का उपयोग करने से बालकनी में गर्माहट बनी रहेगी और यह देखने में भी काफी खूबसूरत लगता है। इन दिनों तरह-तरह की कैंडल लैंप मार्केट में उपलब्ध है, जहां आप अपनी सुविधा के अनुसार इसे इस्तेमाल कर सकती हैं। बालकनी में हल्की रौशनी के लिए कैंडल बेस्ट ऑप्शन है।

कलरफुल लाइट्स

त्योहार या फिर खास मौकों पर घर को सजाने के लिए कलरफुल लाइट्स का इस्तेमाल खूब किया जाता है। जिसके बाद इसे रख दिया जाता है। लंबे समय तक रखे रहने से यह खराब हो जाती हैं, ऐसे इन कलरफुल लाइट्स या फिर फेयरी लाइट्स से अपनी बालकनी को डेकोरेट कर सकती हैं। इससे बालकनी में गर्माहट भी बनी रहेगी। इसके अलावा अगर आप अपनी बालकनी को अट्रैक्टिव लुक देना चाहती हैं तो इलेक्ट्रिक लैंप का भी प्रयोग कर सकती हैं।

विंटर प्लांट्स

बालकनी में विंटर प्लांट्स को जगह दें, जिससे रौनक बनी रहे। कई ऐसे फूल और पौधे हैं, जो सर्दियों के अनुकूल होते है। यह प्लाटंस लंबे समय तक बने रहते हैं और इससे बालकनी की भी खूबसूरती बनी रहेगी। रंग-बिरंगे मनमोहक फूल पौधों से सजी बालकनी देखने में काफी खूबसूरत लगती है। सर्दियों के अनुसार अगर पौधे लगाएंगी तो इनकी देखरेख के लिए अधिक मेहनत की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी।





कब और कैसे लगाएं सिर में तेल

बालों के लिए तेल कितना ज्यादा जरूरी है यह बात सभी जानते हैं। लेकिन व्यस्त दिनचर्या के कारण अधिकतर लोग इससे दूर ही रहते है पर ऐसा करना उनके बालों को बहुत नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए बालों में तेल लगाना जरूरी होता है जिससे बाल हेल्दी बने रहें। लेकिन क्या आप जानते हैं तेल लगाने का भी सही और गलत तरीका होता है इसके अलावा अगर सही समय पर तेल लगाया जाएं तो ये आपकी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है.आइए जानते हैं

तेल कब लगाएं

वैसे तो आप तेल किसी भी समय लगा सकते है लेकिन अहम बात ये है कि आप तेल लगाकर घर से बाहर न निकलें क्योंकि अगर आप ऐसा करते है, तो प्रदूषण से आपके बाल खराब हो सकते है इसलिए कोशिश करें कि आप रात में सोते समय ही तेल लगाएं। रात को तेल लगाकर सोने के बाद अगले दिन आप अपने बालों को शैम्पू से वॉश कर लें। इससे रातभर में आपको बालों को अच्छा नरिशमेंट मिलेगा। वहीं इससे आपकी त्वचा भी हेल्दी होगी ऐसा इसलिए क्योंकि माना जाता है कि रात भर तेल लगाकर सोने से स्किन पर रिंकल्स की परेशानी नहीं होती लेकिन अगर आपकी स्किन ऑयली है, तो रातभर तेल लगाकर न रखें बालों को शैम्पू करने के 2 घंटे पहले अपने बालों में तेल लगाएं।

कैसे लगाएं बालों में तेल

आप जो भी तेल अपने बालों में लगाते है उसे पहले हल्का सा गर्म कर लें अब इसमें उंगलियों के पोरों को डुबाएं और तेल को बालों की जड़ों में लगाते हुए मसाज करें। ध्यान रहे कि आप ज्यादा प्रेशर न लगाएं नहीं तो बाल टूट सकते हैं। बालों को धोने से पहले बालों में स्टीम लें इससे बालों के जड़ों तक तेल पहुंचेगा और बाल हेल्दी और शाइनिंग होंगे।





विंटर फैशन टिप्स फॉलो कर पाएं स्टाइलिश लुक

अधिकतर लोगों को लगता है कि सर्दियों के मौसम में फैशनेबल दिखना काफी मुश्किल है। लेकिन आपको बता दे कि मौसम चाहे कोई भी आप सही फैशन टिप्स को फॉलो कर हमेशा स्टाइलिश नजर आ सकते है। तो आइए जानते है कुछ विंटर फैशन टिप्स जिन्हें अपनाकर आप सर्दियों में भी अपने लुक को स्टाइलिश रख सकती है.

लाइट कलर विंटर में आपके लिए एक बढ़िया विकल्प है।यह आपको डिफ्रेंट लुक भी देता है। विंटर में जींस पहनने से ठंडक से तो बच ही जाते है साथ ही लाइट कलर के जींस को ट्राई कर आप स्टाइलिश लुक पा सकती है। इसके साथ आप हाईनेक स्वेटर कैरी करें। ऑफ-व्हाइट कलर का लॉन्ग कोट भी आपको विंटर में स्टाइलिश लुक दे सकता है। इसलिए विंटर में इन्हें जरूर ट्राई करें। बहुत मैचिंग ड्रेस न पहनें इसके जगह आप अलग-अलग कलर के ड्रेस ट्राई कर सकती है। क्योंकि हमेशा मैचिंग टॉप या ब्लेजर पहनना बोरिंग हो सकता है, इसलिए अलग और ब्राइट कलर को ट्राई करें। आप चाहे तो रेड वूलन क्रॉप टॉप ट्राई कर सकती है और इसके साथ ब्लैक बूट्स पहन सकती है। ऐसे कलर विंटर में खूब जमते है।

मफलर से करें डिफ्रेंट लुक कैरी

सिंपल सा ड्रेस अगर आपने पहना है तो इसे फैशनेबल लुक देने के लिए आप मफलर को स्टाइलिश तरीके से कैरी कर सकती है। ऐसा करने से आप ठंड से तो बच ही जाएंगी साथ ही स्टाइलिश भी नजर आएगी।

व्हाइट एंड ब्लैक कलर

विंटर में व्हाइट एंड ब्लैक कलर जरूर ट्राई करें। ये आपको बहुत क्यूट लुक देता है। आप डेनिम जींस के साथ व्हाइट कलर का जैकेट कैरी कर सकती है। आप यहां मैचिंग जैकेट से मैचिंग बूट्स कैरी कर सकती है। व्हाइट के अलावा आप ब्लैक कलर का जैकेट भी ट्राई कर सकती है।

शिव शक्ति अपार्टमेंट में छठ पूजा की तैयारियां अंतिम चरण में



नोएडा। सेक्टर-71 स्थित शिव शक्ति अपार्टमेंट में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव शक्ति छठ पूजा समिति द्वारा छठ महापर्व को बड़े ही श्रद्धा, भक्ति एवं धूमधाम के साथ मनाने की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। छठ पूजा के आयोजन में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं और समिति द्वारा आयोजन से संबंधित अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शेष कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

शिव शक्ति अपार्टमेंट में आयोजित होने वाले इस छठ महापर्व में अपार्टमेंट के निवासियों के साथ-साथ आसपास के विभिन्न सेक्टरों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया की उपासना करते हैं। यह आयोजन क्षेत्र में आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है।

समिति के अध्यक्ष शैलेश श्रीवास्तव ने बताया कि छठ पूजा को भव्य एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए समिति पूरी तत्परता से जुटी हुई है। छठ घाट की खुदाई का कार्य पूरा हो चुका है तथा घाट एवं आसपास के परिसर में साफ-सफाई का कार्य लगातार कराया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पिछले वर्षों की अपेक्षा और भी बेहतर व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी लोग शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में छठ महापर्व मना सकें।

समिति के महासचिव कैलाश साह ने कहा कि छठ पूजा बिहार एवं पूर्वांचल सहित देश के करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा सबसे महत्वपूर्ण लोकपर्व है। शिव शक्ति अपार्टमेंट सेक्टर-71 में इस पर्व को सभी निवासी मिल-जुलकर बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाते हैं। प्रत्येक वर्ष यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य देने एवं छठी मैया की पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि समिति का प्रयास है कि इस वर्ष भी सभी श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं और आयोजन को यादगार बनाया जाए।

समिति के संरक्षक टी.एन झा व गौरव कुमार यादव ने नोएडा प्राधिकरण, शासन एवं प्रशासन के अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि छठ महापर्व लाखों लोगों की आस्था और विश्वास से जुड़ा हुआ है। यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। उन्होंने प्राधिकरण एवं प्रशासन से आग्रह किया कि नोएडा में जहां-जहां छठ पूजा के आयोजन हो रहे हैं, वहां आयोजक समितियों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए। विशेष रूप से साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा एवं अन्य जरूरी सुविधाओं की उचित व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए, जिससे श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के श्रद्धा और उल्लास के साथ इस महापर्व को मना सकें। उपस्थित मुख्य लोगों में संजय शुक्ला संस्थापक मुख्य अध्यक्ष बीके सिंह, प्रमोद पांडे, समिति के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य छठ महापर्व के सफल, सुरक्षित एवं भव्य आयोजन के लिए पूरी मेहनत और समर्पण के साथ तैयारियों में जुटे हुए हैं।

सूर्य की उपासना के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां शुरू

नोएडा। भगवान सूर्य की उपासना के महापर्व छठ पूजा की तैयारी शुरू कर दी गई है। प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 से अधिक छठ घाटों पर साफ सफाई, सौंदर्यीकरण और प्रकाश व्यवस्था का काम किया जा रहा है। शुक्रवार यानी 13 नवंबर से नहाय खाय के साथ महापर्व की शुरुआत होगी। प्राधिकरण के साथ छठ आयोजन समितियों ने भी अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है।

चार दिवसीय महापर्व की शुरूआत नहाय खाय से होगी। चार दिन तक चलने वाले इस महापर्व के दौरान भोजपुरी लोक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों की धूम रहेगी। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक चेरी काउंटी टेकजोन-4 ग्रेटर नोएडा वेस्ट, आईईसी कॉलेज नॉलेज पार्क-दो के पास स्थित पार्क, नवादा गांव के पास स्थित शनि मंदिर, सेक्टर पाई दो स्थित काली बाड़ी मंदिर, कासना, कुलेसरा पुस्ता, सेक्टर म्यू दो, जू तीन आदि स्थानों पर छठ व्रतियों के लिए विशेष रूप से घाट की व्यवस्था की है।

प्राधिकरण के परियोजना, विद्युत अभियांत्रिकी, स्वास्थ्य आदि विभागों द्वारा घाट की साफ-सफाई और मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। सुरक्षा को लेकर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। वहीं, कृत्रिम तालाबों में पानी भरने की तैयारी की जा रही है। अधिकारी के मुताबिक 10 से अधिक स्थानों पर बड़े स्तर पर छठ पूजा का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा विभिन्न सोसाइटी के स्विमिंग पूल और सेक्टरों के पार्कों में भी लोग छठ पूजा करते हैं। पूर्वांचल बिहार वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सुनील कुमार उपाध्याय ने बताया कि छठ महापर्व की शुरुआत 13 नवंबर को नहाय खाय से होगी।

छठ महापर्व के चार दिनों के अनुष्ठान: इस दिन सादा भोजन लौकी की सब्जी के साथ शुरू होता है। वहीं 14 को खरना के व्रती खीर का सेवन करते हैं। 15 को डूबते हुए सूर्य और 16 को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसी के साथ महापर्व का समापन हो जाएगा। उपाध्याय ने बताया कि घाट की साफ सफाई शुरू कर दी गई है। ग्रेटर नोएडा, ग्रेटर नोएडा वेस्ट और उसके आसपास के कस्बों में रहने वाले 4 लाख से अधिक लोग छठ पूजा मनाते हैं।

घाटों की व्यवस्था समय पर पूरी करने का भरोसा: प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि शहर में जिन स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया जाता है,वहां पर साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। घाटों की मरम्मत कराई जा रही है। समय रहते सभी तैयारियां पूरी कर ली जाएंगी। श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसका ध्यान रखा जाएगा।

ग्रेटर नोएडा के गौड़ चौक अंडरपास का ट्रायल जारी, ढाई लाख वाहनों को मिली जाम से राहत; अब लाइटिंग पर होगा काम



ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौड़ चौक (किसान चौक) अंडरपास का ट्रायल रन सोमवार को भी जारी रहा। प्राधिकरण ने इसका ट्रायल 5 नवंबर से 8 नवंबर तक करने के लिए कहा था और इसके बोर्ड भी लगवाए गए थे।लेकिन सोमवार को भी वाहन चालक अंडरपास से फर्राटा भरते हुए निकलते रहे। ट्रायल में ही वाहन चालकों को जाम से बड़ी राहत मिली है। इससे साफ है कि अंडरपास पूरी तरह शुरू होने के बाद गौड़ चौक की तस्वीर ही बदल जाएगी। प्राधिकरण के अधिकारियों के मुताबिक पिछले चार दिनों में ट्रायल के दौरान करीब ढाई लाख गाड़ियां गुजरी।

अंडरपास में लाइटिंग की कमी: इस दौरान अंडरपास में लाइटिंग की कमी महसूस हुई और धूल अधिक उड़ने के कारण दोनों किनारों में घास लगाने का फैसला किया गया। परियोजना विभाग के मुताबिक फिलहाल तीन-चार दिन के लिए ट्रायल का समय और बढ़ा दिया गया है। इसके बाद लाइटिंग और घास का काम अंडरपास में किया जाएगा।

92 करोड़ रुपये की लागत से बना 6 लेन अंडरपास: बता दें कि, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने करीब 92 करोड़ रुपये की लागत से छह लेन का अंडरपास बनाया है। यह करीब 700 मीटर लंबा अंडरपास है। इसके अलावा चौराहे के पास दो यूटर्न भी विकसित किए गए हैं। बृहस्पितवार को इसका ट्रायल शुरू हुआ था। ट्रायल शुरू होते ही गौड़ चौक पर लगने वाले जाम से काफी हद तक राहत मिली है।

पहले जहां लोगों को चौराहा पार करने में 20 से 30 मिनट लग जाते थे, अब वह कुछ ही मिनट में पार हो रहा है। इसका फायदा सिर्फ ग्रेनो वेस्ट की सोसायटियों को ही नहीं मिलेगा, बल्कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद के निवासियों को भी मिलेगा।

रोज का सफर होगा आसान: ग्रेनो वेस्ट में लाखों लोग रहते हैं और रोजाना नौकरी, स्कूल और अन्य कामों के लिए नोएडा-दिल्ली जाते हैं। गौड़ चौक उनके रास्ते का सबसे बड़ा जाम प्वाइंट था। अब अंडरपास से उनका रोज का सफर आसान होगा, समय बचेगा और पेट्रोल-डीजल की भी बचत होगी।जीएम प्रोजेक्ट एके सिंह का कहना है कि अंडरपास अभी ट्रायल रन पर है। इसके समय को तीन-चार दिन और बढ़ाया गया है। उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देश पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ट्रायल के दौरान अंडरपास में पानी भरने, लाइट, साइनेज और सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच कर रही है।

'सेंट्रल आइकॉन' मॉल द्वारा प्रदूषण फैलाने पर आरडब्ल्यूए ने की सख्त कार्रवाई की मां?



नोएडा। एक तरफ जहां पूरा शहर दीपावली के इस दौर में वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेल रहा है और आबोहवा पहले से ही अत्यंत दूषित बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर निर्माणाधीन 'सेंट्रल आइकॉन' मॉल तथा इसके आसपास स्थित रेस्टोरेंटों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा फैलाई जा रही बेलगाम लापरवाहियों ने स्थिति को और भी विकराल बना दिया है।

निर्माणाधीन मॉल प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से भारी मात्रा में अपना निर्माण मलबा इसी खुले स्थान पर डंप किया जा रहा है, जो पर्यावरण के लिए अत्यधिक घातक साबित हो रहा है और आसपास के निवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। रेस्टोरेंटों के कचरे और मॉल के मलबे के कारण यह खाली जगह धीरे-धीरे एक स्थायी अवैध डंपिंग यार्ड का रूप लेती जा रही है। सबसे ज्यादा चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि इस भयंकर प्रदूषण के बीच यहां खुले में पड़े कचरे के ढेर में आग लगा दी गई है, जिससे उठने वाला जहरीला धुआं पूरे क्षेत्र के पर्यावरण और निवासियों के स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है। बहुमंजिला इमारतों के समीप इस तरह खुले मैदान में अवैध मलबा डंप करना और कचरे में आग लगाना न केवल राष्ट्रीय हरित अधिकरण (हस्तक्ष) के नियमों का खुल्लम-खुल्ला उल्लंघन है, बल्कि यह आम नागरिकों के जीवन के साथ एक सीधा खिलवाड़ भी है। नोएडा

आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय का कहना है कि इस प्रकार की गैर-जिम्मेदाराना हरकत की जितनी भी भर्त्सना की जाए, वह कम है। स्थानीय निवासियों की ओर से प्रशासन से यह पुरजोर मांग की जाती है कि 'सेंट्रल आइकॉन' मॉल के बिल्डर/प्रबंधन और इसके आसपास के दोषी रेस्टोरेंट संचालकों पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के एवज में तुरंत भारी जुर्माना लगाया जाए तथा उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसके साथ ही, इस अवैध डंपिंग स्थल को तत्काल प्रभाव से पूरी तरह बंद किया जाए, यहां पड़े मलबे व कचरे को अविलंब साफ करवाकर उसका वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जाए।

शहर को स्वच्छ, हरा-भरा और सांस लेने योग्य बनाए रखना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है, और पर्यावरण विरोधी ऐसी किसी भी गतिविधि को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों से आग्रह है कि वे इस गंभीर मामले में त्वरित संज्ञान लें ताकि दोषियों के खिलाफ ऐसी मिसाली कार्रवाई हो सके जो शहर के लिए एक कड़ा संदेश बने।

परेशानी: नाली और सीवर ओवरफ्लो से परेशान लोग

ट्रांस हिंडन। ट्रांस हिंडन क्षेत्र में कई इलाकों में करीब एक माह से नाली और सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है। इससे लोगों को समस्या का सामना करना पड़ा है। लोगों का कहना है कि त्योहार के समय भी गलियों और घरों के बाहर गंदगी से मेहमानों को भी आने में परेशानी हो रही है। मोहन नगर, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी और वैशाली समेत कई इलाकों में पिछले एक माह से लोगों को सीवर और नाली ओवरफ्लो की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नियमित सफाई नहीं होने के कारण नाले और सीवर उफन रहे हैं।

कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। मोहन नगर स्थित अमर ज्योति स्कूल के सामने नाला ओवरफ्लो होने से सड़क पर गंदा पानी जमा है। स्थानीय निवासी सुधीर गीरी ने बताया कि करीब एक माह से नाली की सफाई नहीं हुई है। त्योहार पर घरों के सामने पानी भरा होने के कारण मेहमानों को आवाजाही में परेशानी हो रही है। गंदे पानी से उठने वाली दुर्गंध के कारण घरों में रहना भी मुश्किल हो रहा है। वहीं, पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है। इसके अलावा इंद्रप्रस्थ कॉलोनी के डी ब्लॉक में भी करीब एक माह से सीवर का पानी सड़क पर बह रहा है। गंदे पानी से होकर लोगों को आवागमन करना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि जलभराव के कारण मच्छर पनप रहे हैं, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। लोगों ने नगर निगम से नालों और सीवर की सफाई कराने की मांग की है। वहीं, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार ने बताया कि सफाई कराने के लिए संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दे दिए गए हैं।

ब्लू लाइन से सीधे जुड़ेगी एक्वा लाइन, 15 किमी का नया ट्रैक; 10 नए स्टेशनों से आसान होगा नोएडा का सफर



नोएडा। नोएडा में रहने और रोजाना सफर करने वाले लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। शहर की मेट्रो कनेक्टिविटी को और मजबूत करने के लिए नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (हस्क्ष्ट) ने एक्वा लाइन के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया है।

इस महत्त्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य देश की जानी-मानी बुनियादी ढांचा कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (रुञ्ज) को सौंपा गया है।

इस विस्तार योजना को मुख्य रूप से दो कॉरिडोर में बांटा गया है:

बॉटनिकल गार्डन से नोएडा सेक्टर-142: इस रूट के तैयार होने से दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन से एक्वा लाइन का सीधा तालमेल और बेहतर कनेक्टिविटी स्थापित होगी।

डिपो स्टेशन से बोराकी: ग्रेटर नोएडा के दूरदराज और तेजी से विकसित हो रहे इलाकों को यह लाइन नेटवर्क से जोड़ेगी।

शहर के विकास को मिलेगी नई रफ्तार: नोएडा और ग्रेटर नोएडा के लगातार बढ़ते दायरे को देखते हुए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना बेहद जरूरी हो गया था। नया 15.1 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड वायाडक्ट न केवल ट्रैफिक के दबाव को कम करेगा, बल्कि बॉटनिकल गार्डन, सेक्टर-142 और बोराकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों के बीच आवाजाही को बहुत आसान बना देगा।

इस प्रोजेक्ट के तहत न सिर्फ एलिवेटेड ट्रैक का निर्माण करेगी, बल्कि सभी 10 स्टेशनों के आधुनिक आर्किटेक्चर और डिजाइनिंग की जिम्मेदारी भी संभालेगी। कंपनी का मानना है कि समय पर इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से शहर के शहरी क्षेत्रों में रोजाना यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा।

विधायक विनय वर्मा ने शमशान घाट और सेक्टर में कार्यरत कर्मचारियों को किया सम्मानित







नोएडा। सेक्टर 20 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष हरीश वर्मा और विधायक विनय वर्मा ने दीपावाली के शुभ अवसर पर शमशान घाट से लेकर सेक्टर में कार्यरत प्राधिकरण कर्मियों को दीपावली का उपहार देकर सम्मानित किया। शोहरत गढ़ विधानसभा से विधायक विनय वर्मा अपने विधानसभा क्षेत्र में लोगों को दीपावली की भेंट व शुभकामनाएं देने के बाद शनिवार को नोएडा पहुंचे और सबसे पहले वे अपनी माता जी की याद में सेक्टर 94 स्थित श्मशान घाट पहुंचे, और वहां पर कार्यरत कर्मचारियों को दीपावली की भेंट देकर शुभकामनाएं दी, और कहा कि माँ हर पल पूरे परिवार के साथ है। माँ जिस भी लोक में हैं वहाँ से हम सबको आशीर्वाद देती हैं। माँ के अनंत यात्रा पर जाने के बाद भी हम सब उन्हें अपने आस पास ही अनुभव करते हैं। कोई भी अवसर हो आज भी हम उनकी उपस्थिति को महसूस करते हैं। आज दीपावली के पावन पर्व पर मैं, पिता जी, मेरे अग्रज भाई हरीश और पूरा परिवार अंतिम निवास सेक्टर -94 नोएडा के उस पवित्र स्थान पर गए जहाँ हमने माँ को अनंत यात्रा के लिए विदा किया था।

माँ की हमेशा इच्छा होती थी त्योहार के दिन सबके चेहरे पर खुशी हो। इसी भाव के साथ हमने वहाँ पर उपहार वितरित किए। इस अवसर पर उनके साथ अंतिम निवास सोसाइटी के अध्यक्ष महेश सक्सेना और अन्य लोग मौजूद रहे। इसके साथ ही विधायक विनय वर्मा उनके बड़े भाई सेक्टर 20 आरडब्ल्यूए अध्यक्ष हरीश वर्मा और उनके पिता जी रमा शंकर वर्मा ने अपने सेक्टर की देखभाल में कार्यरत गार्ड, मंदिर के पुजारी, इलेक्ट्रिकल, हाइडल यूपीपीसीएल, टाटा हॉर्टिकल्चर, सिविल, सीवर, जल के लगभग 80 कर्मचारियों को दीपावली का उपहार देकर सम्मानित किया एवं दीपावली की शुभकामनाएं दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

गंभीर वायु प्रदूषण से अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए डॉक्टरों ने दी जरूरी सावधानियां बरतने की सलाह

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। हवा में मौजूद प्रदूषण के बारीक कण (और) स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। इसका सबसे अधिक असर सांस और हृदय से जुड़ी सेहत पर पड़ता है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अस्थमा की समस्या बढ़ सकती है, लंबे समय तक रहने वाली ब्रोंकाइटिस हो सकती है और आगे चलकर हृदय और फेफड़ों से जुड़ी गंभीर परेशानियां हो सकती हैं।



'जब हम बहुत अधिक प्रदूषित हवा में सांस लेते हैं, तो उसमें मौजूद बेहद छोटे और हानिकारक कण नाक के प्राकृतिक बचाव को पार करके फेफड़ों के भीतर तक पहुंच जाते हैं। इनमें से कुछ कण सीधे खून में भी मिल सकते हैं। इससे शरीर में सूजन बढ़ सकती है। इसका असर सिर्फ अस्थमा या ब्रोंकाइटिस जैसी समस्याओं को बढ़ाने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे दिल पर भी दबाव पड़ता है, अचानक सीने में तकलीफ हो सकती है और समय के साथ शरीर की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए खुद को प्रदूषण से बचाना केवल आराम की बात नहीं है, बल्कि अपने दिल और फेफड़ों को सुरक्षित रखने के लिए बेहद जरूरी है। ', डॉ. राहुल शर्मा, डायरेक्टर- पल्मोनोलॉजी एवं क्रिटिकल केयर, फोर्टिस अस्पताल, नोएडा और ग्रेटर नोएडा।

स्वास्थ्य की सुरक्षा और प्रदूषण के बुरे प्रभावों को कम करने के लिए डॉक्टरों ने निम्नलिखित सावधानियां बरतने की सलाह दी है: अधिक सावधानी बरतने की जरूरत वाले लोग: बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से सांस संबंधी बीमारियों (अस्थमा, सीओपीडी) या हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों को खुले में बाहर निकलने से बचना चाहिए। खासतौर पर सुबह के शुरुआती घंटों में बाहर न जाएं, क्योंकि इस दौरान हवा में प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक हो सकता है। बाहर व्यायाम करने से बचें: जब वायु प्रदूषण का स्तर अधिक हो, तो बाहर दौड़ने, जॉगिंग करने या ज्यादा मेहनत वाली शारीरिक गतिविधियों से बचें। इसके बजाय घर के अंदर ही व्यायाम करें। यदि बाहर जाना जरूरी हो, तो चेहरे पर अच्छी तरह फिट होने वाला ह95 मास्क पहनें। कपड़े वाले सामान्य मास्क या ढीले सर्जिकल मास्क प्रदूषण के बारीक कणों ( ) से बचाने में प्रभावी नहीं होते।

दवाइयां नियमित रूप से लें: सांस संबंधी पुरानी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को डॉक्टर द्वारा बताई गई इनहेलर और अन्य दवाइयां बिना रुके लेते रहना चाहिए। डॉक्टर की सलाह के बिना दवाइयों की मात्रा में बदलाव न करें और न ही इलाज बंद करें। जरूरत पड़ने पर तुरंत इस्तेमाल के लिए इनहेलर अपने पास रखें।

खिड़कियां बंद रखें: प्रदूषण का स्तर सबसे अधिक होने के समय घर में बाहर की हवा आने से रोकने के लिए खिड़कियां बंद रखें। जहां संभव हो, घर के अंदर HEPA फिल्टर वाले एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करें, ताकि हवा में मौजूद प्रदूषण के बारीक कणों को कम किया जा सके।

खान-पान और जीवनशैली से जुड़ी सलाह: दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य तरल पदार्थ पीते रहें, ताकि शरीर के अंदर की नमी बनी रहे और शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिले।

अपने रोजाना के खान-पान में विटामिन सी से भरपूर फल, जैसे संतरा, नींबू और आंवला, साथ ही एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। गले में जलन से राहत पाने और सांस की नली के ऊपरी हिस्से में जमा धूल के कणों को साफ करने के लिए नियमित रूप से गुनगुने पानी या नमक मिले पानी से गरारे करें।

अरावली अपार्टमेंट में बनाया गया 31 फ़ीट गोवर्धन पर्वत



नोएडा। बी-3 अरावली अपार्टमेंट सेक्टर-34 नोएडा में गोवर्धन अन्नकूट महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष धर्मेन्द्र शर्मा ने बताया कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी निवासियों विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों द्वारा गाय के गोबर एवं रंगोली से 31 फ़ीट बड़ा भव्य गोर्वधन पर्वत बनाये गये,दूध के अभिषेक के साथ विधि विधान द्वारा गोवर्धन पूजन सम्पन्न किया गई,साथ में विकास शर्मा एंड पार्टी द्वारा आयोजित भजनों का भी निवासियों ने जमकर आनंद लिया, सभी श्रद्धालुओं ने गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। तत्पश्चात लोगों ने अन्नकूट भोजन प्रसाद ग्रहण किया, इस अवसर पर धर्मेन्द्र शर्मा, प्रदीप सिंह कृपाशंकर, राजेश पांडेय अजय रस्तोगी सुरेंद्र यादव अविनाश कुमार राजेंद्र घोचायत ए के श्रीवास्तव, सुरेश बने, आर पी प्रजापति, चंचला पंत, पदमा नायडू, सविता केदार, मीनू शर्मा, सीमा कुमारी, सोनम कुमारी, प्रीति कुमारी, गीता गुप्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मां काली की पूजा के बाद 75 प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ

ट्रांस हिंडन। अर्थला स्थित ट्रांस हिंडन दुर्गा पूजा विसर्जन घाट पर सोमवार को मां काली की करीब 75 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इससे पहले रविवार रात 12 बजे से सोमवार सुबह चार बजे तक ट्रांस हिंडन के विभिन्न इलाकों में मां काली की विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद श्रद्धालु प्रतिमाओं को लेकर अर्थला विसर्जन घाट पहुंचे और विधि-विधान से विसर्जन किया। ट्रांस हिंडन दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष मनीश सैन गुप्ता ने बताया कि रविवार देर रात करीब 12 बजे से मां काली की पूजा शुरु ट्रांस हिंडन क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर की गई। इसके लिए भक्तों ने पंडाल सजाकर मां की प्रतिमा को स्थापित किया था।

उन्होंने बताया कि मां काली की पूजा मुख्य रूप से बुराई पर अच्छाई की जीत, नकारात्मक शक्तियों के नाश और सुख-समृद्धि की कामना के लिए की जाती है। मान्यता है कि मां काली अपने भक्तों को भय और संकट से मुक्ति दिलाती हैं। पूजा के बाद प्रतिमाओं का विसर्जन प्रकृति में पंचतत्वों के विलय और मां को विदाई देने का प्रतीक माना जाता है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाट पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। दोपहर एक बजे से शाम आठ बजे तक करीब 75 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। वहीं, छठ पर्व की तैयारियों को लेकर सोमवार को शालीमार गार्डन स्थित डबल टंकी छठ घाट पर महिलाओं ने जाएजा लिया। महिलाओं ने घाट पर चल रहे कार्यों की जानकारी ली और कुछ व्यवस्थाओं में हो रही देरी पर भी आयोजकों से बातचीत की। पूर्वांचल कालिदास नवयुवक विकास समिति के अध्यक्ष अशोक साह ने बताया कि मंगलवार से घाट पर टेंट लगाने का काम शुरू हो जाएगा। अब तैयारियों के लिए समय कम बचा है, इसलिए सभी व्यवस्थाएं जल्द पूरी कराई जाएंगी।

नोएडा में 55 लाख का गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

नोएडा। गौतमबुद्धनगर में गांजा तस्करी के एक बड़े मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। स्वाट टीम और बिसरख थाना पुलिस ने ज्वाइंट ऑपरेशन चलाते हुए 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 55.12 किलो अवैध गांजा बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक, बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 55 लाख रुपये है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक कार और तीन मोबाइल फोन भी पुलिस ने जब्त किए हैं।



पुलिस का दावा है कि आरोपी ओडिशा और अन्य क्षेत्रों से कम कीमत पर गांजा खरीदकर लाते थे। इसके बाद गांजे को विभिन्न ई-कॉमर्स कंपनियों की पन्नियों में पैक किया जाता था, ताकि इसकी पहचान आसानी से न हो सके। आरोपी कार के जरिए गांजे की सप्लाई करते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपी टेलीग्राम एप और ऑनलाइन पार्सल के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क करते थे। मांग मिलने पर गांजे की डोर-टू-डोर डिलीवरी की जाती थी। इस तरह आरोपी ऑनलाइन माध्यमों का इस्तेमाल कर नशे का कारोबार चला रहे थे।

पुलिस के अनुसार, 9 नवंबर को लोकल इंटेलिजेंस और बीट पुलिसिंग से मिली जानकारी के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम ने निर्माणाधीन बिल्डिंग गोल्डन ग्रांड रोड से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान आलम खान (30), वसीम (26) और लक्ष्य राठौर (19) के रूप में हुई है। आलम खान गाजियाबाद के लोनी मुस्तफाबाद, वसीम बागपत के रटोल और लक्ष्य राठौर गौतमबुद्धनगर की चोटपुर कॉलोनी का निवासी है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 55 किलो 124 ग्राम गांजा, तस्करी में इस्तेमाल की जा रही हुंडई एसेंट कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस मामले में बिसरख थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा संख्या 846/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी वसीम के खिलाफ इससे पहले भी हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8/20/29/37 के तहत मुकदमा संख्या 649/2024 दर्ज है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

नोएडा में रालोद का विस्तार: महीपाल सिंह बने नोएडा महानगर अध्यक्ष

नोएडा। राष्ट्रीय लोकदल ने नोएडा मीडिया क्लब, सेक्टर-29 में संगठन विस्तार के तहत क्षेत्रीय अध्यक्ष तरस पाल मलिक ने ठाकुर महीपाल सिंह को राष्ट्रीय लोकदल - नोएडा महानगर का अध्यक्ष नियुक्त किया और नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर मलिक ने कहा कि महीपाल सिंह महानगर अध्यक्ष के रूप में सभी धर्मों के लोगों को जोड़कर संगठन को मजबूत करेंगे। जिला अध्यक्ष जनार्दन भाटी, पूर्व एमएलसी महेश आर्य, मेरठ मंडल अध्यक्ष एड. इंद्रवीर भाटी, अजीत सिंह दौला, मनोज चौधरी, अनिता चौधरी, बिजेंद्र यादव, मनवीर भाटी, हरवीर सिंह तालान, ठाकुर करण सिंह, निशांत भाटी, गौरव आजाद आदि मौजूद रहे।

हिरासत से आरोपी भागने के मामले में दो सिपाही और एक होमगार्ड बरी

नोएडा। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने पुलिस हिरासत से आरोपी के फरार होने के मामले में दो सिपाहियों और एक होमगार्ड को दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन आरोप को युक्तियुक्त संदेह से परे साबित करने में पूरी तरह विफल रहा। बरी होने वालों में सिपाही जयकेंद्र सिंह निवासी इटावा, सिपाही राकेश कुमार निवासी सहारनपुर और होमगार्ड सुरेंद्र कुमार निवासी बुलंदशहर शामिल हैं।

अभियोजन के अनुसार 11 नवंबर 2017 को चोरी के मामले का आरोपी रॉबिन उर्फ अमित पाल निवासी असम को मेडिकल जांच के लिए सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल परिसर ले जाया गया था। आरोप था कि आरोपी ने पेट दर्द का बहाना बनाकर शौचालय गया और पिछली खिड़की खोलकर भाग निकला। इस पर सिपाही जयकेंद्र सिंह ने खुद थाना सेक्टर-20 में तहरीर दी थी। पुलिस के मुताबिक उसके खिलाफ दिल्ली में तीन मुकदमे भी दर्ज मिले। पुलिस ने मारूफ के खिलाफ और तीनों कर्मियों के खिलाफ आरोप-पत्र भेजा। अदालत ने कहा कि लोक सेवक ने आरोपी का हिरासत से भागना उपेक्षा से सहन किया हो। यहां उलटे यह सामने आया कि फरार होने के बाद आरोपी की काफी देर तक तलाश की गई और स्वयं जयकेंद्र सिंह ने ही प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई। गवाहों ने बताया कि आरोपियों ने मारूफ को भागने देने में उपेक्षा नहीं की। बल्कि उसका असली नाम पता लगाने और उसे पकड़वाने में पुलिस का पूरा सहयोग किया। बचाव पक्ष की ओर से कोई साक्ष्य पेश नहीं किया गया। अदालत ने तीनों को दोषमुक्त कर दिया।

सोसाइटियों में गोवर्धन पूजन की धूम

नोएडा। शहर में गोवर्धन पूजा का पर्व सोमवार को पारंपरिक तरीके से मनाया गया। कुछ सेक्टरों और सोसाइटियों में महिलाओं ने सुबह घरों की साफ-सफाई कर गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाई। शाम को परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों ने एकत्र होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वहीं, कुछ स्थानों पर मंगलवार को गोवर्धन पूजा की जाएगी। शहर के सेक्टर बीटा-1, अल्फा-1, अल्फा-2, गामा-1, डेल्टा-1 और डेल्टा-2 सहित विभिन्न सेक्टरों में गोवर्धन पूजन किया गया। कई मंदिरों में भी गोवर्धन की आकृति बनाकर सामूहिक पूजा का आयोजन हुआ। गोवर्धन के पास दूध, घी, खील, खिलौने और बताशे रखकर पूजा की गई।

इसके बाद भक्तों को कचौड़ी, खीर और अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया। सेक्टर शिव मंदिर में भी सोमवार को गोवर्धन पूजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में सेक्टरवासी मंदिर में एकत्र हुए और सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की। वहीं, कुछ सेक्टरों और सोसाइटियों में मंगलवार को गोवर्धन पर्व मनाया जाएगा। इसके लिए लोगों ने तैयारियां की हैं।

ग्रेटर नोएडा की तीन सड़कें चमकेंगी

नोएडा। शहर की तीन महत्वपूर्ण सड़कों की मरम्मत कर चमकाने का काम किया जाएगा। इसके लिए निविदा जारी कर कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। प्राधिकरण इस काम पर लगभग सात करोड़ रुपये खर्च करेगा। यह काम पूरा होने पर आम लोगों को जाम और गड्ढे की समस्या से राहत मिलेगी। परियोजना विभाग के अधिकारी के मुताबिक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर यातायात नियंत्रण के लिए इंटरलॉकिंग टाइल्स वाली सड़क का निर्माण होगा। इस पर 1.64 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह कार्य वर्क सर्किल-4 द्वारा कराया जाएगा। इससे एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और जाम की समस्या कम होगी।

वहीं, सेक्टर ओमिक्रॉन-3 में 18 मीटर और 12 मीटर चौड़ी सड़क के साथ डी-ब्लॉक की आंतरिक सड़कों की भी मरम्मत की जाएगी। इस काम पर 1.77 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह काम वर्क सर्किल-6 द्वारा किया। इससे सेक्टर की टूटी सड़कों को नया रूप मिलेगा और लोगों को धूल और गड्ढों से निजात मिलेगी। अधिकारी के मुताबिक अंसल गोल्फ लिंक-1 सोसाइटी के ब्लॉक-ए और ब्लॉक-सी में भी विकास कार्य कराए जाएंगे। यहां आंतरिक सड़कों की मरम्मत पर 3.31 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

ट्रॉला की टक्कर से साइकिल सवार किशोर की मौत

नोएडा। सेक्टर-68 स्थित गढ़ी गोल चक्कर के पास तेज रफ्तार ट्रॉला की टक्कर से साइकिल सवार 17 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। हादसे में गंभीर रूप से घायल किशोर को पहले सेक्टर-68 स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता की शिकायत पर फेज-3 थाना पुलिस ने ट्रॉला चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, सेक्टर-113 स्थित अंबेडकर सिटी निवासी नत्थूलाल का 17 वर्षीय बेटा नितेश शुक्रवार की दोपहर करीब तीन बजे साइकिल से गढ़ी गोल चक्कर की तरफ जा रहा था। इसी दौरान हरियाणा नंबर की तेज रफ्तार ट्रॉला ने उसकी साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में नितेश गंभीर रूप से घायल हो गया।

सलारपुर के श्री कृष्णा भवन में धूमधाम से हुई गोवर्धन पूजा

नोएडा। पवित्र पर्व गोवर्धन पूजा सलारपुर स्थित श्री कृष्णा भवन में भारतीय किसान यूनियन के गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के आवास पर परिवार एवं गांव के सम्मानित लोगों द्वारा श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाई गई।

इस अवसर पर पंडित राजेश मिश्रा द्वारा विधि-विधान से गोवर्धन पूजा संपन्न कराई गई। उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से गोवर्धन परिक्रमा एवं पूजन कर भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि गोवर्धन पूजा हमारी प्राचीन सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपरा का प्रतीक है। यह पर्व हमें संदेश देता है कि संसार में किसी भी अहंकारी का अहंकार एक दिन अवश्य समाप्त होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जब इंद्रदेव ने क्रोधित होकर मथुरा क्षेत्र में भारी वर्षा की और किसानों एवं ग्रामवासियों को संकट में डाल दिया,



तब भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर समस्त क्षेत्रवासियों की रक्षा की थी।

भगवान श्री कृष्ण ने प्रकृति, गौवंश एवं गोवर्धन के महत्व को समझाते हुए समाज को प्रकृति संरक्षण और सेवा का संदेश दिया। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के प्रति सम्मान, गौसेवा, आपसी सहयोग एवं धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। इस अवसर पर झलकेस बाबूजी, रवि प्रधान, ताराचंद भाटी, चरण सिंह भाटी, सुभाष नेताजी, मदन भाटी, सिंहराज गुर्जर, सचिन भाटी, जयवीर भाटी, कृष्ण भाटी, रविंद्र भाटी, कालूराम भाटी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

स्कूटी टच होने पर विवाद, युवक की मौत, दोस्त घायल

नोएडा। सेक्टर-15 स्थित एक पार्क में रविवार रात जन्मदिन की पार्टी के दौरान स्कूटी की टक्कर लगने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष के युवकों ने दिल्ली के अशोकनगर निवासी 25 वर्षीय अमित और उसके दोस्त शिवम के साथ मारपीट की। सिर में गंभीर चोट लगने से अमित की मौत हो गई, जबकि शिवम घायल हो गया।

एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि सेक्टर-15 स्थित पार्क में अमित अपने दोस्त शिवम, यशपाल, आकाश और विनोद समेत अन्य युवकों के साथ मौजूद था। इसी दौरान सभी स्कूटी से वहां से जाने लगे। शिवम की स्कूटी पार्क में जन्मदिन मना रहे आफताब के पैर से छू गई। इस बात को लेकर आफताब और शिवम के बीच कहासुनी हो गई। आफताब ने शिवम को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद विवाद बढ़ गया। विवाद के बाद शिवम ने भी अपने साथियों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान अमित और शिवम के सिर में चोट लग गई। अमित को गंभीर चोट आई। दोनों को उनके दोस्त अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। शिवम को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर फेज-1 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने अमित के शव का पोस्टमार्टम कराया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया।अमित के पिता संजय की तहरीर पर पुलिस ने गोलू, अभिषेक पंडित और आफताब समेत चार आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले में एक आरोपी नाबालिग बताया गया है। पुलिस का दावा है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे को पहले से जानते थे। ऐसे में पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि स्कूटी की टक्कर से शुरू हुआ विवाद किस तरह इतना बढ़ गया।

फेलिक्स अस्पताल में रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सिस्टम का हुआ शुभारंभ

नोएडा। घुटने के प्रत्यारोपण (नी रिप्लेसमेंट) की सर्जरी को अधिक सटीक और मरीज की जरूरतों के अनुसार बनाने के उद्देश्य से फेलिक्स अस्पताल, सेक्टर-137 में सोमवार को स्वदेशी रोबोटिक नी रिप्लेसमेंट सिस्टम 'मिसो' का पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अस्पताल के चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता के साथ डॉ. अंचित उप्पल, डायरेक्टर - ऑर्थोपेडिक्स एवं चीफ जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन, डॉ. बिनय कुमार साहू, सीनियर कंसल्टेंट - ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट, डॉ. पीयूष, सीनियर कंसल्टेंट - ऑर्थोपेडिक्स तथा डॉ. राहुल रे, कंसल्टेंट - ऑर्थोपेडिक्स, रोबोटिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट, ट्रॉमा एवं स्पोर्ट्स इंजरी सहित अस्पताल के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डीके गुप्ता ने बताया कि नई तकनीक से घुटने की सर्जरी के दौरान हड्डी की कटिंग अधिक सटीक तरीके से करने में सर्जन को मदद मिलेगी। इस सिस्टम की खासियत है कि यह मरीज के घुटने की बनावट के अनुसार तैयार की गई योजना पर काम करता है। इसे भारत में ही डिजाइन और निर्मित किया गया है। इस रोबोटिक सिस्टम का उद्देश्य घुटने के प्रत्यारोपण की प्रक्रिया में सर्जन की कार्यक्षमता और सटीकता को बेहतर बनाना है। ऑपरेशन की कमान सर्जन के हाथ में ही रहती है। रोबोटिक आर्म हड्डी की कटिंग करने में सर्जन की सहायता करता है। इससे पारंपरिक सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले मेटल कटिंग गाइड (जिग्स) की आवश्यकता नहीं पड़ती।

इस तकनीक में सर्जरी से पहले मरीज के घुटने का सीटी स्कैन किया जाता है। इसके आधार पर घुटने की हड्डियों का त्रिआयामी (थ्रीडी) मॉडल तैयार होता है। सर्जन इसी मॉडल पर प्रत्यारोपित किए जाने वाले कृत्रिम जोड़ की स्थिति और हड्डी की कटिंग की योजना बनाते हैं। ऑपरेशन के दौरान रोबोटिक आर्म इसी योजना के अनुसार कटिंग करने में मदद करता है। इससे



प्रत्येक मरीज की हड्डियों की बनावट के हिसाब से सर्जरी की योजना तैयार की जा सकती है। यदि ऑपरेशन के दौरान वास्तविक स्थिति स्कैन में दिखाई गई बनावट से कुछ अलग मिलती है तो सर्जन योजना में बदलाव भी कर सकते हैं।

चार खूबियों से लैस है रोबोटिक सिस्टम: डॉ रश्मि गुप्ता ने बताया कि रोबोटिक सिस्टम को चार प्रमुख खूबियों के आधार पर तैयार किया गया है। इसमें पहली खूबी एजाइल है, जिसके तहत सर्जरी के दौरान जरूरत पड़ने पर योजना में बदलाव किया जा सकता है। साथ ही हड्डियों के बीच के अंतर (गैप) की जांच कटिंग से पहले, कटिंग के दौरान और बाद में की जा सकती है। इससे प्रत्यारोपित किए जाने वाले जोड़ के संतुलन को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। दूसरी खूबी सुरक्षा से जुड़ी है। ऑपरेशन के दौरान यदि हड्डी अपनी निर्धारित स्थिति से हिलती है तो सिस्टम कटिंग रोक देता है। हड्डी को दोबारा सही स्थिति में लाने पर प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा सकती है। इसके अलावा रोबोटिक आर्म किसी व्यक्ति या दूसरी वस्तु के संपर्क में आने पर रुक जाता है। इसमें आपातकालीन स्थिति के लिए इमरजेंसी स्टॉप और मैनुअल नियंत्रण की सुविधा भी दी गई है।

तीसरी खूबी सटीकता है। सिस्टम एक मिलीमीटर से भी कम स्तर की सटीकता के साथ कटिंग करने में सक्षम है। हाथ से कटिंग के दौरान होने वाले कंपन को कम करने और हड्डी में छोटे छेद बनाने जैसी बारीक प्रक्रियाओं में भी यह मददगार है। चौथी खूबी पर्सनलाइज्ड सर्जरी है। इसमें सभी मरीजों के लिए एक जैसी योजना अपनाने के बजाय उनकी हड्डियों की बनावट के अनुसार अलग-अलग योजना तैयार की जाती है।

मरीजों को मिलेंगे कई फायदे: अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक रोबोटिक तकनीक से सर्जरी करने का उद्देश्य चीरे के निशान कम करने, दर्द और रक्तस्राव घटाने तथा आसपास के ऊतकों को कम नुकसान पहुंचाने में मदद करना है। इसके अलावा अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि, संक्रमण का खतरा और सामान्य दिनचर्या में लौटने में लगने वाले समय को कम करने की दिशा में भी यह तकनीक उपयोगी हो सकती है। हालांकि इन फायदों का वास्तविक परिणाम मरीज की शारीरिक स्थिति, बीमारी की गंभीरता और सर्जरी की परिस्थितियों पर निर्भर करेगा।

संक्षिप्त समाचार

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद जीवनभर की दवाएं भी मुफ्त इलाज का हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने किडनी ट्रांसप्लांट के बाद मरीजों को जीवनभर दी जाने वाली दवाओं को भी मुफ्त इलाज योजना का हिस्सा माना है। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता की दवाओं के बिलों की प्रतिपूर्ति जारी रखी जाए। याचिकाकर्ता सुरेंद्र कुमार के मामले में कोर्ट ने यह अंतरिम आदेश दिया। याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि किडनी ट्रांसप्लांट के बाद जरूरी दवाएं राष्ट्रीय आरोग्य निधि के तहत उपलब्ध कराई जाएं। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया टिप्पणी की कि अंग प्रत्यारोपण इलाज का केवल एक हिस्सा है और एक बार यह विवादित नहीं है कि ट्रांसप्लांट के बाद मरीज को जीवनभर दवाओं की जरूरत है, तो उसकी लागत भी मुफ्त इलाज की योजना का हिस्सा होगी।मामले की अगली सुनवाई 4 फरवरी 2027 को होगी।

दीवाली की आतिशबाजी से बेहद खतरनाक हुई दिल्ली की हवा, स्मॉग की चादर से ढकी राजधानी

नई दिल्ली, एजेंसी। दीवाली की आतिशबाजी के बाद सोमवार सुबह दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, घने स्मॉग और कोहरे के कारण कई इलाकों में आज सुबह विजिबिलिटी भी कम रही। दीवाली के बाद सोमवार सुबह दिल्ली के आसमान में गहरी धुंध छाई रही। इससे दृश्यता कम हो गई यह 50 मीटर तक पहुंच गई। सुबह साढ़े पांच बजे सफदरजंग एयरपोर्ट पर 50 मीटर और आईजीआई एयरपोर्ट पर 350 मीटर दर्ज की गई। सीपीसीबी के प्रति घंटा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) रात 10 बजे 371 रहा। 59 निगरानी केंद्रों में से 20 ने प्रदूषण का स्तर रेड जोन में दर्ज किया, जिससे शहर भर में वायु गुणवत्ता बहुत खराब से गंभीर स्तर तक पहुंच गई। सोमवार सुबह सात बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई), 368 के साथ बहुत खराब श्रेणी में था। मंगलवार और बुधवार को वायु गुणवत्ता के गंभीर श्रेणी में पहुंचने की उम्मीद है।

हाथ में अनार जलाते समय फटा पटाखा, दिल्ली में 10 साल के बच्चे की दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। नरेला इलाके में रविवार रात पटाखा जलाने के दौरान हुए हादसे में 10 वर्षीय



बच्चे की मौत हो गई। जिस घर में त्योहार की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहां कुछ ही देर में मातम पसर गया। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही स्वजन और आसपास के लोग अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में परिचितों और रिश्तेदारों की भीड़ जमा हो गई। बच्चे को खोने के गम में स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल था। कैसे हुई घटना? पुलिस के अनुसार, घटना रात करीब 9:45 बजे की है। बच्चा अपने घर के सामने हाथ में पकड़कर अनार पटाखा जला रहा था। इसी दौरान पटाखा अचानक फट गया और उसकी छाती में गंभीर चोट लग गई। स्वजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। रात करीब 10:50 बजे अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि पटाखे से लगी चोट के कारण बच्चे की मौत हो गई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

उत्तम नगर में बिजली कटौती से बेहाल लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली का दमघोंटू प्रदूषण अब सिर्फ सड़कों पर नहीं, बल्कि बिजली कटौती के बहाने अब बेडरूम और किचन तक पहुंच चुका है।

सर्दियों की दस्तक के साथ ही पश्चिमी व पूर्वी उत्तम नगर क्षेत्र में शुरू हुई अघोषित बिजली कटौती ने स्थानीय लोगों को कुएं और खाई जैसी स्थिति में ला खड़ा किया है।

स्थिति यह है कि अगर बिजली से बचने के लिए दरवाजे खोलें तो जहरीली हवा फेफड़ों में जाती है, और अगर बंद रखें तो दिवाली के त्योहार में भी घरों में अंधेरा पसर जाता है। पहले भी इस मुद्दे को समय-समय पर उठाया गया है लेकिन समस्या अभी भी बरकरार है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली कटौती का कोई निश्चित समय नहीं है। रोजाना दो करीब घंटे तक बिजली गुल रहती है। शुक्रवार यानी धनतरेस के दिन उत्तम नगर स्थित दाल मिल रोड इलाके में करीब दो घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही।

वहीं, जैन कालोनी पार्ट-एक, संडे बाजार, सोम बाजार, बुध बाजार और आसपास के क्षेत्रों में भी लगातार कटौती हो रही है। निवासियों के अनुसार, गुरुवार को सुबह 40 मिनट व शनिवार (छोटी



दिवाली) के दिन भी लगभग डेढ़ घंटे तक बिजली नहीं रही। लोगों का कहना है कि प्रदूषण के इस मौसम में घरों को बंद रखना जरूरी है, लेकिन बिजली जाने पर अंधेरे के कारण दरवाजे खोलने पड़ते हैं। इससे घर के भीतर भी प्रदूषित हवा पहुंचने की चिंता बनी रहती है।

त्योहारी बजट में शामिल हुआ इन्वर्टर त्योहारी सीजन में बिजली कटौती ने लोगों की खरीदारी की प्राथमिकता भी बदल दी है। धनतेरस पर जहां लोग सोने-चांदी और बर्तनों की खरीदारी करते हैं, वहीं कुछ परिवार इन्वर्टर और पावर बैकअप पर खर्च किया।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि गर्मियों में तो किसी तरह बिजली कटौती झेल ली, लेकिन त्योहारों के समय भी दो से तीन घंटे बिजली जाना मुश्किल बढ़ा रहा है।

समस्या पर क्षेत्रीय सीडीओ का पक्ष

त्योहारों के दौरान हमारी कोशिश रहती थी कि मेंटेनेंस से जुड़े कार्य न किए जाएं व बिजली आपूर्ति बाधित न हो। प्रयास कर रहे हैं कि लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े। त्योहारों पर दूसरे सामान की खरीदारी से पहले अब इन्वर्टर की जरूरत महसूस हो रही है।- संतोष ठाकुर, जैन कालोनी पार्ट - एक बार-बार बिजली जाने से दैनिक कार्य, बच्चों की पढ़ाई व नौकरी जाने वालों के समय पर प्रभाव पड़ता है।

दिल्ली चावड़ी बाजार हादसा: मलबे से एक और शव मिला, मरने वालों की संख्या हुई 7 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पुरानी दिल्ली के चावड़ी बाजार स्थित गली शीश महल में तीन मंजिला निर्माणाधीन मकान ढहने के हादसे में रविवार को एक और शव बरामद किया गया। अब तक कुल सात लोगों के शवों को निकाला जा चुका है। वहीं, शनिवार को मलबे से दो श्रमिकों के शव बरामद हुए थे। लगातार तीसरे दिन चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान शव मिलने के बाद हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई है। रविवार को मिले मृतक की पहचान लुच्चुमन मुखिया (66 वर्ष), निवासी गांव जकौली, पोस्ट बाथो, जकौली, जिला दरभंगा, बिहार के रूप में हुई है। शनिवार को मिले मृतकों में एक की पहचान बिहार के खगड़िया जिले के हनुमान नगर गांव के पंकज शर्मा के रूप में हुई है, जबकि दूसरे श्रमिक की पहचान अभी नहीं हो सकी थी। पुलिस ने दोनों शवों को एलएन अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मकान के भूतल पर अभी भी तीन से चार श्रमिकों के शव दबे होने की आशंका है। ऐसे में मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। शनिवार को भी एनडीआरएफ और नगर निगम की टीमें मलबा हटाने और उसमें दबे लोगों की तलाश में जुटी रहीं।

16 साल की मेड पर बर्बरता, कभी प्रेस से दागा तो कभी चाकू से दिए जख्म; दास्तान सुन कांप उठेगी रूह

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली में शाहीन बाग के अबुल फजल एन्क्लेव स्थित एक फ्लैट की चारदीवारी के भीतर एक साल तक 16 साल की किशोरी ने खुद पर बर्बरता की कहानी सुनाई है, जिसे सुनकर किसी का



भी कलेजा कांप जाए।

किशोरी का आरोप है कि घरेलू काम में जरा सी चूक होने पर उसे गर्म प्रेस से दागा जाता था और चाकू से वार कर जख्मी किया जाता था। सुबह छह बजे से रात दो बजे तक लगातार काम कराने के बावजूद उसे भरपेट खाना तक नसीब नहीं होता था। खाने में बचा हुआ भोजन दिया जाता था।

आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवार की मजबूरी का फायदा उठाकर किशोरी को काम पर लगाया गया, लेकिन मेहनताना भी एकमुश्त नहीं मिला। कभी 500 तो कभी 1000 रुपये करके पूरे साल में महज 18 हजार रुपये दिए गए। तीन और चार नवंबर की रात श्रम विभाग, दिल्ली पुलिस और स्वयंसेवी संस्था की संयुक्त टीम ने उसे मुक्त कराया। मामले में आरोपित महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

पुलिस और प्रशासनिक रिपोर्ट के अनुसार, घटना शाहीन बाग के अबुल फजल एन्क्लेव पार्ट-2 स्थित मकान की तीसरी मंजिल के फ्लैट की है। पीड़िता पिछले एक साल से इस मकान में आरोपी महिला सदफ के यहां घरेलू सहायक के रूप में रखी गई थी।

पीड़िता के स्वजन ने उसे काम पर रखा था, लेकिन घर के भीतर उसके साथ दरिंदगी का खेल खेला जाने लगा। छोटी-छोटी बातों पर उसे पीटा जाता था, गर्म कपड़ों की प्रेस से शरीर को दागा जाता था और चाकू से हमला कर जख्मी कर दिया जाता था। पिछले एक साल से किशोरी बाहरी दुनिया से कटी हुई इस खौफनाक कैद में हर दिन यातनाएं सहने को मजबूर थी।

किशोरी को उसकी मां से मिलने तक नहीं दिया जाता था। इसकी भनक जब एसोसिएशन फार वालंटरी एक्शन को लगी, तो उन्होंने तुरंत प्रशासन से गुहार लगाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम कालकाजी वेद प्रकाश मीणा ने तुरंत संज्ञान लिया और छापामारी की गई। टीम जब फ्लैट में दाखिल हुई, तो किशोरी की बदहवास हालत और शरीर पर चोट के निशान देखकर हर कोई दहल गया। टीम ने बिना देरी किए किशोरी को सुरक्षित रेस्क्यू किया।

रेस्क्यू के बाद किशोरी को सुरक्षित लाकर एसडीएम कालकाजी के समक्ष पेश किया गया, जहां उसका बयान दर्ज किया गया। पीड़िता की सुरक्षा को देखते हुए उसे महिला हेड कांस्टेबल की निगरानी में वन स्टाप सेंटर लाजपत नगर भेजा गया है। किशोरी का विस्तृत मेडिकल चेकअप और इलाज कराया जा रहा है। मामले में शाहीन बाग थाना पुलिस ने चार नवंबर को आरोपित महिला सदफ के खिलाफ बाल और किशोर श्रम (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 तथा बाल न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 75 (बच्चे के प्रति क्रूरता) और धारा 79 (बाल श्रम/शोषण) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

खाने के पैकेट में ड्रग्स तो किसी के पेट से निकली कोकेन... तस्करी के नए तरीके कस्टम के लिए चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। आईजीआई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नशा तस्करी के बदलते तरीकों ने कस्टम विभाग की चुनौती बढ़ा दी है। अब तस्कर गांजे की बड़ी खेप के साथ सिंथेटिक ड्रग्स और कोकेन भी दिल्ली पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं। अक्टूबर में मनीला से आए एक यात्री के पास से शील्ड खाद्य पदार्थ के पैकेट में करीब पांच किलो संदिग्ध सिंथेटिक ड्रग्स मिली, जबकि गिनी के एक नागरिक के पेट से कोकेन से भरे 70 कैप्सूल निकाले गए। इस दौरान यात्रियों और एयर कार्गो से 264.288 किलो से अधिक गांजा जब्त किया गया।

साथ ही सोने, कीमती पत्थरों और लग्जरी घड़ियों की तस्करी के मामले भी पकड़े गए। नशा तस्करी में 15 तस्कर और 4 सोना और कीमती घड़िया तस्करी करते हुए गिरफ्तार हुए हैं।

कस्टम अधिकारी के अनुसार रासायनिक प्रक्रियाओं से तैयार होने वाली सिंथेटिक ड्रग्स में एमडीएमए को एक्स्टसी या मौली कहा जाता है। इसका इस्तेमाल नाइट क्लब और पार्टियों में नशे के लिए होता है, इसलिए इसे पार्टी ड्रग के रूप में जाना जाता है।



जहां गांजा में तेज गंध होता है, यह गंधहीन होते हैं और काफी कम मात्रा में भी इनका प्रभाव काफी तेज हो सकता है। कस्टम को मनीला से आए एक भारतीय यात्री से करीब पांच किलो संदिग्ध सिंथेटिक ड्रग्स मिली। इसकी अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई।

28 अक्टूबर को गिनी से अदीस अबाबा होते हुए दिल्ली पहुंचे नागरिक को पकड़ा गया था, जो अपने पेट में कोकेन से भरे 70 कैप्सूल लेकर दिल्ली पहुंचा था। जिनमें 1.068 किलो कोकेन थी, जिसकी कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई। 15 अक्टूबर को बैंकाक से आए कार्गो में पीयू ट्यूब के प्लास्टिक स्पूल में छिपाकर रखी 148.675 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ। इसकी कीमत करीब 52 करोड़ रुपये थी। 21-22 अक्टूबर की दरमियानी रात दूसरी खेप से 23.220 किलो गांजा मिला।

यात्रियों के सामान से भी कई खेपें पकड़ी गईं। इनमें 28 अक्टूबर को दो भारतीय यात्रियों के ट्राली बैग से बरामद 26.670 किलो गांजा शामिल है। 19 अक्टूबर को दुबई से आए यात्री के सामान के फ्लोर स्प्रिंग में छिपाई गई 3.20 किलो सोने की छड़ें मिलीं। 26 अक्टूबर को शारजाह से आए दो यात्रियों से 332 ग्राम सोने की चेन बरामद हुई।

गाजियाबाद क्रॉसिंग रिपब्लिक फ्लैट में भीषण आग, दमकलकर्मियों ने बीए सेट से बुझाई

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रॉसिंग रिपब्लिक स्थित जीएच-7 सोसायटी के टावर नंबर सात की दसवीं मंजिल पर रविवार रात एक बंद फ्लैट में भीषण आग लग गई। फ्लैट के अंदर आग की लपटों के साथ अत्यधिक धुआं भर गया।

सूचना पर क्रासिंग रिपब्लिक और कोतवाली अग्निशमन केंद्र से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की तीव्रता और धुएं को देखते हुए वैशाली अग्निशमन केंद्र से हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म भी बुलाया गया।

दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब पौन घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान फ्लैट में रखा घरेलू सामान जलकर क्षतिग्रस्त हो गया।



हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में दमकल टीम ने मौके पर पहुंचते ही आग बुझाने का अभियान शुरू किया। 10वीं मंजिल स्थित साकेत जैन के फ्लैट में रात आठ बजे आग की सूचना मिली।

घटना के समय स्वजन अलवर गए हुए थे। सोसायटी के लोगों ने बालकनी से आग लगी देख दमकल को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने अंदर धुआं होने के कारण श्वसन सुरक्षा उपकरण (बीए सेट) पहनकर फ्लैट के अंदर प्रवेश किया।

टीम ने सोसायटी में लगी अग्निशमन प्रणाली का भी प्रभावी इस्तेमाल किया। काफी प्रयास के बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। दमकल विभाग की कार्रवाई से आग को आसपास के फ्लैटों और इमारत के अन्य हिस्सों तक फैलने से रोक लिया गया। इस दौरान दमकलकर्मियों ने संवेदनशीलता दिखाते हुए फ्लैट में रखे एक्वेरियम से एक मछली को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इससे उसकी जान बच गई।

दिल्ली के द्वारका से नाइजीरिया के तीन नागरिक गिरफ्तार, बिना वैध दस्तावेजों के तय समय से अधिक रहने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को द्वारका से नाइजीरिया के तीन नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों का कहना है कि इन तीनों के पास वैध दस्तावेज नहीं मिले हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक नाइजीरिया के तीनों नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के भारत में तय समय से ज्यादा समय तक रहे थे, जिसकी वजह से उन्हें गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में भेजा गया है। तीनों नागरिकों की हुई पहचान पुलिस ने नाइजीरिया के इन तीनों नागरिकों की पहचान बार्थोलोम्यू उवाएबुका इलोएग्बुनम, कोनन ओकोचा (उर्फ कोनन ब्राइस कौसाई) और नदुबुइसी चार्ल्स नवाबुफोर के रूप में की है। पुलिस ने इन्हें 31 अक्टूबर को वेरिफिकेशन ड्राइव के दौरान गिरफ्तार किया था, क्योंकि इनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले थे।



क्रेटा से आए और दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष की क्रेटा ही चुरा ले गए बदमाश, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में वाहन चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे अब राजनीतिक हस्तियों की गाड़ियों को निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व महापौर आदेश गुप्ता से जुड़ा है।

पश्चिम पटेल नगर स्थित उनके घर के बाहर खड़ी क्रेटा कार को बदमाश चोरी कर ले गए। चोरी करने आए चार बदमाश खुद क्रेटा कार से पहुंचे थे। इनमें से दो बदमाशों ने पहले उनकी कार का लॉक खोला और फिर उसे लेकर फरार हो गए, जबकि उनके दो साथी दूसरी कार में सवार होकर निकल गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआइआर दर्ज कर ली है और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिये आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक, आदेश गुप्ता पश्चिम पटेल नगर इलॉक में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी क्रेटा कार घर के सामने खड़ी होती थी। शनिवार सुबह जब उन्होंने घर के बाहर देखा तो कार गायब थी। इसके बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसमें सामने आया कि शनिवार सुबह करीब 5:40 बजे सफेद क्रेटा कार से चार बदमाश वहां पहुंचे थे। कुछ देर रुकने के बाद उनमें से दो बदमाश नीचे उतरे और घर के बाहर खड़ी उनकी क्रेटा कार का लॉक खोला।



इसके बाद दोनों बदमाश कार में सवार हुए और फरार हो गए।

महीनेभर पहले भी की थी कोशिश

इस वारदात ने इसलिए भी पुलिस की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि बदमाश करीब एक महीने पहले भी उनकी कार चोरी करने का प्रयास कर चुके थे। हालॉक, उस समय वे कामयाब नहीं हो पाए थे। उस घटना के बाद आदेश गुप्ता ने पटेल नगर थाने में शिकायत भी दी थी। इसके बावजूद बदमाशों ने दोबारा उनकी कार को निशाना बनाया और इस बार चोरी करने में सफल रहे। बेटे के नाम पंजीकृत है कार चोरी की गई क्रेटा कार आदेश गुप्ता के बेटे यश गुप्ता के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस अब घटनास्थल और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि बदमाशों के भागने का रास्ता और उनकी पहचान का पता लगाया जा सके। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वारदात में इस्तेमाल की गई क्रेटा कार चोरी की तो नहीं है और क्या आरोपित किसी वाहन चोर गिरोह से जुड़े हैं।

कंपनी का डायरेक्टर बनाया और फिर... 842 करोड़ की दवा खरीद घोटाले के मुख्य आरोपी रंगीला पर मर्डर का मुकदमा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली स्वास्थ्य विभाग में 842 करोड़ के उपकरण और दवा खरीद घोटाले के मुख्य आरोपी राजीव रंगीला ने अस्पतालों को चादर और अन्य लिनेन सामग्री की आपूर्ति के लिए जिस कंपनी का इस्तेमाल किया किया था, उसे उसने अपने करनाल (हरियाणा) फार्म हाउस के गार्ड ज्ञान चंद की जानकारी के बिना उसके नाम और दस्तावेज का उपयोग कर बनाया था।

आरोप है कि रंगीला ने इसी कंपनी के नाम पर चादर और लिनेन आपूर्ति का टेंडर हासिल कर करीब 25 करोड़ रुपये की सामग्री के बदले विभागीय मिलीभगत से 75 करोड़ रुपये का भुगतान करा लिया था।

आरोप है कि फर्जी कंपनियों के जरिए बिल प्रस्तुत कर भुगतान हासिल किया गया। ज्ञानचंद की इसमें कितनी हिस्सेदारी थी या नहीं, एसीबी इसका पता लगा रही है। घोटाले की जांच शुरू होने के बाद एक सितंबर को ज्ञानचंद की रंगीला के फार्म हाउस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।

हरियाणा पुलिस ने ज्ञानचंद की मौत मामले में उसके बेटे की शिकायत पर राजीव रंगीला पर करनाल के सदर थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि ज्ञानचंद की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप दे दिया गया या फिर उसे आत्महत्या करने पर मजबूर किया गया।

हरियाणा पुलिस इसकी जांच कर रही है। दिल्ली के मेडिकल खरीद घोटाले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस की एसीबी भी इसे लेकर जानकारी जुटा रही है।

दिल्ली स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार चार नवंबर को कोर्ट में रंगीला की जमानत याचिका के विरोध में ज्ञानचंद की मौत का मामला उठा था। आरोप लगाया गया कि राजीव रंगीला ने ज्ञानचंद के



पहचान संबंधी दस्तावेज का गलत उपयोग कर उसे कंपनी का निदेशक बना दिया था।

ज्ञानचंद करनाल में रंगीला के फार्म हाउस पर करीब 20 साल से चौकीदार और ट्रैक्टर चालक के रूप में काम कर रहा था। कंपनी के कारोबार व सरकारी टेंडर से उसका कोई वास्तविक संबंध नहीं था। बताया गया कि उसे कंपनी का निदेशक बनाए जाने की जानकारी भी नहीं थी।

पांच कंपनियों को मिले 839 करोड़ रुपये

आरोप है कि रंगीला से जुड़ी पांच प्रमुख कंपनियों को सरकारी भुगतान के रूप में करीब 839 करोड़ रुपये मिले। पूरे मेडिकल खरीद घोटाले की रकम करीब 842 करोड़ रुपये बताई जा रही है। एसीबी कंपनियों के निदेशकों, बैंक खातों, टेंडर दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है।



अंडर-19 एशिया कप

हमजा जहूर के नाबाद शतक से जीता पाकिस्तान

बेकार गया अर्जुन राजपूत का सैकड़ा

पाक ने भारत को 3 विकेट से हराया

अल अमीरात (ओमान)। ओमान के अल अमीरात क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए अंडर-19 एशिया कप के रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान ने भारत को 3 विकेट से हरा दिया। भारत द्वारा दिए गए 209 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम ने 48.1 ओवर में 7 विकेट खोकर मुकाबला जीत लिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ग्रुप-ए की अंक तालिका (पॉइंट्स टेबल) में 4 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गया है, जबकि भारत के खाते में 2 मैचों से 2 अंक हैं। हमजा जहूर की नाबाद शतकीय पारी और शतकीय साझेदारी



मैच-विनिंग पार्टनरशिप: जब पाकिस्तान के 5 विकेट जल्द गिर गए थे, तब हमजा ने हसनैन अब्बास डार (38 रन) के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 107 रनों की बहुमूल्य साझेदारी की और टीम को जीत की दहलीज पर ला खड़ा किया।

जीत का चौका: 49वें ओवर की पहली गेंद पर हमजा ने भारतीय गेंदबाज काव्य पटेल पर चौका जड़कर पाकिस्तान को 3 विकेट से रोमांचक जीत दिलाई।

हमजा का जुझारू शतक



पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज हमजा जहूर टीम की जीत के मुख्य सूत्रधार रहे। उन्होंने दबाव भरे पलों में 10 चौकों और 3 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रनों की शतकीय पारी खेली।



अर्जुन राजपूत का शतक, 208 रन पर सिमटी टीम इंडिया

अर्जुन की शानदार पारी : टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम 46.3 ओवर में 208 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत की ओर से अर्जुन राजपूत ने संकटमोचक की भूमिका निभाते हुए 107 रनों की शतकीय पारी खेली, हालांकि अन्य शीर्ष बल्लेबाजों से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला।

पाकिस्तानी गेंदबाजों का दबदबा : पाकिस्तान की ओर से सटीक गेंदबाजी करते हुए अली रजा, निकाब शफीक और रिजवानुल्लाह ने 3-3 विकेट झटके। भारतीय गेंदबाजी का प्रयास रहा अधूरा- 209 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए भारत की ओर से गेंदबाज मनल चौहान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके और मैच को कड़े मुकाबले में तब्दील किया। अंत के ओवरों में मोहित उलवा और अन्य गेंदबाजों ने रन गति पर अंकुश लगाने की कोशिश की, मगर हमजा जहूर की धैर्यपूर्ण पारी ने अंतत : पाकिस्तान को जीत दिला दी।

भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट का तीसरा दिन बारिश से धुला

लिंकन। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेले जा रहे तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट का तीसरे दिन बारिश की वजह से धुल गया। तीसरे दिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी। इसका नुकसान भारतीय टीम को हुआ। सोमवार को खेल न होने से इंडिया ए टीम ज्यादा निराश है, क्योंकि भारतीय गेंदबाजों को अभ्यास का मौका नहीं मिला। भारतीय टीम मैनेजमेंट चाहता था कि भारतीय



गेंदबाजों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले अभ्यास का मौका मिल जाए। गेंदबाजी में सबसे ज्यादा ध्यान दिग्गज जसप्रीत बुमराह पर था। वह एशियन गेम्स में के बाद पहली बार मैदान पर लौटे हैं। बुमराह को वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज से आराम दिया गया था। बुमराह ने लिंकन में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे दिन छह ओवर गेंदबाजी की थी। इस दौरान उन्होंने 1 मेडन फेंका और 11 रन दिए। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को गेंदबाजी का मौका नहीं मिला। प्रसिद्ध कृष्णा ने 5 ओवर गेंदबाजी की थी और 2 विकेट लिए थे। अगर सोमवार को मैच होता, तो इन तीनों गेंदबाजों को मैच अभ्यास का पर्याप्त मौका मिलता जिसका फायदा न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम को हो सकता था। बुमराह, कृष्णा और जडेजा तीनों टेस्ट सीरीज का हिस्सा हैं। अनाधिकारिक टेस्ट के शुरुआती दो दिनों के खेल पर नजर डालें तो न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए यशस्वी जायसवाल के 102, साई सुदर्शन के 88, ध्रुव जुरेल के 71, तिलक वर्मा के नाबाद 81 और वाशिंगटन सुंदर के 50 रन की बदौलत पहली पारी 5 विकेट पर 464 रन बनाकर घोषित की थी।

आईपीएल में बड़ा फेरबदल

हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स में शामिल, अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस की जर्सी में नजर आएंगे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की आगामी नीलामी से पहले एक बड़ा और चौंकाने वाला खिलाड़ी ट्रेड सामने आया है। मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स के बीच हुए इस बड़े समझौते के तहत स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स की ओर से खेलेंगे, जबकि भारत के प्रमुख बाएं हाथ के



तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस का हिस्सा बनेंगे। नीलामी से पहले बड़ा ट्रेड डील अदला-बदली पर मुहर : न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, दोनों फ्रेंचाइजियों के बीच यह स्वैप डील पूरी हो चुकी है। आईपीएल से जुड़े एक सूत्र ने इस ट्रेड की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलेंगे हार्दिक : सूत्र के मुताबिक, हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में खेलने को लेकर काफी खुश और सहज हैं। श्रेयस अय्यर ही पंजाब किंग्स की कप्तानी संभालते रहेंगे और हार्दिक एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में टीम को मजबूती प्रदान करेंगे। अर्शदीप संभालेंगे मुंबई का गेंदबाजी आक्रमण : दूसरी ओर, लंबे समय से पंजाब किंग्स की तेज गेंदबाजी की रीढ़ रहे अर्शदीप सिंह अब पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करते दिखेंगे।

मेसी ने 'एमएलएस' में रचा इतिहास

लगातार 2 सीजन 'गोल्डन बूट' खिताब जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी का मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में शानदार प्रदर्शन जारी है। उन्होंने रेगुलर सीजन में 26 गोल करके 'गोल्डन बूट' का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही मेसी लगातार दो सीजन में यह पुरस्कार जीतने वाले लीग के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। अर्जेंटीना के इस सुपरस्टार ने एफसी डलास के फॉरवर्ड पेटार मूसा से 4 गोल ज्यादा किए, जिन्होंने 22 गोल दागे थे। वहीं, वैंकूवर व्हाइटकैप्स एफसी के ब्रायन व्हाइट 20 गोल के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इस उपलब्धि के साथ, मेसी एमएलएस के इतिहास में एक से अधिक बार गोल्डन बूट जीतने वाले छठे खिलाड़ी बन गए हैं। अपने चौथे एमएलएस सीजन में, मेसी ने केवल 31 रेगुलर-सीजन मुकाबलों में हिस्सा लेने के बावजूद सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया। उनके 26 गोल के साथ 17 असिस्ट भी शामिल रहे, जिससे उनका कुल योगदान 43 हो गया। यह एमएलएस के किसी एक सीजन में दर्ज किया गया तीसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है।

39 वर्षीय मेसी ने प्रति मैच 0.87 गोल के साथ लीग में शीर्ष स्थान हासिल किया। इसके अलावा, उन्होंने 6 बार एक से



अधिक गोल करके भी शीर्ष स्थान साझा किया। प्रति 90 मिनट में गोल करने के मामले में वे 0.91 के औसत के साथ दूसरे स्थान पर रहे। मेसी के इस सीजन की सबसे खास बात 'ओपन प्ले' से उनका शानदार प्रदर्शन रहा। उनके 26 गोलों में से केवल 1 गोल पेनाल्टी से आया था। इस तरह, उन्होंने पेनाल्टी के बिना 25 गोल किए, जो एमएलएस के इतिहास में एक सीजन में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। यह रिकॉर्ड भी मेसी के ही नाम है, जिन्होंने 2025 में पेनाल्टी के बिना 28 गोल किए थे।

इस नए गोल्डन बूट के साथ, मेसी ने गोल करने में अपनी निरंतरता का शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। साल 2025 में 29 गोल करने के बाद, मेसी एमएलएस के इतिहास में लगातार दो रेगुलर सीजन में कम से कम 25 गोल करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। पिछले तीन सीजन में, मेसी ने रेगुलर सीजन में कुल 75 गोल किए हैं। लीग के इतिहास में तीन सीजन की अवधि में किसी भी खिलाड़ी द्वारा किए गए गोलों की यह दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। वे 2023 के 'गोल्डन बूट' विजेता डेनिस बौंगा के साथ, लगातार तीन सीजन में कम से कम 20 गोल करने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी हैं।

तीसरा वन डे आज, चोटों से परेशान न्यूजीलैंड

कौन हुआ सीरीज से बाहर? चोटिल ब्लेयर टिकनर की जगह इस गेंदबाज को टीम में किया शामिल

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में चोटों से जूझ रही न्यूजीलैंड की टीम ने तीसरे मुकाबले से पहले एक और बदलाव किया है। तेज गेंदबाज क्रिस्टियन क्लार्क को ब्लेयर टिकनर के कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। दोनों टीमों के बीच तीसरा वनडे मंगलवार को हैमिल्टन में खेला जाएगा। इसके अलावा तेज गेंदबाज लोकी फर्ग्यूसन चोट के कारण चौथे और पांचवें वनडे से बाहर हो गए हैं।

- **टिकनर को सात दिन तक करना होगा इंतजार-** न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोमवार को जारी बयान में बताया कि टिकनर को भारत के खिलाफ दूसरे वनडे में बल्लेबाजी के दौरान गेंद लगी थी। हालांकि, जांच में उन्हें कन्कशन (सिर में चोट के कारण होने वाली परेशानी) नहीं पाया गया। इसके बावजूद उनकी जगह प्लेइंग इलेवन में मैट फिशर को शामिल किया गया था। आईसीसी के अनिवार्य नियम के मुताबिक, कन्कशन के कारण मैच में रिप्लेस किए गए खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से पहले मैच की तारीख से सात दिन का विश्राम करना होगा। ऐसे में टिकनर इस अवधि के पूरा होने से पहले नहीं खेल सकेंगे। उनकी जगह क्लार्क को टीम में कवर के तौर पर बुलाया गया है।



- **फर्ग्यूसन चौथे और पांचवें वनडे से बाहर-** न्यूजीलैंड को लोकी फर्ग्यूसन के रूप में भी झटका लगा है। वह टी20 सीरीज के दौरान दाएं पैर की पिंडली में हल्के खिंचाव का शिकार हुए थे। वह इससे पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने पुष्टि की है कि फर्ग्यूसन चौथे और पांचवें वनडे में नहीं खेलेंगे।
- **मैट हेनरी की चौथे वनडे में वापसी का लक्ष्य-** तेज गेंदबाज मैट हेनरी को भी अपनी वापसी के लिए इंतजार करना होगा। ऑकलैंड में डेवोन कॉनवे से टकराने के बाद उन्हें शुरुआती जांच में कन्कशन नहीं पाया गया था। हालांकि, वेलिंगटन में दोबारा जांच के बाद उन्हें चौथे वनडे तक वापसी का लक्ष्य रखने की सलाह दी गई है। हेनरी और काइल जेमीसन को तीसरे वनडे के बाद टेस्ट टीम के शिविर से जुड़ना था, लेकिन अब दोनों चौथे वनडे के लिए भी न्यूजीलैंड की टीम के साथ रहेंगे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

पाटीदार मध्य प्रदेश के कप्तान नियुक्त, माधव तिवारी को नहीं मिली जगह

इंदौर। आगामी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए रजत पाटीदार को मध्य प्रदेश का कप्तान नियुक्त किया गया है। 14 नवंबर से शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में मध्य प्रदेश को 'एलीट ग्रुप-सी' में रखा गया है। टीम अपने पहले चार मैच न्यू चंडीगढ़ में खेलेगी, जबकि बाकी तीन मुकाबले मोहाली में आयोजित होंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बतौर कप्तान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को साल 2025 और 2026 में लगातार दो खिताब जिताने वाले पाटीदार सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पूरे लीग चरण के लिए उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। पाटीदार और बाएं हाथ के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर अरशद खान, कतर के दोहा में 19 से 29 नवंबर तक होने वाले 'मेंस राइजिंग स्टार्स एशिया कप' के लिए इंडिया-ए टीम से जुड़ेंगे। इंडिया ए टीम में, पाटीदार को कप्तान तिलक वर्मा का डिप्टी (उप-कप्तान) नियुक्त किया गया है। भारत के लिए तीन टेस्ट और एक वनडे खेल चुके पाटीदार के अलावा, मध्य प्रदेश के लिए बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी, हर्ष गवली और अनिकेत वर्मा को जिम्मेदारी उठानी होगी। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स और मध्य प्रदेश लीग टी20 सिंधिया कप 2026 में उज्जैन फाल्कन्स के लिए खेलने के बावजूद, सीम-बॉलिंग ऑलराउंडर माधव तिवारी को टीम में जगह नहीं मिली है। टीम में हर्ष गवली और अपूर्व द्विवेदी के रूप में दो विकेटकीपर शामिल हैं। गेंदबाजी विभाग की कमान भारत के तेज गेंदबाज आवेश खान संभालेंगे।



कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। कार्लोस अल्काराज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-7 (10), 7-5, 6-3 से हराकर पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अल्काराज की जीत ने फ्रिट्ज की एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और इसके बजाय यह पक्का कर दिया कि उनके देश के राफेल जोडार साल के आखिर में होने वाले टूर्नामेंट के लिए आखिरी जगह पक्की कर लें। अल्काराज से मुकाबले से पहले एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में 11वें स्थान पर रहे फ्रिट्ज को नौवें स्थान पर रहने वाले जोडार को पछाड़कर एटीपी फाइनल्स में अपनी जगह पक्की करने के लिए स्पेन के खिलाड़ी को हराना था, जो इटली के ट्यूरिन में इनाल्पी



एरिना में होगा। जोडार पहले ही राउंड ऑफ 32 में पेरिस से बाहर हो गए थे। अब जोडार, जो इस सीजन में अपना पहला फुल-टाइम टूर-लेवल डेब्यू कर रहे हैं, क्वालिफिकेशन पाने वाले आखिरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले, फ्रांसेस टियाफो साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले सातवें खिलाड़ी बने थे, जब टॉमी पॉल पेरिस क्वार्टर में बेन शेल्टन से हारकर अपना मौका गंवा बैठे थे। इस बीच, अल्काराज ने फ्रिट्ज के खिलाफ मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए सीजन के अपने तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गए।

एलेना रायबाकिना ने बीमारी की वजह से 2026 डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर 1 एलेना रायबाकिना ने वायरल बीमारी के कारण इंडियन वेल्स में होने वाले 2026 डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस ले लिया है। रायबाकिना ने कहा, 'मुझे अपने सभी फैंस और समर्थकों को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि बदकिस्मती से मुझे इस साल डब्ल्यूटीए फाइनल्स से नाम वापस लेना पड़ रहा है।'

उन्होंने कहा, 'मेरा सीजन बहुत अच्छा रहा है, लेकिन मेरा शरीर अभी मुकाबला करने के लिए तैयार नहीं है। मैं घर पर आराम करने और ठीक होने में कुछ समय बिताऊंगी और 2027 सीजन के लिए खुद को तैयार करूंगी।



डब्ल्यूटीए फाइनल्स एक बहुत ही खास टूर्नामेंट है और मैं सभी को शुभकामनाएं देती हूं। मार्च में इंडियन वेल्स में वापस आने का इंतजार नहीं कर सकती।' डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्टा कोस्त्युक ग्रुप 1 में रायबाकिना की जगह लेंगी, और रविवार को टूर्नामेंट के पहले मैच में लिंडा नोस्कोवा का सामना करेंगी।

इसके अलावा, कोको गॉफ और जेसिका पेगुला भी बाद के राउंड रॉबिन मैचों में उनका सामना करेंगी। रायबाकिना ने साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में डिफेंडिंग चैंपियन के तौर पर एंट्री की थी, और सऊदी अरब के रियाद में 2025 एडिशन में आखिरी क्वालीफायर के तौर पर बिना हारे रहीं।